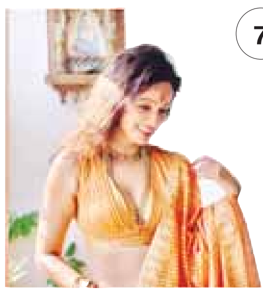

7

12 जून को हुए प्लेन....

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

11

मप्र के लिये मर्काबार्ना ...

■ वर्ष 31 अंक 25 | डाक/नगर संस्करण | ■ जबलपुर शनिवार 19 जुलाई 2025 | ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

वर्ष 1971 की लड़ाई की विरासत को आगे बढ़ायेगा 'निस्तार'

नौसेना में शामिल हुआ अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस युद्धपोत

विशाखापत्तनम

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने विश्वास जताया है कि नए कलेवर और नयी क्षमताओं के साथ एक बार फिर नये अवतार में नौसेना के बेड़े में शामिल होने वाला 'निस्तार' युद्धपोत अपने पुराने अवतार, वर्ष 1971 की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका की विरासत को आगे बढ़ायेगा। देश में विकसित और गहरे समुद्र में बचाव अभियान चलाने में सहायक उपकरणों तथा अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस 'निस्तार' के नौसेना में शामिल होने से पनडुब्बी बचाव अभियानों में क्रांति आएगी। इस युद्धपोत को शुक्रवार को विशाखापत्तनम में एक समारोह में नौसेना में शामिल किया गया। 'निस्तार' का वजन 10 हजार टन से अधिक और लंबाई 118 मीटर है। यह 300 मीटर से अधिक गहराई में बचाव अभियान चलाने में सक्षम है। इस अवसर पर मौजूद एडमिरल त्रिपाठी ने 'निस्तार' के भूतपूर्व अवतार के साहसिक अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि नौसेना के बेड़े में शामिल होने के कुछ महीने बाद ही इस युद्धपोत ने वर्ष 1971 की लड़ाई में पाकिस्तान की पनडुब्बी 'गाजी' का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि 'निस्तार' ने विशाखापत्तनम के बंदरगाह से ही गोता लगाकर

पाकिस्तान की पनडुब्बी के 'रेक' की पहचान की थी। उन्होंने कहा कि नौसेना की पंरपरा के अनुसार उसके युद्धपोत का अस्तित्व कभी मिटता नहीं और वे हमेशा नए अवतार में वापस लौटते हैं। इसी परंपरा के तहत आज एक और गौरवशाली नाम 'निस्तार' वापस लौटा है।

नौसेना को नयी ताकत मिलेगी

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, 'निस्तार' नए आत्मबल और उद्देश्य के साथ फिर से अवतरित हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि नया 'निस्तार' भी अपने पूर्ववर्ती की विरासत को और आगे बढ़ाएगा। पुराने 'निस्तार' पर तैनात रहे अनेक भूतपूर्व सैनिक इस अवसर पर मौजूद हैं और यह नौसेना के लिए गौरव तथा सम्मान का क्षण है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक गोताखोरी प्रणाली तथा बचाव उपकरणों से लैस 'निस्तार' से नौसेना को नयी ताकत मिलेगी।

देश में विकसित की क्षमता

उन्होंने कहा, निस्तार आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित प्लेटफार्म ही नहीं है बल्कि ऐसा युद्धपोत है जो हमारे क्षेत्रीय सहयोगियों को भी पनडुब्बी बचाव अभियानों में सहयोग प्रदान करेगा। दुनिया की कुछ ही नौसेनाओं के पास ऐसी क्षमता है, जिन्होंने इस क्षमता को देश में विकसित किया है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 'निस्तार' का राष्ट्र को समर्पित किये जाने का क्षण भारत की बढ़ती समुद्री औद्योगिक क्षमता और परिपक्वता का प्रमाण है।

बिहार: बिजली गिरने से 24 घंटे में 17 मौतें

नई दिल्ली। बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। वैशाली में 4, बांका और पटना 2-2 लोगों की जान चली गई। पटना में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। यूपी के वाराणसी में गंगा उफान पर हैं।

विधानसभा में मारपीट, 2 गिरफ्तार

मुम्बई। महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें दोनों विधायकों के समर्थक आपस में गाली-गलौज और हाथापाई करते दिखे।

मुठभेड़ में 6 नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। शुक्र वार दोपहर दोनों तरफसे हुई गोलीबारी में जवानों ने 6 माओवादियों को ढेर कर दिया है। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मौके से एके-47 और एसएलआर राइफल जैसे हथियार भी बरामद हुए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

क्या हांफने लगा है सरपट दौड़ता भारत

अच्छे नहीं हैं आंकड़ों से मिल रहे संकेत

नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत दिख रहे हैं। फाइनेंशियल सर्विस फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। उसने ब्याज दरें घटाई हैं और बाजार में पैसे की उपलब्धता बढ़ाई है। लेकिन, इसके बाद भी कई सेक्टरों में ग्रोथ की रफ्तार धीमी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ज्यादातर आर्थिक आंकड़े, जो एक साल पहले डबल डिजिट में थे, अब सिंगल डिजिट में आ गए हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी से पहले जैसी ही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के हाई फ्रीक्वेंसी डेटा अब धीमे हो रहे हैं। उनमें से ज्यादातर सिंगल डिजिट में चले गए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की यह सुस्ती वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, विशेषकर अमेरिका और चीन के साथ उसके संबंधों से अछूती नहीं है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच का व्यापार युद्ध और उनकी अपनी आर्थिक चुनौतियां भारत पर सीधा और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से प्रभाव डालती हैं।

नुवामा की रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। आरबीआई के प्रयासों के बावजूद कई क्षेत्रों में विकास की रफ्तार धीमी हो गई है। बैंकों से लोन लेने की गति सुस्त पड़ी है। यह पहले 16 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 9 प्रतिशत रह गई है। जीएसटी कलेक्शन की रफ्तार भी कम हुई है। यह पहले 11 प्रतिशत था, जो जून 2025 में 6.2 प्रतिशत रह गया है। निर्यात में भी कमी आई है। कुल निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं) में सिर्फ 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ज्यादातर हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर अब सिंगल-डिजिट ग्रोथ में वापस आ गए हैं। यह 2018-19 के प्री-पैंडेमिक वर्षों के समान है। इसका मतलब है कि आर्थिक गतिविधियां धीमी हो रही हैं। जबकि सरकार की तरफ से मदद जारी है। ऐसे में विकास को बढ़ावा देने के लिए और कदम उठाने की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था में आ रही कमजोरी

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई महत्वपूर्ण संकेतकों का 12 महीने का औसत लगातार नीचे की ओर जा रहा है। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में कमजोरी आ रही है। लोग कम चीजें खरीद रहे हैं। पैसेंजर व्हीकल की बिक्री में गिरावट आई है। यह पिछले साल 7 प्रतिशत थी, जो अब 2 प्रतिशत रह गई है। रियल एस्टेट सेक्टर में भी बड़ी गिरावट आई है। टॉप सात शहरों में प्रॉपर्टी की बिक्री 28 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हो गई है।

विकास दर में आई गिरावट

बीएसई500 कंपनियों में वेतन वृद्धि भी आधी हो गई है। यह पहले 12 प्रतिशत थी, जो अब 6 प्रतिशत रह गई है। आठ प्रमुख क्षेत्रों में विकास दर 3 प्रतिशत है। जबकि एक साल पहले यह 8 प्रतिशत थी। डीजल की खपत 1 प्रतिशत है। मीडियम और हैवी कमर्शियल व्हीकल की बिक्री में 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात केवल 6 प्रतिशत बढ़ रहा है। बीएसई500 कंपनियों का लाभ अब 10 प्रतिशत है। जबकि एक साल पहले यह 21 प्रतिशत था।

अमेरिका और चीन से कनेक्शन

अमेरिका और यूरोप में उपभोक्ता खर्च में कमी और चीन में औद्योगिक मुनाफे में गिरावट से ग्लोबल मांग कम हो रही है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ रहा है, जैसा कि 6 प्रतिशत की धीमी निर्यात बढ़ोतरी से साफ है। जब अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की अर्थव्यवस्थाएं धीमी होती हैं तो वे भारत से कम आयात करते हैं। इससे भारत के निर्यात-आधारित उद्योगों को नुकसान होता है। चीन की आर्थिक सुस्ती से ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर पड़ता है। इससे भारत के कुछ क्षेत्र भी प्रभावित हो सकते हैं जो चीनी कम्पोनेंट्स पर निर्भर हैं, जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध और टैरिफ की होड़ से वैश्विक व्यापार में अस्थिरता बढ़ी है। अगर अमेरिका और चीन में मंदी आती है तो इसका पूरी दुनिया पर और भारत पर भी गंभीर असर होगा। कारण है कि चीन भारत का सबसे बड़ा और अमेरिका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होकर कुछ कंपनियां चीन से अपनी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट भारत में ट्रांसफर करने पर विचार कर सकती हैं। इससे भारत को एक वैकल्पिक सप्लाई केंद्र के रूप में लाभ मिल सकता है। हालांकि, यह प्रक्रिया धीमी और जटिल है।

ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र को किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवास पर शुक्रवार को छापेमारी की। छापेमारी के बाद टीम ने उनके बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया है। यह छापेमारी भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉड्रिंग के मामले में की गई। मामले में नए सबूत मिलने के बाद ईडी ने मनी लॉड्रिंग अधिनियम के तहत दुर्ग जिले के भिलाई शहर में स्थित भूपेश बघेल के आवास पर छापा मारा। ईडी के अनुसार, शराब घोटाला करीब 2100 करोड़ रुपये का है। हाल ही में ईडी ने शराब घोटाले में पूर्व सीएम कवासी लखमा के खिलाफ चालान पेश किया है। इसमें दावा किया गया है घोटाले की राशि बढ़कर 3200 करोड़ या उससे ज्यादा हो सकती है। बता दें कि चैतन्य बघेल और भूपेश बघेल एक साथ भिलाई स्थिति आवास पर रहते हैं। सूत्रों ने बताया कि छापे की कार्रवाई चैतन्य बघेल के खिलाफ की गई, जिनके खिलाफ शराब घोटाला मामले में जांच जारी है। भूपेश बघेल के आवास के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी देखे गए, वहीं कुछ पार्टी समर्थक भी वहां एकत्र हो गए। इस दौरान पार्टी और भूपेश बघले के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया।

जन्मदिन पर भेजे तोहफे ताउम्र याद रहेंगे

भूपेश बघेल ने ईडी की रेड के बारे में खुद सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक पर पोस्ट डालकर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि जन्मदिन का जैसा तोहफा मोदी और शाह देते हैं वैसा दुनिया के किसी लोकतंत्र में और कोई नहीं दे सकता। मेरे जन्मदिन पर दोनों नेताओं ने मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के घरों पर ईडी भेजी थी और अब मेरे बेटे चैतन्य के जन्मदिन पर मेरे घर पर ईडी की टीम छापामारी कर रही है। इन तोहफों का धन्यवाद। ताउम्र याद रहेगा।

रॉबर्ट-प्रियंका के साथ हर साजिश के खिलाफ मैं खड़ा रहूंगा : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा तथा उनके पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मोदी सरकार लगातार साजिश कर रही है और वह इसके विरुद्ध अपनी बहन और बहनोई के साथ खड़े रहेंगे। राहुल गांधी का यह बयान प्रवर्तन निदेशालय द्वारा वाड्रा के खिलाफ हरियाणा में कथित जमीन घोटाले के मामले में गुरुवार को आरोपपत्र दायर किये जाने के संदर्भ में आया है। ईडी ने आरोप पत्र दायर करने के बाद ही वाड्रा की करीब 36 करोड़ की संपत्तियां

भी एटैच की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल से वाड्रा परिवार को इसी तरह के षडयंत्रों के तहत तंग किया जा रहा है, लेकिन उनका परिवार बहादुर है और वे हर साजिश के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे। राहुल ने कहा, मेरे बहनोई को पिछले दस वर्षों से यह सरकार परेशान कर रही है। यह ताज़ा आरोपपत्र उसी षडयंत्र का एक और हिस्सा है। मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूँ क्योंकि उन्हें दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न का एक और हमला झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वे सभी किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करने की हिम्मत रखते हैं। वे बहादुर हैं और वे गरिमा के साथ हर साजिश का मुकाबला करते रहेंगे। आखिरकार सच्चाई की जीत होगी। गौरतलब है कि वाड्रा के खिलाफ गुरुग्राम जमीन घोटाले के मामले में ईडी ने एक मामला दर्ज किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बने

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मामलों की तेज सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट और अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। जल्द नहीं बनाया गया, तो अदालतें आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को कहा, अगर केंद्र और राज्य सरकारें टाइम से सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट नहीं बनातीं, तो अदालतों के पास अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। कोर्ट एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोपी सालों से जेल में बंद है, जबकि अभी तक मुकदमे की सुनवाई शुरू भी नहीं हुई थी। कोर्ट ने कहा कि यूएपीए और मकोका जैसे गंभीर मामलों में तेज सुनवाई के लिए अलग विशेष अदालतें जरूरी हैं। कोर्ट ने एनआईए सचिव के हलफनामे पर भी नाराजगी जताई और कहा

सुप्रीम कोर्ट बोला- नहीं तो अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगे

कि उसमें कहीं यह नहीं बताया गया कि ट्रायल में तेजी लाने के लिए सरकार ने क्या ठोस कदम उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी विशेष मामलों में धीमी सुनवाई पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने कहा, जब एक व्यक्ति सालों से जेल में है और मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ, तब जमानत देना या न देना, सीधे संविधान के अनुच्छेद 21 (व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का उल्लंघन बन जाता है।

घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री

भाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

दुर्गापुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा- बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उस पर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। प्रधानमंत्री ने कहा बंगाल देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।

नारकोटिक्स इंस्पेक्टर का बहका ईमान

1 करोड़ की डिमांड, 53 लाख में सौदा, पहले लिए 44 लाख

उज्जैन

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जयपुर टीम ने मध्यप्रदेश के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के घूसखोर इंस्पेक्टर और दलाल को पकड़ा। इंस्पेक्टर ने नारकोटिक्स के केस में परिवार को नहीं फंसाने की एवज में 1 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांगी थी। सौदा 53 लाख रुपए में तय हुआ था। 3 किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख ले चुका था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जयपुर में 15 जुलाई को परिवादी बड़ीसादड़ी निवासी मांगीलाल गुर्जर ने शिकायत दी थी। मांगीलाल ने बताया था कि उज्जैन में तैनात नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बड़ीसादड़ी स्थित उसके घर पर 27 मार्च को छापा मारकर 400 किलो डोडाचूरा जब्त किया था। छापे के बाद, महेंद्र सिंह ने मांगीलाल के परिवार से कहा था कि वे चित्तौड़गढ़ के डूंगला में आला खेड़ी निवासी जगदीश मेनारिया से संपर्क कर लें। थोड़े

महेंद्र सिंह | जगदीश मेनारिया

दिन बाद जगदीश ने खुद मांगीलाल से संपर्क किया। महेंद्र सिंह ने जगदीश के जरिए मांगीलाल को धमकी दी कि अगर वह 1 करोड़ रुपए की रिश्वत नहीं देगा, तो उसे और उसके पूरे परिवार को नारकोटिक्स के केस में फंसा देगा। उसके बाद सौदा 53 लाख में तय हो गया। मांगीलाल तीन किश्त में दलाल के जरिए 44 लाख रुपए आरोपी को दे चुका था, लेकिन रिश्वत का सिलसिला यहीं नहीं रुका।

दलाल आया था पैसे लेने

महेंद्र सिंह और जगदीश मेनारिया ने नौ लाख रुपए की और मांग की। परेशान होकर मांगीलाल ने सीबीआई जयपुर की टीम को शिकायत की। इसके बाद सीबीआई की टीम की योजना के अनुसार पीड़ित ने तीन लाख रुपए देने के बहाने गुरुवार रात दलाल को सांवलिया जी के पास एक होटल में बुलवाया। जैसे ही दलाल पैसे लेने आया, सीबीआई की टीम ने उसे पकड़ लिया।

महेंद्र सिंह उज्जैन से गिरफ्तार

दलाल की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ की गई, तो पूरे मामले में नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह का नाम आया। इसके बाद सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने सीकर, जयपुर और नीमच में गलत तरीके से कमाए गए पैसे से कई संपत्तियां खरीदी है।

स्वतंत्र मत की खबर रंग लाई

आखिरकार भूकंप कॉलोनी में हुई सफाई

क्षेत्र से हटाया महीनों से पड़ा मलबा, सड़क, नालियों की हुई सफाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महीनों से गंदगी की मार झेल रहे महाराणा प्रताप वार्ड अंतर्गत आने वाली भूकंप कॉलोनी के निवासियों को आखिरकार शुक्रवार को राहत मिल गई। दरअसल विगत 15 जुलाई को स्वतंत्र मत में प्रकाशित हुई खबर को संज्ञान में लेते हुए नगर निगम द्वारा उक्त क्षेत्र से महीनों से पड़ा अतिक्रमण का मलबा हटा दिया गया। साथ ही नाले-नालियों की सफाई कर दी गई। साथ ही कॉलोनी में बनी नालियों की सफाई भी की गई।

निरंतर जारी रहेगा साफ-सफाई का काम-स्वतंत्र मत में प्रकाशित खबर के लिए धन्यवाद देते हुए भूकंप कॉलोनी के क्षेत्रीय नागरिकों ने बताया कि मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय सीएसआई संतोष माहौर ने बताया कि अब आगे से भूकंप कॉलोनी में निरंतर साफ-सफाई की जाएगी।

ये था पूरा मामला-दरअसल लगभग एक माह पहले भूकंप कॉलोनी में जल की बेहतर ढंग से निकासी के लिए यहां पर बने लोगों के मकानों में अतिक्रमण की कार्यवाही गई थी। जिसके तहत लगभग 50 से अधिक मकानों के रैम्प, सीढ़ियां इत्यादि तोड़ी गई थी। इस अतिक्रमण का क्षेत्रीय लोगों ने भी भरपूर समर्थन किया था। वो भी यह सोचकर की कम से कम क्षेत्र में जलभराव की समस्या से उन्हें आजादी मिल सकेगी। परंतु अतिक्रमण तो हुआ लेकिन नगर निगम की यह कार्यवाही क्षेत्रीय लोगों के लिए एक फांस सी बन गई। दरअसल नगर निगम का अतिक्रमण विभाग कार्यवाही करने के बाद सारा मलबा यह कहकर वहीं छोड़ गया कि जल्द ही नगर निगम से एक दूसरी टीम आएगी और सारा मलबा उठाकर ले जाएगी।

चारों तरफ था गंदगी का अंबार -भूकंप कॉलोनी में रहने वाले मुन्ना लाल दुबे, कमला प्रसाद पांडे, आरएम तिवारी, कमलेश प्रधान, तनय अग्रवाल, धर्मेन्द्र पटेल, मुन्ना लाल दुबे आदि लोगों ने बताया था कि नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा भूकंप कॉलोनी में पिछले दिनों 50 से अधिक अतिक्रमण तोड़े गए थे। कार्यवाही के दौरान अधिकारियों ने दावा किया था कि क्षेत्र को जल्द साफ-सुथरा और व्यवस्थित किया जाएगा, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। अतिक्रमण हटाने के बाद न तो मलबा हटाया गया है और न ही रोड पर जमा पानी की निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। बरसात के कारण सड़क पर गंदा पानी भर गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में फैला बीमारियों का खतरा स्थानीय निवासियों ने बताया कि पहले अतिक्रमण की वजह से थोड़ी बहुत दिक्कत थी, लेकिन अब सड़क पर मलबा और पानी दोनों जमा थे। रोज़ पैदल चलना भी मुश्किल हो गया थी। इसके साथ-साथ साफ-सफाई न होने की वजह से नालियां बजबजा रहीं थी। जिससे क्षेत्र में लगातार बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ था।

देश के मानचित्र में आया स्वच्छ जबलपुर का नाम

पुरस्कार लेकर शहर पहुंची टीम, हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता 2024 में नगर निगम शहर को एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता मिली, जिसके कारण देश के मानचित्र पर जबलपुर का नाम गौरवांवित हो रहा है। इस संबंध में महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', निगमायुक्त प्रीति यादव एवं स्वच्छता सेल के संभव अयाची ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2024 के प्रतियोगिता में भारत सरकार द्वारा दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छता सम्मान समारोह में नगर निगम जबलपुर को ओव्हर ऑल जनसंख्या की कैटेगरी में जिसमें 50 हजार से लेकर 10 लाख से अधिक की जनसंख्या वाले शहरों में एक मात्र जबलपुर शहर का चयन हुआ, जिसमें सभी संख्या की कैटेगरी में 5वां स्थान प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी प्रकार उन्होंने बताया कि पॉंचवीं रैंक प्राप्त करने के साथ-साथ जबलपुर ने 7 स्टार, वॉटर प्लस, फ्री गार्बेज सिटी का दर्जा भी प्राप्त कर पुरस्कृत हुआ है।

पुष्पवर्षा के साथ हुआ स्वागत

शुक्रवार को दिल्ली से पुरस्कार लेकर जबलपुर नगर पहुॅंचे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगमायुक्त प्रीति यादव, स्वच्छता सेल के नोडल अधिकारी उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा आदि का ढोल, नगाड़े, बैंड बाजे और पुष्पवर्षा के साथ हुआ भव्य एवं जोरदार स्वागत हुआ।

ब्रांड एंबेसडर श्रेया ने दी बधाई

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जबलपुर की अभूतपूर्व सफलता के लिए स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर श्रेया खंडेलवाल ने कहा है कि जनता-जनार्दन का सबसे बड़ा योगदान है। महापौर और नगरनिगम आयुक्त ने स्वयं मोर्चा संभाला हुआ था। नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और सफाईकर्मी स्वच्छता के लिए कठोर परिश्रम कर रहे थे। हम जिस क्षेत्र में जाते थे, वहां के जनप्रतिनिधि,जनता तथा शालाओं के शिक्षक व छात्र भी हमारे अभियान में शामिल हो जाते थे। स्वच्छता रैलियों, घर-घर जनसंपर्क, पेंटिंग, खेलकूद, नाटक, नुक्कड़ नाटक आदि अनेक तरह से हमने जागरुकता अभियान चलाया। नगर की शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ात्मक और पर्यावरणीय संस्थाओं ने हम ब्रांड एंबेसडर्स को स्वच्छता एवं वृक्षारोपण पर चर्चा करने और शपथ दिलाने के लिए न केवल अपना मंच प्रदान किया, बल्कि उनके सदस्य स्वयं भी सक्रिय रूप से मैदान में कूद पड़े।

भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जाखड़ को मिला नेशनल अवार्ड

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सन 1955 में स्थापित किसानों के गैर राजनैतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय वीर जाखड़ को नागपुर में 15 जुलाई 2025 को आयोजित कृषि विकास प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के राष्ट्रीय सम्मान, अवार्ड व एक लाख रुपये की नगद राशि से सम्मानित किया गया। अजय वीर जाखड़ का नाम देश के प्रगतिशील किसानों में गर्व से लिया जाता है। पंजाब के गांव अबोहर मे स्थित इनके फार्म (खेत) जिसमे सभी फसलों की खेती, विशेष रूप से साइट्रस (कीनू) की खेती विश्व स्तरीय तकनीकियों व विधियों के साथ की जाती है, जिसको देखने व कृषि की विभिन्न विधाओ को सीखने, जानने, समझने के लिए देश व विदेश के कृषको का निरंतर भ्रमण होता रहता है। भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल ने किसानों की ओर से उन्हे शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये कहा कि उन्हें सम्मान में मिली राशि किसानों की है, जिसे किसानों के हित में ही व्यय किया जायेगा। कृषक समाज के जेआर गायकवाड़, रूपेंद्र पटेल, सुभाष चंद्रा, प्रमोद मरवाहा, रामकिसन पटेल, अनिल चिले, अविनाश राय, डॉ प्रकाश दुबे, रामगोपाल पटेल, जितेंद्र देसी, सीएल शर्मा आदि ने उन्हें बधाई दी है।

खुद को एनसीसी अधिकारी बताकर हड़पे 1.25 लाख

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में डॉ. अलोक कुमार घोष उम्र 80 वर्ष निवासी तुलसी नगर मानेगांव रांझी थाना रांझी ने शिकायत की कि 10 जुलाई को उसके मोबाईल नंबर पर 2 मोबाईल नंबरों से फोन आया जिसने अपना नाम सतीश कुमार बताया और बताया कि वह एनसीसी का अधिकारी है। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने उससे एनसीसी स्टूडेन्ट के मेडीकल परीक्षण के लिए मदद मांगी जिसके लिये उसके द्वारा बिना किसी फीस के हां कर दिया गया । किन्तु उसके बाद उक्त व्यक्ति ने कहा कि नियम के मुताबिक आपको 49 रूपये फीस लेनी पड़ेगी । जिसे उसे स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद उसने बोला कि आपके मोबाईल में गूगल पे पर फीस के लिये लिंक भेजी है। जैसे ही उसने अपने मोबाईल में आयी लिंक पर क्लिक किया तो गूगल पे के माध्यम से उसके खाता से दो बार में कुल 1 लाख 25 हजार 41 रूपये की राशि कट गई।

बालाघाट खनिज अधिकारी निलंबित, जबलपुर अटैच

जबलपुर/बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा की अनुशंसा पर खनिज विभाग द्वारा प्रभारी खनिज अधिकारी आर के खातरकर को अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय खनिज विभाग के क्षेत्रिय कार्यालय जबलपुर में निर्धारित किया गया है। प्रभारी खनिज अधिकारी आरके खातरकर द्वारा कलेक्टर की अनुमति के बगैर ई-खनिज पोर्टल अपने मनमाने ढंग से बंद करने और शुरू करने का कार्य किया गया था। उनके द्वारा मे. हीरा पावर एंड स्टील लिमिटेड रायपुर के जगनटोला मैंगनीज अयस्क खदान के ई-खनिज पोर्टल को 31 दिसम्बर 2024 को अपने अधिकार का गलत प्रयोग कर बंद (सस्पेंड) कर दिया गया था। इसके बाद 19 मार्च 2025 को डीजीएमएस के नोट के अनुसार कार्यवाही पूर्ण कर जिला खनिज कार्यालय में जानकारी प्रस्तुत कर देने के बाद भी ई-खनिज पोर्टल शुरू नहीं किया गया था। श्री खातरकर द्वारा 15 मई 2025 को ई-खनिज पोर्टल शुरू किया गया था।अपने शासकीय कर्तव्यों का ठीक ढंग से निर्वहन नही करने, स्वेच्छाचारिता एवं लापरवाही बरतने के कारण राज्य शासन द्वारा कलेक्टर मृणाल मीणा की अनुसंशा पर प्रभारी खनिज अधिकारी आरके खातरकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर निर्धारित किया गया है।

पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है : डिप्टी सीएम शुक्ल

रोटरी क्लब जबलपुर का पदभार ग्रहण समारोह सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में गुलजार होटल में रोटरी क्लब जबलपुर का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रोटरी क्लब जबलपुर की नव गठित टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य सिर्फ शासन और प्रशासन द्वारा किए जाते हैं इस मिथक को तोड़ने का काम रोटरी क्लब कर रहा है। समाज में सेवा, समर्पण और संस्कार की भावना से लगातार पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है। जिसमें रोटरी क्लरब नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कोविड काल में रोटरी क्लब का कार्य मानवता की सेवा के क्षेत्र में गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे देश आर्थिक रूप से सक्षम हो रहा है। दुनिया की चौथी अर्थव्यववस्था बनने की ओर है। पहले जन कल्याण के लिए फंड की कमी होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं हैए पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्र में जन कल्याण के लिए लगातार वृहद स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। इन कार्यों को करने में सरकार मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंतने कहा कि रोटरी क्लाब भी मानवता की सेवा, समर्पण और

जबलपुर संस्काकरधानी के संस्कार के अनुरूप कार्य कर संस्था को गौरवांवित करें।

मानवता की सेवा के लिये समर्पित हैं--राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि रोटरी निस्वार्थ सेवा का एक मार्ग है। यहां अलग.अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग मानवता की सेवा के लिए संकल्प लेते हैं और मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। उन्होंने नव गठित रोटरी क्लएब की टीम को शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, सांसद द्वय सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक लखन घनघोरिया, ननि अध्यक्ष रिकुंज विज, रोटरी क्लब की अध्यक्ष मिताली बैनर्जी, पूर्व सांसद जयश्री बैनर्जी, अमित जायसवाल, पल्लवी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

राजस्व न्यायालय की संख्या अब 27 हुई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नामांतरण, बँटवारा और सीमांकन जैसे राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने तथा समय सीमा के भीतर उनका निराकरण करनें जिले में राजस्व न्यायालयों का नया सेटअप तैयार किया गया है और इनकी संख्या बढ़ा दी गई है। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने इस संबंध में बुधवार एक नया आदेश जारी कर जिले में राजस्व न्यायालयों की संख्या 22 से बढ़ाकर 27 कर दी है। नए आदेश में कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय कार्य के लिये नियुक्त राजस्व अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक राजस्व न्यायालय का कार्य संपादित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने इन अधिकारियों को 22 जुलाई की सुबह अपने-अपने न्यायालयों में पक्षकारों एवं उनके अधिवक्ताओं को तथा क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर राजस्व न्यायालय के इस सेटअप की जानकारी देने, इसके काम काज से अवगत कराने और इस संबंध में उनसे सुझाव प्राप्त करने के निर्देश भी दिये हैं।

सेठ गोविंददास चिकित्सालय बना प्रदेश का पहला जिला अस्पताल

रेटीना में बीमारियों की पहचान करेगी ओसीटी मशीन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेठ गोविंद चिकित्सालय जबलपुर प्रदेश का ऐसा पहला जिला अस्पताल बन गया है जहाँ आंखों की अंदरूनी सरंचना की उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली तस्वीरें लेने के लिये अत्याधुनिक ओसिटी मशीन स्थापित की गई है। इस मशीन की स्थापना से जिला अस्पताल में रेटिना से जुड़ी जटिल बीमारियों के उपचार में मदद मिलेगी। विधायक डॉ अभिलाष पांडेय ने करीब 70 लाख रुपये की इस मशीन का शुक्रवार को लोकार्पण कर आम जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे आम नागरिकों के लिये बड़ी सौगात बताते हुये कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। जिला अस्पताल में स्थापित ओसिटी मशीन का यहाँ आने वाले नेत्र रोगियों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। लोकार्पण समारोह में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा तथा सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ नवीन कोठारी भी उपस्थित थे।

निशुल्क होगी नेत्र संबंधी जांचें-इस अवसर पर जिला अस्पताल के नेत्ररोग विभाग के प्रभारी डॉ. तरुण अहरवाल ने बताया कि जिला अस्पताल में रोजाना 4 से 5 मरीज ऐसे आते हैंए जिनकी आंखों की ओसीटी मशीन से जांच की जरूरत पड़ती है। इसके साथ ही पीजी डिप्लोमा कोर्स आप्थाल्मालॉजी के अंतर्गत प्रायोगिक ज्ञान के लिए भी यह मशीन सहायक होगी। बता दें कि सेठ गोविंददास चिकित्सालय प्रदेश का

पहला जिला अस्पताल है जहां ओसीटी मशीन स्थापित की गई है। ओसीटी मशीन के शुरु होने से रेटिना की एडवांस जांच अब नेत्र रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध होगी और नेत्र रोगों की सटीक जानकारी मिलेगी। इस अवसर पर डॉ अमिता जैन, डॉ संजय जैन, डॉ सगरिया, डॉ शलभ आम्रवंशी, डॉ उषा दत्त, डॉ शलभ अग्रवाल, डॉ शिशिर गर्ग, डॉ संदीप भगत, डॉ अलोक श्रीवास्तव एवं जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील भी मौजूद थे।

तय वक्त के पहले जलपरी झील लबालब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के रामपुर परिसर स्थित 19936 वर्ग मीटर की जलपरी झील इस बार मानसून सीजन में अपने निर्धारित समय से पूर्व पानी से लबालब भर गई। आमतौर पर जलपरी में यह स्थिति अगस्त के अंतिम सप्ताह तक आती है लेकिन इस बार अच्छी बरसात के कारण एक माह पूर्व ही यह भर गई। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सिविल परियोजना विभाग के विशेष प्रयास के कारण इस बार गर्मी के जून माह तक जलपरी में जल का स्तर बना रहा। जलपरी शहर की उन चुनिंदा स्थानों में से एक है जहां लोग सुबह-शाम सैर करने आते हैं। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन ने जानकारी दी कि जब जबलपुर में वर्ष 1960 में विद्युत मण्डल मुख्यालय स्थापित होने की प्रक्रिया में कार्यालय व आवासीय भवनों का निर्माण हो रहा था, उस समय प्राकृतिक झील के ऊपर आवागमन

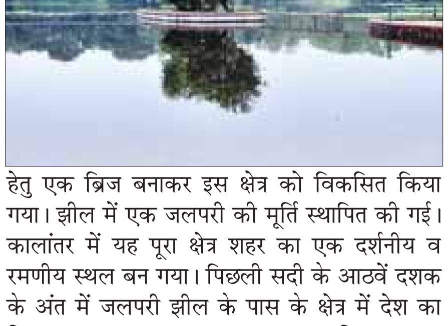

हेतु एक ब्रिज बनाकर इस क्षेत्र को विकसित किया गया। झील में एक जलपरी की मूर्ति स्थापित की गई। कालांतर में यह पूरा क्षेत्र शहर का एक दर्शनीय व रमणीय स्थल बन गया। पिछली सदी के आठवें दशक के अंत में जलपरी झील के पास के क्षेत्र में देश का विलक्षण व अद्भुत वास्तुकला वाला शक्तिभवन का निर्माण हुआ। पहाड़ पर स्थित ठाकुरताल में जब बरसात का पानी ओवरफ्लो होता है तो वह ऊपर से बहकर जलपरी झील में एकत्रित हो जाता है।

सरेआम ऑटो चालक को बेरहमी से पीटा, युवक को घेरकर चाकुओं से गोदा

गोराबाजार और माढ़ोताल क्षेत्र में वारदात, वीडियो हुए वायरल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरा बाजार और माढ़ोताल में 2 लोगों से सरेआम मारपीट का वीडियो सामने आए हैं। जिसमें 3 युवक मिलकर एक ऑटो चालक को बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं कुछ लोग वहां खड़े तमाशा देख रहे हैं। दरअसल यह घटना गोराबाजार थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विवाद की वजह क्या थी, इसकी जानकारी नहीं है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले कौन हैं और आखिर क्यों उसे पीटा गया, यह अभी पता नहीं चल सका है।

लगातार किया चाकू से वार-वहीं दूसरी घटना माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित दीनदयाल चौक के पास की है, जहां एक व्यक्ति फोन पर बात करते हुए सड़क पार कर रहा था। सामने कुछ युवक खड़े थे, तभी विवाद शुरु हो गया। इस बीच 3 युवक आए और एक ने चाकू से हमला कर दिया। एक युवक लगातार चाकू से वार कर रहा था, जबकि उसके साथ आए 2 लड़के थप्पड़ मार रहे थे। बीच सड़क पर मारपीट होते देख लोगों की भीड़ लग गई, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

इस मामले में एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गोरा बाजार में जिस ऑटो चालक के साथ मारपीट हुई है। उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। हमला करने वाले कौन है, यह अभी पता नहीं है। एएसपी का कहना है कि दूसरा वीडियो दीनदयाल चौक का है, उसमें घायल गौरव बाजपेयी की शिकायत पर पुलिस ने अंशुल खरे और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तालाश शुरू कर दी है। विवाद की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

कृषि स्थाई समिति की बैठक में वार्षिक लक्ष्यों पर हुई चर्चा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला पंचायत की कृषि स्थाई समिति की शुक्रवार को आयोजित बैठक में कृषि एवं इससे जुड़े विभागों की वार्षिक लक्ष्यों का अनुमोदन किया गया। समिति के सभापति मनोहर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास कार्यालय में संपन्न हुई इस बैठक में समिति के सभी सदस्य, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम तथा पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के जिला अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी तथा जिले को प्राप्त वार्षिक लक्ष्य एवं कृषकों को देय अनुदान के संबंध में समिति के सदस्यों से चर्चा की। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को खरीफ के सीजन में लगने वाले उर्वरक यूरिया, डीएपी, एनपीके एवं पोटाश का वितरण डबल लॉक केन्द्रों में आनलाईन एवं ऑफलाइन टोकन के माध्यम से किया जा रहा है। जिले में स्थापित किये गये 11 गोदाम स्तरीय खरीदी केंद्रों की सूची उपलब्ध कराई तथा पराली प्रबंधनए हैप्पी एवं सुपर सीडर से बोनी से होने वाले फायदों से अवगत कराया।

सीजीएचएस, जोनल एडवाइजरी कमेटी ने की अहम बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत सरकार, केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) जबलपुर मुख्यालय के अपर निदेशक डॉ ऐके सुधांशु की अध्यक्षता में पेंशनर एसोसिएशन के विभिन्न संगठनों के सलाहकार पदाधिकारियों की जोनल एडवाजरी कमेटी की बैठक पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारी सुभाष चन्द्रा, कुंवर सिंह, काजल विश्वास, अनिल शुक्ला, गुरमुखदास आदि का स्वागत करते हुए, पिछली बैठक के मुददों की विस्तार पूर्वक समीक्षा कर वस्तु स्थिति की जानकारी दी । वहीं बैठक में सलाहकार प्रतिनिधि कमेटी की बैठक पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारी ने ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की। जिसमे बेअसर जेनरिक दवाओं का मुद्दा छाया रहा। सलाहकार प्रतिनिधियों को परिचय पत्र प्रदान करने की बात कही, ये भी कहा गया कि अभी भी कुछ अधिकृत अस्पतालों द्वारा सीजीएचएस के नियमों की आवेलहना कर, बीमार वरिष्ठ जनों के साथ दुर्व्यवहार की बात सामने आई है। जिसमें कहा गया कि यदि अस्पताल द्वारा नियामों का परिपालन नही किया जा रहा है तो उन हॉस्पिटलो को पत्र दिया जाएगा ताकि वे ओपीडी काउंटर के नोटिस बोर्ड पर दिशानिर्देश लगाए। अपर निदेशक डॉ एके सुधांशु ने कहा कि नगर में स्थापित 6 डिस्पेंसरियों के डॉक्टरों द्वारा वरिष्ठ जनों को अच्छा इलाज, पर्याप्त मेडिसन व बेहतर परामर्श हमेशा मिलेगा ।

समाज के लोग दस्तावेज तैयार रखें : मुफ्ती-ए-आजम

एनआरसी को लेकर मुस्लिम समाज को लिखा पत्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र के मुफ्ती ए आजम डॉ. मौलाना मुसाहिद रजा ने जारी किया पत्र। एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) को लेकर मध्यप्रदेश के मुफ्ती ए आजम डॉ. मौलाना मुसाहिद रजा ने मुस्लिम समाज को एक खत लिखा है। इसमें जरूरी कागजात तैयार रखने की हिदायत दी है। न्होंने पत्र में है लिखा है कि मेरे अज़ीज़ भाइयों हमारे मुल्क हिंदुस्तान में एनआरसी की पड़ताल बहुत जोरों पर चल रही है, जिसका हल्ला पहले भी हो चुका है। एनआरसी, सीएए और एनपीआर के मुद्दों को लेकर भाजपा हुकूमत बहुत उत्सुकता से ग़ौर-फिक्र कर रही है। खत में कहा गया है कि हर मुसलमान भाई-बहन को चाहिए कि काल करे सो आज पर अमल करते हुए अपने सारे जरूरी दस्तावेज़ जल्द से जल्द मुकम्मल कर लें।

इन दस्तावेजों के रखने की बात- मौलाना मुसाहिद रजा ने बर्थ सर्टिफिकेट, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, पैन कार्ड जैसे जरूरी आईडीज को अपने पास रखने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी लिखा है कि दस्तावेज़ हर मुस्लिम मर्द और औरत के पास सही तारीख-ए-पैदाइश और हर कागज में नाम की सही स्पेलिंग के साथ होना जरूरी है।

समाज को सतर्क करने की पहल

इस बारे में पूर्व पार्षद ताहिर अली ने बताया कि ये खत मौलाना साहब ने ही जारी किया है और उनका मकसद है कि मुस्लिम समाज सतर्क रहे और अपने-अपने दस्तावेज ठीक करा ले। ताहिर अली ने कहा कि इस खत का दूसरा फायदा ये भी है कि इसी बहाने सबके कागजात अपडेट हो जाएंगे, जो सरकार की कई योजनाओं में काम आएंगे। बहुत से गरीब लोग सिर्फ कागज़ों में गलती होने की वजह से योजनाओं से वंचित रह जाते हैं।

बिहार को देखते हुए लिया फैसला

पूरे मामले में मप्र के मुफ्ती ए आजम डॉ. मौलाना मुसाहिद रजा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, बिहार में अभी वोटर लिस्ट स्क्रूटनी का काम चल रह है। इस स्क्रूटनी के पीछे हो सकता है एनआरसी भी शुरू हो गया हो। एनआरसी का हल्ला पहले भी हुआ था। जब-जब इलेक्शन होता है ऐसा हल्ला होता है। ये लेटर समाज को भविष्य में एनआरसी की स्थिति बनाने पर तैयारी रखने के लिए कहा है। अगर किसी के दस्तावेज नहीं हो तो उन्हें वक्त निकाल कर मुकम्मल कीजिए। हमें पेपर तो तैयार करके रखना ही है। एनआरसी सीएए पहले भी आ चुका है अभी भी है। बिहार की स्थिति को देखते हुए हमें अपनी तैयारी करके रखनी चाहिए।

आबकारी टीम ने 3 वाहनों से बरामद की अवैध शराब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा की रैकी करने पर राजुल पार्क तिलहरी थाना गोराबाजार से चारपहिया वाहनों में रखी कुल 216.75 बल्क लीटर मदिरा बरामद कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 ;1 क एवं 34 ;2 के तहत 03 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जिसमें प्रथम प्रकरण के अंतर्गत एक सफेद रंग की मारूति सुजकी रिट्स वाहन एमपी 20-8899 में रखी 94 बोतल विदेशी मदिरा एवं 100 पाव देशी मसाला मदिरा कुल 88.5 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। फोर्ड इक्कोस्पोर्ट कार बिना नम्बर की इस में 72 बोतल विदेशी मदिरा एवं 100 पाव देशी मसाला मदिरा कुल 72 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई और जेस्ट वाहन में रखी 39 बोतल विदेशी मदिरा एवं 150 पाव देशी मसाला मदिरा कुल 56ए25 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। तीनों प्रकरणों में मदिरा का मूल्य रूपये 5 लाख एवं वाहनों का मूल्य रुपये 20 लाख है। आरोपियों के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34;1 क एवं 34;2 के तहत 03 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये एवं विवेचना में लिये गये।

किसानों को बताये हैप्पी सीडर के फायदे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में सोयाबीन की फसल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग एवं बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया जबलपुर द्वारा किसानों के बीच नवीन उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार.प्रसार किया जा रहा है। ग्राम ढाना और सालीवाड़ा में किसान शैलेन्द्र कुमार जैन एवं कृष्ण कुमार गौंड के खेत पहुँचकर कृषि वैज्ञानिक डॉ पंकज कुमारए राहुल मौर्यए कृषि विस्तार अधिकारी पुरुषोत्तम प्रजापति एवं सोनम जैन ने सोयाबीन की फसल का जायजा लिया। उन्होंने इस अवसर पर मौजूद किसानों को हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। पराली प्रबंधन के साथ सोयाबीन जेएस.208 की बोनी की गई थी। जिसमें अब फसल पौध बढ़वार की स्थिति में आई है।

गाली अब गाली नहीं रही, लोगों ने प्रचलित भाषा बना दी : पवन केशरी

शहडोल। नित्यानंद जी की पंक्तियां हैं- तुम्हे खूबसूरत नजर आ रही हैं, ये राहें तबाही के घर जा रहीं हैं। आज के समय में सबसे बड़ा खतरा गाली ना खाने का है। आपने उसे प्रचलित भाषा बना लिया है। गीत में कोई 'द्विअर्थी' शब्द होने पर लता जी जैसे महान गायिका उस गीत को गाने से इंकार कर देती थी। हम अपने पिता जी के सामने 'चालू' जैसे शब्द भी इस्तमाल करने से डरते हैं। पर आज के जमाने में संकोच खत्म हो चुका है। गाली हर समाज मे दी जाती है, परंतु मंच मां शारदा का पीठ है वहां गली देना अनुचित है। दुनियां की हर भाषा अपने आप में बेहद समृद्ध सामर्थ और शक्तिशाली है, कोई भी भाषा दूसरे भाषा के अस्तित्व को समाप्त नहीं कर सकती।

सांसद एवं विधायक ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि पूजन और लोकार्पण

ब्यौहारी

जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गंधिया में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्र एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद कोल ने सीतामढ़ी राम पथ गमन को भव्य स्वरूप देने हेतु लोक परिसंपति प्रबंधन के तहत 25 लाख रुपए से निर्मित होने वाले भवन निर्माण कार्य एवं 15.78 लाख रुपए की लागत से पेयजल व्यवस्था और सोलर पैनल की स्थापना हेतु भूमिपूजन किया। राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि राम वन पथ गमन सीतामढ़ी धाम पवित्र और अति महत्वपूर्ण स्थान है। यहां त्रेतायुग में भगवान श्रीराम बनवास के दौरान विश्राम किया था, यह सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, बनारस, काशी,उज्जैन आदि धामों को जन सहयोग से ही भव्य स्वरूप बनाया गया है। शहडोल जिले के राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम को भी जन सहयोग से भव्य स्वरूप बनाने का कार्य किया जाए। सरकार विकास के साथ विरासत को भी संरक्षित करने के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के इस युग में भी हमारा समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और अध्यात्म के महत्व को समझता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि राम वन पथगमन सीतामढ़ी धाम के विकसित होने से शहडोल जिले को एक नई पहचान मिलेगी। यह धाम गांव के नागरिकों के आस्था का प्रतीक है। उहोंने कहा कि श्रीराम जी के अवशेषों को संरक्षित किया जाएगा, जो अन्य जिलों, प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए के लिए आस्था का केन्द्र होगा। उन्होंने कहा कि हमें पुरानी संस्कृतियों और परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। हमें आधुनिक युग एवं प्राचीन युग दोनों का समन्वय बनाकर विकास का मॉडल अपनाना होगा ।

कार्यकम को पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम श्रीमती अमिता चपरा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती रक्षा सिंह ने भी संबोधित किया। सांसद एवं विधायक ने ग्राम पंचायत गंधिया के आंगनवाड़ी भवन में 22 लाख रुपए की लागत से बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य एवं 19 लाख रुपए की लागत से प्राथमिक शाला मीठी में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रभा मिश्रा, अध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती मालती सिंह, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती प्रगति वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन,जनपद सदस्य श्री मार्गेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत सरपंच नीलकली कंवर सहित अन्य जन प्रतिनिधि,अधिकारी व ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने किया।

विद्यार्थी अपने लक्ष्य और कर्तव्य पथ पर रहे अडिग नशे से दूरी है जरूरी: पुलिस महा निरीक्षक

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

शहडोल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से प्रदेश भर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया जा रहा है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के शासकीय रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। जागरूकता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन अनुराग शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है अपने लक्ष्य और कर्तव्य पथ पर अडिग रहना। नशा एक ऐसी बुरी आदत है, जो न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है, बल्कि विद्यार्थियों को उनके कर्तव्य पथ से भी भटका देती है, विद्यार्थी नशे जैसे अन्य बुराइयों से दूर रहे। नशे के दुष्यपरिणाम के प्रति स्वयं जागरूक रहे तथा दूसरों को भी जागरूक करें, नशा को पहली बार में ही मना करे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षक ही माता-पिता का फर्ज निभाते हैं उनका सदैव आदर एवं सम्मान करना चाहिए। शिक्षक सफलताओ का मार्ग प्रशस्त करते हैं। विद्यार्थी का ज्यादा समय विद्यालय में ही व्यतीत होता है, समय को नष्ट करने से बचे, समय किसी के लिए रुकता नहीं है समय रहते ही सफलता अर्जित करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और आधारभूत चरण होता है। यह केवल शिक्षा प्राप्त करने का ही नहीं, बल्कि अनुशासन, सदाचार और जिम्मेदारी सीखने का समय भी है। विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है, यही आदतें उनके भविष्य का निर्माण करती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी, विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन का भी पाठ पढ़ें। प्रार्थना के शब्द जीवन के लिए वरदान हैं उन शब्दों का अनुसरण कर उन्हें चरितार्थ करे। उन्होंने कहा कि नशा के प्रति अनुशासन रखें नशा की शुरुआत नहीं करना चाहिए। नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या बनता जा रहा है, जो न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। नशा व्यक्ति को उसके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से दूर कर देता है और जीवन के विकास में बाधक बन जाता है। कार्यक्रम को प्राचार्य श्रीमती आभा शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, नगर निरीक्षक राघवेंद्र तिवारी, विद्यालय के शिक्षक के. पी. शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, के.के. पटेल,उर्मिला अग्रवाल सहित विद्यार्थी उपस्थित रहें ।

कल्याणी प्रशिक्षण केंद्र अमरपुर में आयोजित हुआ कृषि सखियों का प्रशिक्षण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत संचालित च्एक बगिया मां के नामज्ञ उपयोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की कृषि सखियों का विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण अमरपुर जनपद की कल्याणी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में परियोजना से जुड़े अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों के चयन, तकनीकी सहयोग और संसाधनों की समय पर उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, परियोजना अधिकारी मनरेगा प्रदीप कुमार शुक्ला, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम अर्पणा पांडेय, ईआरईएस दीपसिंह आर्मो, जनपद पंचायत अमरपुर के सीईओ लोकेश कुमार नारनोरे, एपीओ संजय उइके, सहायक यंत्री प्रियंका मरावी, सहायक लेखाधिकारी नरेंद्र ठाकुर, विकासखंड प्रबंधक एनआरएलएम राजेश पांडे सहित ग्राम रोजगार सहायक एवं उपयंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री राठौर ने कहा कि मनरेगा और एनआरएलएम के समन्वय से यह उपयोजना ग्रामीण महिला हितग्राहियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र, इच्छुक हितग्राहियों का ही चयन किया जाए जिनके पास पर्याप्त भूमि व सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ग्राम रोजगार सहायक व कृषि सखी मिलकर कार्य करें तथा तकनीकी मार्गदर्शन समय पर सुनिश्चित हो। मनरेगा परियोजना प्रदीप शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि सही हितग्राही का चयन एवं समय पर पौध व संसाधनों की उपलब्धता उपयोजना की सफलता की कुंजी है। योजना का उद्देश्य केवल पौधारोपण नहीं बल्कि पौधों की उत्तरजीविता और हितग्राहियों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। एपीओ संजय उइके ने बताया कि चयनित हितग्राहियों के जॉबकार्ड सक्रिय कराकर बैंक खाते आधार लिंक करवाना आवश्यक है ताकि भुगतान प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

पुस्तक वितरण में डीपीसी की लापरवाही

कलेक्टर ने लगाई फटकार

कलेक्टर ने किया डीपीसी, उद्यान, उद्योग एवं लोक निर्माण विभाग कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कलेक्टर मृणाल मीणा ने 18 जुलाई को जिला मुख्यालय बालाघाट स्थित सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय, सहायक संचालक उद्यान कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए है।

कलेक्टर श्री मीणा 18 जुलाई को अचानक सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय पहुंचे तो वहां पर भारी अव्यवस्था पायी गई। जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन कार्यालय में उपस्थित नहीं थे लेकिन उनके टेबल पर कम्प्युटर में ई-ऑफिस का लागिन खुला हुआ था। कलेक्टर श्री मीणा ने परियोजना समन्वयक श्री बर्मन को फोन लगाकर पूछा कि वे इस समय कहां पर है। इस पर श्री बर्मन ने जवाब दिया कि मैं कार्यालय में उपस्थित हूं। जबकि वे कार्यालय में उपस्थित नहीं थे और जब कलेक्टर मीणा कार्यालय का निरीक्षण कर जाने लगे तब वे कार्यालय पहुंचे थे। कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सहायक परियोजना समन्वयक विवेक गुप्ता, योगेश बिसेन, श्रीश थानथराटे, दिनेश गौतम, सहायक ग्रेड-3 आकाश वल्के, एमआईएस प्रोग्रामर भाकचंद पारधी एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर दीपक सौरकुड़े अनुपस्थित पाए गए।

कार्यालय में रखी पुस्तके, वितरण की दी जानकारी- डीपीसी कार्यालय के निरीक्षण में पाया गया कि छात्र छात्राओं को निःशुल्क वितरण के लिए आयी पाठ्यपुस्तके बहुत अधिक संख्या में रखी पायी गई। 17 जुलाई को कलेक्टर द्वारा शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान परियोजना समन्वयक श्री बर्मन द्वारा बताया गया था कि स्कूलों में 100 प्रतिशत पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर दिया गया है और पोर्टल पर एंट्री करना शेष है। इससे समझ आया कि परियोजना समन्वयक श्री बर्मन द्वारा बैठकों में पाठ्य पुस्तक वितरण संबंधी झूठी एवं भ्रामक जानकारी दी जा रही थी। परियोजना समन्वयक का कार्यालय अस्त-व्यस्त पाया गया और साफ-सफाई की व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी। कलेक्टर श्री मीणा ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्यालय में रखी पाठ्य पुस्तकों का शीघ्र वितरण एवं पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यालय की साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

कार्यपालन यंत्री कार्यालय से रहे गुल- सहायक संचालक उद्यान विभाग कार्यालय के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सहायक संचालक श्री क्षितिज कराड़े वीडियों कान्फ्रेंस गये हुए है। कार्यालय के ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी सीपी नारनौरे, जितेंद्र वनवासी एवं संध्या इनवाती अनुपस्थित पाये गए। कार्यालय में नर्सरी श्रमिक एवं ऑपरेटर उपस्थित पाये गए। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री अड़मे उपस्थित नहीं पाये गए एवं कार्यालय में भारी अव्यवस्था पायी गई।

कार्यालयों में अनुपस्थित अधिकारी- जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रबंधक श्री गजभिये द्वारा उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर नहीं किये गए हैं। महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले सहित कार्यालय की कर्मचारी वीणा चौहान और रागिनी ठाकुर अनुपस्थित पाए गए। कार्यालय के एक कक्ष में कबाड़ रखा हुआ पाया गया और साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गई। कलेक्टर श्री मीणा ने इस दौरान निर्देशित किया कि प्रबंधक श्री गजभिये उपस्थिति पंजी में नियमित रूप से हस्ताक्षर करे। कलेक्टर श्री मीणा ने निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गए सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये है और कार्यालयीन व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुसज्जित रखने कहा गया है।

मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना

10 हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि का किया गया भुगतान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अतर्गत कृषि कार्य के दौरान कृषक की मृत्यु होने पर उसके परिवार को 04 लाख 04 हजार रुपये की राशि आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाती है। इसमें 04 हजार रुपये की राशि अंत्येष्टि सहायता के रूप में होती है। कलेक्टर मृणाल मीणा ने इस योजना के अंतर्गत जिले के 10 कृषक हितग्राहियों को कुल 40 लाख 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 17 जुलाई को इन हितग्राहियों को सहायता राशि का भुगतान कर दिया गया है।

उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक जीवन कलयाण योजना के अंतर्गत लांजी तहसील के ग्राम बोरीखुर्द के किसान लिलेश्वर पिता स्व. छोटन नगपुरे, ग्राम बम्हनवाड़ा की श्रीमती फूलवंती पति स्व. रतनलाल मण्डले, ग्राम डोंगरगांव की श्रीमती ओमबती पति स्व. घनश्याम लिल्हारे, वारासिवनी तहसील के ग्राम नारवांजपार की श्रीमती सकुनतला पति स्व. मनीराम अड़पांचे, ग्राम मेंढकी की श्रीमती अनुसया पति स्व. नंदलाल मोहारे, ग्राम धानीटोला की श्रीमती प्रर्मिला पति स्व. चम्पालाल पंचेश्वर, किरनापुर तहसील के ग्राम मोहगांवखुर्द की श्रीमती ललिता पति स्व. राजकुमार पटले, बालाघाट तहसील के ग्राम भमोड़ी की श्रीमती चंद्रकला पति स्व. शिवराम भुरे, ग्राम सेरवी की श्रीमती पुष्पा पति स्व. दिलीप पारधी, लालबर्रा तहसील के ग्राम घटोलगांव की श्रीमती यमुनाबाई पति स्व. हेमराज सौलाखे को 40 लाख 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। इनमे से प्रत्येक हितग्राही को 04 लाख 04 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

कृषि उपसंचालक श्री मालवीय ने जिले के समस्त किसान भाईयों से अपील की है कि यदि कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु या अंग-भंग होने पर संबंधित हितग्राही एवं दुर्घटना होने पर उसके परिवार के सदस्य एवं निकट संबंधी द्वारा 01 वर्ष की अवधि के अंदर अपना आवेदन उप संचालक कृषि कार्यालय बालाघाट में प्रस्तुत कर सकते हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम थानेगांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई, वहीं पुलिस ने मामले को जांच में लिया हैं। जानकारी अनुसार, थानेगांव निवासी किसान भानुप्रसाद सुलकिया उम्र 42 वर्ष खेती की धान की रोपाई का कार्य करने के लिए सुबह खेत गया हुआ था, शाम 4 बजे करीब अचानक ही आकाशीय बिजली गिरने से खेत में गिर कर बेहोश हो गया था, परिजनों ने देख तत्काल उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वारासिवनी लाये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अवैध रेत के साथ किरनापुर पुलिस ने जब्त किया ट्रैक्टर

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला एवं एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी किरनापुर निरीक्षक अशोक ननामा द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से उत्खनित डम्प रेत का परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा कर जप्त की गई है। 17 जुलाई को थाना किरनापुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बटरमारा में अवैध रूप से चोरी-छिपे रेत डम्प कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी किरनापुर की पुलिस टीम द्वारा भागते हुये ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक का पीछा किया गया जो ग्राम खारा के पास ट्रैक्टर छोडकर भाग गया। ग्राम खारा में से ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी22एबी7154 को विधिवत् जब्त कर अज्ञात आरोपी (चालक) के विरूद्ध थाना किरनापुर में अपराध क्रमांक 262/25, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता, धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, तथा धारा 53 (1) मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर अज्ञात आरोपी ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है। बालाघाट पुलिस द्वारा अवैध रेत माफियाओं के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाहियाँ सतत रूप से जारी रहेंगी।

प्रेमी, प्रेमिका और मासूम की जहर के सेवन से मौत

गढ़ी की घटना, दोनों विवाहित थे प्रेमी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

गढ़ी थाना क्षेत्र के गढ़ी बाजार चौक में सुबह को एक महिला, पुरूष और एक मासूम बच्चा बेहोश के हालात में देखे गए थे, जहां देखने वालो ने उसे तत्काल ही उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गढ़ी ले गए, पता चला की तीनों ने जहरिली वस्तु का सेवन किया हैं। गंभीर हालात को देखते हुए बैहर अस्पताल में ले गए जहां तीनों की मौता हो गई। बताया जा रहा हैं प्रेमी प्रेमी सुकेश धुर्वे निवासी उम्र 30 कदंला निवासी, प्रेमिका प्रिती पति सोनसाय धुर्वे उम्र 30 समनापुर मुक्की निवासी और दक्ष्य धुर्वे उम्र 2 वर्षीय समनापुर मुक्की निवासी हैं। जिसका डॉक्टरों ने शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया हैं। जानकारी अनुसार, युवक सुकेश धुर्वे और प्रिती धुर्वे के बीच 2021 से प्रेम प्रसंग चल रहा था, सुकेश का भी विवाह हो चूका हैं। बताया जा रहा हैं कि प्रिती धुर्वे के दो बच्चे हैं और छोटा बच्चा 2 वर्षीय दक्ष्य धुर्वे के साथ चार दिन पहले ही घर से भाग निकली हैं, यह भी बताया जा रहा हैं कि वह सुकेश के साथ केरल में काम करने के लिए पहले गई हुई थी और वहीं से उनका प्रेम प्रंसग शुरू हुआ, सुकेश के साथ पहले भी दो-तीन बार घर से भाग गई थीं, फिर वह अपने घर आ जाती थीं। बताया यह जा रहा हैं कि प्रिती सुकेश के साथ चार दिनों से साथ में रह रहीं थीं। गढ़ी पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, सुबह 9:30 -10 बजे करीब गढ़ी सरपंच ने पुलिस को जानकारी दी की बाजार चौक में तीन लोग बेहोश हैं, वहीं महिला प्रिती को होश था, ग्रामीणों को उसने बताया कि सुकेश ने पहले बच्चा दक्ष्य को जहर पिलाया फिर मुझे जहर पिलाया और उसके बाद उसने भी जहर पिया हैं। जिसके बाद उपचार के लिए अस्पताल लाए जहां हालात गभीर देख कर उन तीनों को बैहर अस्पताल में रिफर किया गया, जहां उपचार के दौरान तीनों की मौत हो गई। फिलहाल जांच का जारी हैं यह पता नहीं चल पाया हैं कि किस कारण वश जहर का सेवन किया गया हैं। इधर, बैहर अस्पताल में तीनों शवो का पीमए कर शव परिजनों को सौंप दिया गया हैं।

वाधवा मेडिकल स्टोर्स का संचालन मैं स्वयं ही करता हूं: भवानी वाधवा

बालाघाट। जिले के मोहगांव मलाजखंड के वाधवा मेडिकल स्टोर्स पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट मौजूद रहता हैं। भवानी वाधवा ने कहा कि मैं मेडिकल स्टोर्स से कुछ समय के लिए बाहर चला गया था उसी वक्त कुछ व्यक्ति द्वारा फ़ोटो विडियो बनाया है, मेरे द्वारा ही दुकान का संचालन करता हूं। जिस प्रकार से ख़बर का प्रकाशन किया गया है वह बेबुनियाद और निराधार तथ्यों पर है, क्योंकि औषधि नियंत्रक अधिकारी के द्वारा समय समय पर निरिक्षण किया जाता हैं। अधिकारी भी सब जानते हैं, क्या सच है और क्या झूठ है। मोहगांव मलाजखंड के वाधवा मेडिकल स्टोर्स संचालक फार्मासिस्ट भवानी वाधवा ने बताया कि मेरा एचसीएल मलाजखंड में दवाई वितरण का ठेका है, जब किसी दवाई की आवश्यकता होती हैं तो उक्त दवाइयों को लाने के लिए बाहर भी जाना पड़ेगा हैं और कुछ दस्तावेज़ के लिए भी बाहर जाना होता हैं उस वक्त दुकान बंद रहती हैं या फिर मेरे कर्मचारी दूकान का कुछ समय के लिए रहते हैं। दूकान अगर संचालन करना है तो अवश्य ही कर्मचारी रखना पड़ेगा वैसे तो सबसे विश्वासी कर्मचारी राधेकृष्णा टोरिया है तो दवाई का वितरण तो नहीं करता पर दूकान में रहता हैं। उसका बोर्ड में नंबर इसलिए डाला गया हैं कि जिसको दवाई की आवश्यकता है उसको कॉल करें तो वह हमें बताता है फिर हम दवा देते हैं। कुछ यहीं के लोग हैं जो कुछ पुरानी रंजिश के चलते वह मेरी बदनामी करने के लिए यह शिकवा शिकायत करते रहते हैं। रहीं बात जबलपुर में रहने की तो मोहगांव में मेरा पुश्तैनी मकान हैं, जबलपुर मेरा कभी कभार आना जाना लगा रहता हैं। पूरा परिवार और व्यवसाय मेरा मोहगांव में हैं। जो पूर्व में मेरे द्वारा अखबार में ख़बर प्रकाशित किया गया है वह जानकारी के अभाव में लगाई गई थी।

मास्टर प्रशिक्षक की कार्यशाला एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तर पर कार्यरत मास्टर प्रशिक्षक की क्षमता वर्धन हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्ही एस चंदेल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं ग्राम स्तर पर जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा वर्तमान में किशोर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ बनाए रखने हेतु मनहित ऐप एवं टोल फ्री नंबर 14416 के प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि ग्राम स्तर पर ब्रिगेड मेंबर्स को अधिक से अधिक कवरेज किया जा सके। उन्होंने स्लिप हाइजीन डीप स्लीप सेलो स्लिप एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट के गुण सिखाए। उनके द्वारा मनकक्ष में अधिक से अधिक किशोर किशोरियों को आवश्यकता अनुसार रेफर करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर एस बी चौधरी द्वारा कार्यक्रम के परिचय देते हुए बताया गया कि किशोर एवं किशोरियों को शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सजक एवं जागरूक किया जाना आवश्यक है जिससे कि किशोरावस्था ही आने वाला भविष्य है। उन्होंने संतुलित पोषण आहार मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु एवं परिवार नियोजन के संबंध में उपस्थित प्रतिभागियों क्षमता वर्धन किया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ मुकुल तिवारी द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी एवं ग्राम स्तर पर आवश्यकता अनुसार आशा सुपरवाइजर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइज के समन्वय से राष्ट्रीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु सहयोग करने की अपेक्षा किया गया उन्होंने राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम, 100 दिवस निश्चय शिविर, परिवार कल्याण कार्यक्रम के संबंध में जागरूक किया। कार्यशाला में संभागीय समन्वयक समीर सिंह परिहार द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित प्रतिभागियों को आईएफए टैबलेट के उपयोग एवं एनीमिया के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। जिला नोडल अधिकारी मास्टर प्रशिक्षकों के कार्य को सजकता एवं सफल संचालन हेतु निर्देशित किया गया जिला समन्वयक द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को रिपोर्ट राइटिंग एवं रिकॉर्ड कीपिंग कार्य योजना बनाए जाने के गुण सिखाए गए कार्यशाला में दर्शन महिला कल्याण समिति के परियोजना समन्वयक मुनीम साहू एवं समस्त मास्टर प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में घुसा बंदर, महिला बाल विकास विभाग में मची अफरातफरी...!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय के महिला एवं बाल विकास विभाग में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक लाल मुंह का बंदर अचानक दफ्तर में घुस आया और सीधे फाइलों की ओर बढ़ गया। कुछ ही मिनटों में पूरा दफ्तर अफरा-तफरी में तब्दील हो गया। कोई चाय छोड़कर भागा, तो कोई मोबाइल मेज पर ही छोड़ गया। कर्मचारियों में ऐसा भय देखा गया मानो कोई बड़ा निरीक्षण अधिकारी आ धमका हो। बंदर की 'दफ्तर में एंट्री' के बाद सारा कामकाज ठप हो गया। कर्मचारी भयभीत हो उठे। गुरुवार 17 जुलाई को कलेक्ट्रेट में लगभग 3 बजे अफरातफरी मच गई जब एक लाल मुह का बंदर महिला बाल विकास के ऑफिस में घुस गया और अलमारी के ऊपर रखें फाइलों के बंडल में बैठ गया जिससे पूरा विभाग डर से भाग गया। किसी तरह कुछ कर्मचारियों ने हिम्मत करके बंदर के लिए खाने की व्यवस्था की तब जाकर वह आधे घंटे बाद नीचे उतरा और फिर उसी विभाग के दूसरे कमरे में जाकर बैठ गया जो बड़ी मुश्किल में 3 घंटे बाद बाहर निकला तब जाकर कर्मचारियों ने ऑफिस बंद किया। वही कर्मचारियों ने बताया कि गुरुवार को बारिश हो रही थीं और बंदर घायल अवस्था मे अस्वस्थ था इसलिए वह जा नही रहा था। बंदर का इस तरह ऑफिस में 4 घंटे रहना कौतूहल का विषय बना रहा। अब अपने अपने तरह से उसकी व्याख्या करते रहे। हैरानी की बात यह रही कि घटना की जानकारी होने के बावजूद वन विभाग की ओर से कोई रेस्क्यू टीम मौके पर नहीं पहुंची।

बदमाशों ने युवक पर लाठी डंडों से किया हमला, अस्पताल में हुई मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम धनहरी में युवक पर अज्ञात बदमाषों ने लाठी डंडो से हमला कर दिया जिसे लहुलुहान अवस्था में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया । जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक युवक का नाम जगदम्बा सिंह पिता अजय सिंह अमड़ी निवासी 38 वर्ष बताया जा रहा है, जो पेषे से ड्रायवर था। सूत्रों की माने तो देर रात अज्ञात बदमाशों ने अज्ञात कारणों से लाठी-डंडों से बेरहमी से हमला किया है।सुबह स्थानीय लोगों की मदद से उसे लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान दो घंटे के भीतर ही उसकी मौत हो गई।पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है जिन पर शक जताया जा रहा है, साथ ही पुलिस उन ग्रामीणों से भी पूछताछ कर रही है जो घायल अवस्था में युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे थे। मृतक मूलतः ग्राम अमड़ी का रहने वाला था, लेकिन वह अपने मामा के घर ग्राम धनहरी में रहकर वाहन चलाने का कार्य करता था और परिवार की जिम्मेदारी निभा रहा था।

बांधवगढ़ में दो दिवसीय कॉरिडोर कंजर्वेशन प्लानिंग वर्कशॉप संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश वन विभाग और एनजीओ समूह वाइल्डलाइफ कॉरिडोर के संयुक्त तत्वाधान में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया के ताला क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय कॉरिडोर कंजर्वेशन प्लानिंग वर्कशॉप संपन्न हुई। दो दिवसीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मध्य भारत में स्थित संजय टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के बीच वन्यजीव गलियारों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान करना और उन्हें मजबूत बनाना था। कार्यशाला के पहले दिन, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक द्वारा कॉरिडोर के संरक्षण और महत्व व आवश्यकता पर जोर दिया गया। विभिन्न अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर-सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा वन्यप्राणी गलियारा के प्रबंधन रणनीति के रखरखाव के साथ टाइगर रिजर्व और क्षेत्रीय डिवीजन से जुड़े गलियारों पर संरक्षण पर जोर दिया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन, कॉरिडोर से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश वन विभाग के मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक शुभरंजन सेन और एल. कृष्णमूर्ति अपर प्रधान मुख्य वन सरक्षक वन्य प्राणी मुख्य रूप उपस्थित रहे। शुभरंजन सेन ने अपने संबोधन में वन्यप्राणी गलियारों की महत्वपूर्ण जानकारी दी और इन गलियारों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए सभी विभागों के सामूहिक समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में सभी मिलकर इस समस्या का हल निकालेंगे। कृष्णमूर्ति ने विभिन्न लाइन विभाग को वन विभाग से विकास कार्यो और निर्माण कार्यो को ऑनलाइन आवदेन और अनुमति प्राप्त करने की प्रकिया से अवगत कराया गया।

स्कूलों में चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टीव्ही, गैस सिलेंडर के साथ अन्य सामग्री जप्त

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले में लगातार स्कूलों में हो रही चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक सक्रिय गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो सुनसान और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों को निशाना बनाकर लाखों का सामान चोरी कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 13 लाख रुपये का मशरूका (चोरी का माल) बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 32 गैस सिलेंडर, 7 टेलीविजन, 3 प्रिंटर, 23 बैटरियां, 1 कंप्यूटर-सीपीयू (कीबोर्ड सहित), 1 इंडक्शन चूल्हा, बर्तन, एक यूपीएस और एक अल्टो कार जब्त की है जिसका उपयोग आरोपी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी कार से घूम-घूमकर सुनसान और कमजोर सुरक्षा वाले स्कूल भवनों की रेकी करते थे। रात के समय स्कूलों में घुसकर वे गैस सिलेंडर, टीवी, प्रिंटर, बैटरियां, कंप्यूटर आदि चुरा लेते थे। गैस सिलेंडर को अवैध रूप से स्थानीय गैस हॉकर्स को बेचा जाता था जबकि इलेक्ट्रॉनिक सामान को बाजार में औने-पौने दामों में खपाया जा रहा था। चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एसडीओपी नैनपुर एवं एसडीओपी मंडला के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया था। इसमें चौकी प्रभारी टाटरी, थाना प्रभारी महाराजपुर, थाना कोतवाली मंडला की टीम शामिल रही।

जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले जिस आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्होंने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अब तक कुल 19 चोरी की वारदातें की हैं। इनमें थाना महाराजपुर के 11, थाना कोतवाली मंडला के 2, चौकी पिंडरई के 3, और चौकी टाटरी, बम्हनी बंजर एवं अंजनिया के 1-1 प्रकरण शामिल हैं। पुलिस ने न सिर्फ चोरों को पकड़ा है बल्कि चोरी का सामान खरीदने और उसे ठिकाने लगाने वाले दो अन्य व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया है। गैस हॉकर्स और इलेक्ट्रिक दुकानदारों से भी बरामदगी की गई है जिनके पास चोरी का सामान मौजूद था। पुलिस अब इन आरोपियों से अन्य जिलों में हुई चोरियों के बारे में भी पूछताछ कर रही है। आशंका है कि यह गिरोह सीमावर्ती जिलों में भी सक्रिय रहा है। पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम की सतर्कता तत्परता और टीमवर्क की सराहना की है। पुलिस की इस कार्यवाही से न सिर्फ एक संगठित चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक बड़ा कदम भी साबित हुआ है। पुलिस की सक्रियता से अब ग्रामीण जनता और विद्यालयों में सुरक्षा को लेकर भरोसा और मजबूत हुआ है। वहीं स्कूलों में चोरी करने वाले गिरोह के खुलासे के बाद पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने इस प्रकरण को पूरी गंभीरता से लेते हुए चोरी से जुड़े अन्य संभावित लिंक और नेटवर्क की भी बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

एसपी रजत सकलेचा का कहना है कि गिरोह द्वारा जिन 19 वारदातों को स्वीकार किया गया है वे सिर्फ शुरुआत हो सकती हैं। गिरोह का नेटवर्क और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त करने वालों की चैन और अधिक व्यापक हो सकती है। इस दृष्टि से पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि चोरी का सामान कहां-कहां बेचा गया कौन-कौन इससे जुड़ा हुआ है और किन-किन जिलों में गिरोह ने इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज, बाजार में बिके हुए सामान की ट्रैकिंग और स्थानीय मुखबिर तंत्र के जरिए पुलिस हर कड़ी को जोड़ने में लगी है।

एसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों और जांच दल को निर्देश दिए हैं कि वे आरोपियों से पूछताछ के हर पहलू को गंभीरता से लें और चोरी के पूरे नेटवर्क को बेनकाब करें ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उनका कहना है कि यह कार्रवाई सिर्फ एक गिरोह को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि चोरी जैसे अपराधों के पीछे छिपे पूरे तंत्र को उजागर करने का प्रयास है। यह जांच अब सिर्फ चोरी नहीं बल्कि चोरी के माल की खरीद-बिक्री से जुड़े आपराधिक गठजोड़ को तोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कड़ी बन गई है।

कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में कांग्रेस पार्टी अब सड़क पर आ गई है। शुक्रवार को बिछिया मुख्यालय में विधायक नारायण सिंह पट्टा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने स्मार्ट मीटर की अर्थी निकाली और मुख्य मार्ग से शवयात्रा ले जाते हुए बिजली ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया। इसके साथ ही किसानों को खाद नहीं मिलने, जर्जर स्वास्थ्य सेवाओं एवं नगर परिषद बिछिया के दैनिक वेतन कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिलने की समस्या को लेकर भी प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार अब जनता को सीधे लूटने का काम कर रही है। स्मार्ट मीटर के नाम पर निजी कम्पनियो को फायदा पहुंचाने के लिए आम जनता का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। कम्पनी के लोग जबरन घरों में स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट ने तक सहमति लेकर लगाने के निर्देश दिए हैं वहीं बिजली बिल की बात करें तो जिनका बिल सौ दो सौ या पांच सौ आता था अब उनका बिल हजारों में आ रहा है। ये एक तरह की संगठित लूट है जिसे भाजपा सरकार अंजाम दे रही है। प्रदेश में खाद का संकट बना हुआ है और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जो वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री हैं वे भी प्रदेश के खाद संकट को ख़त्म नहीं कर पा रहे हैं। किसानों ने जून के महीने में खाद के परमिट कटा लिए हैं लेकिन आज तक उन्हें खाद नहीं मिली है। व्यापारियों के गोदामों में खाद भरी पड़ी है लेकिन सरकारी गोदाम खाली हैं सरकार किसानों को व्यापारियों से औने पौने दामों में खाद खरीदने के लिए मजबूर कर रही है और किसानों का आर्थिक शोषण करवा रही है। हाल ही में जिले में हुई अतिवृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ है लेकिन आजतक न तो सर्वे कराये गए न ही मुआवजा दिया गया हमारा किसान भाई परेशान है और सरकार सो रही है। इसी तरह नगर परिषद भुआ बिछिया के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों व श्रमिकों को पिछले चार महीने से वेतन मानदेय नहीं मिला है लेकिन उनकी भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जनता का हाल बेहाल है लेकिन भाजपा की प्रदेश सरकार सो रही है। इसलिए आज हम इस मरणासन्न सरकार की अर्थी बनाकर शव यात्रा निकाल रहे हैं जबतक जनता के अधिकार उन्हें नहीं मिल जाते और उनका शोषण बंद नहीं हो जाता तबतक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। आने वाले दिनों में हम और भी उग्र प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, जिला महामंत्री समीर राठौर, वरिष्ठ कांग्रेसी जोशसिंह ठाकुर, अशोक ज्योतिषी, ब्लॉक अध्यक्ष रामभजन पटेल, अशोक राजपूत, समीर झा, रागनी परते, मेवा धुर्वे, अजय कुशराम, रणधीर राजपूत, टेकराम राय, जनपद अध्यक्ष शकुना उइके, सरस्वती धुर्वे, दादा विश्वकर्मा, अरुण पांडे, सोनू साहू, अमन राजपूत, उमेश पटेल सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

डॉ प्रीति बनी साहित्य परिषद की अध्यक्ष

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई द्वारा गौडी ट्रस्ट रपटा में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के वरिष्ठ साहित्यकारो एवं परिषद के सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से डॉ प्रीति मनीष को अखिल भारतीय साहित्य परिषद में जिले अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में विनोद सुरेश्वर,भागवत बैरागी,अरविन्द नयन पाराशर, मालती लखेरा, नवीन जैन, राजेश ठाकुर, लखन कछवाहा, प्रतिमा बाजपेई, नवनीता दुबे,अर्चना जैन, रश्मि मिश्रा, साधना दुबे, प्रज्ञा बाजपेई, इंदु जैन, मंजू द्विवेदी, विनीता मिश्रा, मिंटू अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगिता चौरसिया सहित साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में है उपलब्ध

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र कटरा निवास बंजी अंजनिया एवं थावर में मत्स्य बीज उत्पादन का कार्य जारी है। जिले के मत्स्य पालक मत्स्य बीज हेतु मत्स्य बीज प्रक्षेत्र कटरा निवास, बंजी अंजनिया एवं थांवर से सम्पर्क कर सकते हैं। इन सभी मत्स्य बीज प्रक्षेत्र में पर्याप्त मत्स्य बीज उपलब्ध है, जिसे इच्छुक मत्स्य पालक शुल्क जमा कर अपने तालाबों में कतला, रोहू एवं मृगल के मिश्रित मत्स्य बीज संचयन कर सकते हैं।

नशा मुक्ति अभियान कार्यशाला आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय सेवा योजना शासकीय महाविद्यालय अंजनिया एवं पुलिस चौकी अंजनिया के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. नवीन कुमार हरदहा ने छात्र-छात्राओं को नशे से दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। चौकी प्रभारी श्री प्रवीण शर्मा ने नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और बताया कि नशे की शुरुआत किस तरह से होती है उक्त कार्यक्रम में मनोज सिंह, कीर्ति कुमार नागपुरे, मनोज पटेल, डॉ. घनश्याम प्रसाद झारिया, डॉ. विजय मौर्य, डॉ. प्रशांत कुमार यादव, डॉ. गरिमा छाबड़ा, संदीप चौरसिया, संतोष नंदा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राम प्रसाद साहू का निधन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत नैनपुर में पदस्थ लेखपाल नारायण प्रसाद साहू, भोला साहू, लक्ष्मीकांत साहू के पिता रेल्वे विभाग से सेवा निवृत्त नगर के गणमान्य नागरिक राम प्रसाद साहू वार्ड 6 निवासी का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आपकी अंतिम यात्रा में बडी संख्या में शासकीय कर्मचारी, अधिकारी, नगर के नागरिक व नाते रिश्तेदार समलित रहे और सभी ने दो मिनट का मोन रख अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित किया।

कुछ बेहतर करना ही संगठन का मूल उद्देश्य : प्रदेश अध्यक्ष

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश की 435 तहसील में साठ हजार से ज्यादा आजीवन सदस्यों के साथ समाजसेवा में अग्रणी सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के मुख्यातिथ्य में होटल उत्सव कटरा रोड में जिला कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों का सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन सभी अतिथि एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों के द्वारा आराध्य माँ लक्ष्मी के तैल्यचित्र में पुष्प माला तिलक वंदन से हुई अतिथि स्वागत के पश्चात जिला प्रभारी सुनील अग्रवाल ने रूपरेखा प्रस्तुत कर आयोजन की महत्वता पर प्रकाश डाला तत्पश्चात संभागीय अध्यक्ष अशोक गोयल ने वैश्य महासम्मेलन के पूरे मध्यप्रदेश के नेटवर्क और विपरीत परिस्थिति में अलग अलग जिलों के साथियों के द्वारा मिले सहयोग की महत्व को साझा किया जिलाध्यक्ष नितिन राय ने अपने कार्यकाल के खट्टे मीठे अनुभव को साझा करते हुए कहा इतने बड़े संगठन मतलब एक परिवार से जुड़ना हम सबके लिए गौरवपूर्ण है। महिला अध्यक्ष अनिता गोयल ने कहा-प्रत्येक तहसील में प्रवास कर महिला कार्यकारिणी के विस्तार की योजना को अब मूर्त रूप दिए जाने की योजना है साथ ही आगामी 27 जुलाई को महिला इकाई द्वारा हरियाली तीज पर कार्यक्रम आयोजन किया जाना है। प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा-हम सिर्फ मानव एक प्रजाति मात्र नहीं बल्कि, ईश्वर के अंश हैं। आने वाली पीढ़ी को कुछ बेहतर दे सके इसलिए संगठन के लिए प्रतिदिन पांच दस मिनट का समय निकालकर अपने साथियों से बेवजह बात करें उन्होंने कहा सबको विदित है कि, आगामी 30 जुलाई के बाद आजीवन सदस्यता शुल्क बढ़ने का पूर्व निर्णय हो चुका। इसलिए सब एकजुट होकर नए सदस्यों को आजीवन सदस्यता हेतु भागीरथी प्रयास करें। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक सुधीर कसार के द्वारा किया गया तत्पश्चात विगत दिवस नगर के आजीवन सदस्य श्रीमति ऋतु (राकेश) अग्रवाल एवं श्रीमति अन्नू (नरेंद्र) सिहारे के स्वर्गवास हो जाना संगठन की अपूर्णीय क्षति बताया और सबने मौन श्रृद्धांजलि अर्पित कर उनके परिवार को इस गहन दुख को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की इंद्रेश (बब्बल) खरया के नेतृत्व में प्रदेशाध्यक्ष के द्वारा पौधारोपण भी किया गया ।

अमल ज्योति में शपथ ग्रहण समारोह

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अमल ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल में नव शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी चंद्र बिसेन की गरिमामयी उपस्थिति रही जिन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और प्रार्थना नृत्य के साथ हुई। इसके पश्चात नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों ने अनुशासन ईमानदारी और जिम्मेदारी से कार्य करने की शपथ ली। विद्यार्थियों को विधिवत रूप से पदभार सौंपा गया। इस आयोजन को प्राचार्य सिस्टर निर्मल मरिया और मैनेजर सिस्टर लिस्सी की विशेष उपस्थिति ने आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान शैक्षिक सत्र 2024-25 में स्टेट रैंक एवं डिस्ट्रिक्ट रैंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भव्य रूप से सम्मानित किया गया। विद्यालय बैंड की भावपूर्ण प्रस्तुति प्रेरणादायक गीत, हेड बॉय का प्रेरक भाषण और हेड गर्ल का धन्यवाद भाषण समारोह की प्रमुख आकर्षण रहे।

शहीद रेवत सिंह का बलिदान दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शहीद रेवत सिंह उइके जो आरपीएफ के जवान थे इनकी 15 जुलाई 2009 को जम्मू कश्मीर में लड़ाई के दौरान शहीद हो गए थे इनकी तिथि पर ग्रामीणों ने कार्यक्रम का आयोजन किया था। वहीं प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष को भी समस्त ग्रामवासियों ने ग्राम के भारतीय आम नागरिक देश संघर्ष युवा संगठन भवाल क्षेत्र के चटरा डुंगरिया के युवाओ द्वारा शहीद रेवत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्प अर्पण कर नमन किया गया साथ ही ससम्मान राष्ट्रीय गान गाकर शहीद रेवत सिंह उइके को सलामी दी गई। वहीं सरपंच हेमराज पंद्रों ने रेवत भईया विचार मंच पर समाज को नशा मुक्ति के प्रति जागृति लाने का संदेश दिया ओर समाजसेवी दुर्गेश सिंगरौरे ने डुंगरिया ग्राम को नशा मुक्त बनने की बात पंच मुकद्दम बुजुर्गों से की साथ ही अगले साल रेवत की याद में गांव का आर्थिक उत्थान के लिए रेवत महुआ वन वृक्षारोपण करने की बात कही। इस दौरान देश संघर्ष युवा संगठन के कार्यकर्ता, रमेश, जयसिंह, सुखसेन, सुब्बे लाल, वीरेंद्र, समलो बाई, बसंती उइके, मुकदम अकल सिंह, बाबू लाल, हरिचंद्र तेकाम, फागराम उइके, फूलचंद्र वरकड़े, रूपसिंह मलथरिया, सूमरत आदि उपस्थित रहे।

जल जीवन कार्यों में पांचवा स्थान

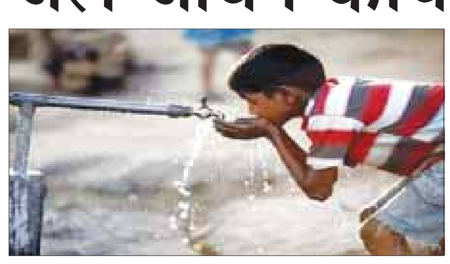

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट के निर्देशानुसार जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत लक्षित कार्यों को समय पर पूर्ण किए जाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनोज भास्कर ने बताया कि जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को नल जल योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्रदाय करने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें मंडला को 2,38,274 कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन करने का लक्ष्य दिया गया था। लक्ष्य के विरूद्ध 1,68,137 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण कर लिए हैं एवं छूटे परिवारों को निरन्तर रूप से पेयजल प्रदाय करने का प्रयास किया जा रहा है। गुरूवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्यप्रदेश द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत जारी की गई रैंकिंग में मंडला जिले को शीर्ष 5 जिलों में शामिल किया गया है। मंडला जिला 68.05 एफएचटीसी पूर्ण कर शीर्ष से तीसरे स्थान में शामिल हुआ।

प्रतिबंध के बावजूद मछली का विक्रय

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध के बावजूद जिले में चोरी-छिपे मछली पकड़ने की खबरें आ रही हैं। यह एक गंभीर समस्या है क्योंकि इससे न केवल कानून का उल्लंघन होता है बल्कि मछली संसाधनों का भी नुकसान होता है यह न केवल मछुआरों के लिए कानूनी परेशानी का कारण बन सकता है बल्कि इससे मछली संसाधनों पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। प्रतिबंध का उद्देश्य प्रजनन काल में मछलियों की संख्या को सुरक्षित रखना है ताकि जल स्रोतों में जैविक संतुलन बना रहे। वहीं मछली विभाग और मिलीभगत या लापरवाही की आशंका भी जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो आने वाले समय में मछलियों की संख्या में भारी गिरावट हो सकती है।

प्रभात कोशल के घर खिला ब्रह्मकमल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शा. उच्चतर माध्यमिक शाला नैनपुर में पदस्थ प्रभात कोशल श्रीमति शोभा कोशल के घर पर ब्रह्मकमल खिला जिसके दर्शन करने आस-पड़ोस के लोग पूजा करने उनके घर पहुंचे। बताया गया कि यह फूल कुछ दिनों पहले भी एक बार और खिला था। यह फूल अपनी सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। फूल के खिलते ही मोहल्ले में उत्साह का माहौल बन गया। लोग दर्शन और पूजा के लिए उनके घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ब्रह्म कमल हिमालय की ऊंची चोटियों पर पाया जाता है। यह फूल रात में खिलता है।

इसे भगवान ब्रह्मा का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में इसे पवित्र और शुद्ध माना गया है। पूजा और अनुष्ठानों में इसका उपयोग होता है। इसका खिलना एक दुर्लभ और अद्भुत अनुभव माना जाता है। श्रीमति शोभा कौशल एक सेवा निवृत्त प्रधान अध्यापिका है जो अब घर पर पेड़ पोंधे बागवानी तैयार कर अपना समय उन्हें देती है। जिसके फलस्वरूप उनके घर पर एक बार नहीं दो बार वलकी एक ही पोंधे में अनेक

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध पुलिस ने की कार्यवाही

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिवकुमार वर्मा व एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में समाज में बढ़ रहे नशे पर अकुश लगाने हेतु च्नशे से दूरी है जरूरीज्ञ अभियान चलाया जा रहा है जिसके तारतम्य में थाना नैनपुर में पुलिस द्वारा कस्बा नैनपुर में अवैध शराब बिक्री करने वाले आरोपीयों के विरूद्ध दबिश देकर की गई कार्यवाही के दौरान आरोपी दीपक पाठक पिता मोहनलाल पाठक निवासी वार्ड न. 10 शांति नगर नैनपुर के कब्जे से 12 पाव देशी प्लेन मदिरा कीमती 1080 रूपये की जप्ती कर धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 319/25 पंजीबद्द किया गया। (2) आरोपी पुरूषोत्तम साहू पिता तुलाराम साहू निवासी वार्ड न.1 खैरमाई रोड नैनपुर के कब्जे से 18 पाव शराब कीमती 1560 रूपये की जप्त कर धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 320/25 पंजीबद्द किया गया। (3) आरोपी बुद्धुलाल पन्द्रो पिता फागुलाल पन्द्रो निवासी ग्राम निवारी नैनपुर के कब्जे से 10 नग पाव देशी मदिरा कीमती 800 रूपये की जप्ती कर धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 321/25 पंजीबद्द किया गया। (4) तरन पाल पिता जसवंत पाल निवासी वार्ड न.15 नैनपुर के कब्जे से 15 नग देशी प्लेन मदिरा कीमती 1200 रूपये की जप्ती कर धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 322/25 पंजीबद्द किया गया। (5) आरोपी दिनेश रजक पिता लेखराम रजक निवासी वार्ड न.15 के कब्जे से 43 नग देशी प्लेन मदिरा के पाव कीमती 3870 रूपये की जप्ती कर धारा 34 ए आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 323/25 पंजीबद्द किया जाकर विवेचना मे लिया गया। कुल अवैध शराब 24 लीटर 300 मि.ली. कीमती 12580 रूपये की जप्ती की गई ।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 नैनपुर को मिला देश में 40वां स्थान

जीएफसी मे 3 स्टार एंव ओडीएफ ++

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 नगर पालिका परिषद नैनपुर को देश मे 40वां स्थान मिला है। वर्ष 2023 में यह 92वें पायदान पर था। जीएफसी (कचरा मुक्त शहर) स्टार रेटिंग में नैनपुर शहर ने 3 स्टार प्राप्त किया और ओडीएफ प्रमाणीकरण में ओडीएफ++ प्राप्त किया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में कुल 12500 में से 9689 अंक मिले। जिसमे ओडीएफ में 1200 में से 1000 अंक मिले। गार्बेज फ्री सिटी में 1300 में से 800 और सर्वेक्षण 2024 में 10000 में से 8313.92 अंक मिले।

नगर पालिका परिषद नैनपुर का सभी श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन रहा। रहवासी क्षेत्रों के साथ बाजार में साफ-सफाई पर पूरे के पूरे 100प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी तरह से जलस्त्रोतों की साफ-सफाई पर पूरे 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन में 93 प्रतिशत अंक मिले। सूखा और गीला कचरा अलग-अलग करने 68 प्रतिशत अंक मिले। इसके साथ डंप साईड रीमेडियेशन पर 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अपशिष्ट संग्रहण और प्रसंस्करण पर भी 100प्रतिशत अंक प्राप्त किए। रहवासी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, प्रबंधन, जल स्त्रोतों की सफाई एवं नगर की सफाई कार्य में सुधार होने के कारण शत प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष एवं पार्षदगणों ने सभी नगरवासियों को शहर की इस उपलब्धि के लिये बधाई दी हैं एवं उनके सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कृष्णा पंजवानी ने कहा की यह सभी नगरवासियों के लिए गौरव का विषय है। आपके सहयोग से हमने गली, मोहल्ले, बाजार, सडकों को स्वच्छ बनाया। इसके साथ ही सौ प्रतिशत कचरा एकत्र करते हुये उसका निदान भी सुनिश्चित कर रहे हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार के निरंतर सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। हम सभी को मिलकर अपने शहर, को स्वच्छता के क्षेत्र में नए आयामों तक पहुँचाना हैं।

संपादकीय

समीक्षा ही समाधान

संविधान में संशोधन संसद में ही किया जा सकता है। यह संसद का विशेषाधिकार है। संविधान में संशोधन विधानसभा के स्तर पर नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रस्तावित बिल को विधानसभा पारित करना चाहती है, तो उसे केंद्र सरकार या राष्ट्रपति को भेजना पड़ता है। यह उनका विशेषाधिकार है कि बिल पारित करें या उसे लौटा दें। संसद में अभी तक 106 संविधान संशोधन पारित किए जा चुके हैं। संविधान पर फिजूल ही सियासत की जा रही है।

चूंकि कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों को सरकारी ठेकों में 4 फीसदी आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित कराया है, लिहाजा उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीते दिनों 'संविधान बदलने' का जो बयान दिया है, वह बेमानी, असंवैधानिक है। भाजपा ने इसे लपक लिया है। उप मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने तक की मांग की गई है। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने यहां तक कहा है कि कांग्रेस संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। संविधान में बाबा अंबेडकर ने साफ किया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब कांग्रेस उसे बदलने की कोशिश कर रही है। संविधान बचाने की सियासत अब भाजपा के हाथों में है, जबकि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में एक फर्जी नेरेटिव फैलाया गया था कि भाजपा सरकार में आई, तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देगी। इस नेरेटिव का विपक्षी दलों को अच्छा फायदा मिला और उनकी संसदीय सीटें बढ़ गईं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार सामान्य बहुमत हासिल नहीं कर पाई और 240 सीटों पर ही ठहर गई।

संविधान और आरक्षण पर सियासत क्यों और कैसे की जा सकती है, जबकि ये हमारे लोकतंत्र के स्थापित सत्य हैं। संविधान सभा के जरिए भारत का संविधान तय किया गया और संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई। हालांकि आरक्षण सिर्फ 10 साल के लिए ही था, लेकिन संविधान लागू हुए 75 लंबे साल गुजर चुके हैं, लेकिन आरक्षण आज भी जारी है। अब तो आरक्षण एक राजनीतिक हथियार और वोट बैंक का आधार बन चुका है। हमारे पुरखों ने जो संविधान तैयार किया था, उसके अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग, जन्म-स्थान, रंग, नस्ल और मूल वंश के आधार पर भेदभाव प्रतिबंधित किया गया है। अनुच्छेद 16 में पिछड़ों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सर्वोच्च अदालत ने आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी तय कर रखी है, लेकिन राज्य सरकारें 'संवैधानिक चालाकी' खेल कर, पिछड़ों के कोटे में ही, अन्य वर्गों को आरक्षण का प्रस्ताव पारित कराती रही हैं। कर्नाटक में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण ऐसा ही है। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने ओबीसी कोटा बढ़ा कर 42 फीसदी कर दिया है। यकीनन ये संविधान का उल्लंघन हैं और सर्वोच्च अदालत इन आरक्षणों को निरस्त कर सकती है। दरअसल यह अपना वोट बैंक पुख्ता करने और बढ़ाने की सियासत भर है। दरअसल अब 2025 में आरक्षण की व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। जिनके लिए करोड़ों रुपए के ठेके में आरक्षण तय किया गया है, जाहिर है कि वे इतने सम्पन्न, समृद्ध तो होंगे कि ठेके ले सकें और फिर काम कर सकें। बहरहाल, आरक्षण की समीक्षा ही समाधान है।

समग्र प्रयासों में निहित जल संकट का समाधान

दीपक कुमार शर्मा

डे जीरो-एक ऐसा शब्द है जो अब केवल एक संभावित आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक का प्रतीक बन चुका है। यह शब्द पहली बार 2018 में वैश्विक स्तर पर चर्चा में तब आया जब दक्षिण अफ्रीका का कैपटाउन शहर पानी की आपूर्ति पूरी तरह समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। 'डे ज़ीरो' वह दिन होता है जब शहर के सभी नल बंद कर दिए जाते हैं, और नागरिकों को सार्वजनिक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर सीमित मात्रा में पानी प्राप्त करना पड़ता है। कैपटाउन में यह सीमा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 लीटर निर्धारित की गई थी। हालांकि इस संकट का कारण केवल जलवायु परिवर्तन या वर्षा की अनिश्चितता नहीं था-यह दशकों की नीति विफलता, शहरों का अति-विस्तार, परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा और जल प्रबंधन में बड़ी खामियों का संयुक्त परिणाम था।

कैपटाउन ने कड़ी नीतियों और नागरिक सहभागिता से इस आपदा को कुछ समय के लिए टाल दिया है। लेकिन पानी की गंभीर किल्लत की आहट अब भारत के दरवाज़े तक होने लगी है। भारत जैसे देशों में, जहां जनसंख्या अत्यधिक है, शहरीकरण अनियंत्रित है, और भूजल दोहन पर कोई स्पष्ट नियंत्रण नहीं-डे ज़ीरो अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक आसन्न यथार्थ है।

बेंगलुरु, जिसे कभी 'झीलों का शहर' कहा जाता था, आज जल संकट के सबसे भीषण दौर से गुजर रहा है। यहां की अधिकांश झीलें अब या तो कचरा डंपिंग साइट बन चुकी हैं या अवैध निर्माण की भेंट चढ़ गईं। भूजल स्तर हर वर्ष 10-12 मीटर की दर से नीचे जा रहा है। बेंगलुरु में डे ज़ीरो की आंशिक झलक तब देखने को मिली जब पूरे शहर में टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ी।

चेन्नई भी 2019 में डे ज़ीरो जैसे संकट का सामना कर चुका है जब उसके चारों जलाशय सूख गए थे। वहीं दिल्ली की स्थिति भी बेहतर नहीं-शहर की मुख्य जलधारा यमुना प्रदूषण और अतिक्रमण की शिकार है, जबकि भूजल स्तर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में जा चुका है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत के 21 बड़े शहरों में जलापूर्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है।

पानी के मामले में हरियाणा की स्थिति भी चिंताजनक है। धान,गन्ने जैसी अत्यधिक जल-खपत वाली फसलों का विस्तार, सिंचाई तकनीकों का अल्प उपयोग और नगण्य वर्षा जल संचयन ने भूजल अंधाधुंध तरीके से समाप्त कर दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार हरियाणा के 85 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक स्तर पार कर चुका है। भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार केवल वर्षा की अनियमितता नहीं है, बल्कि जल निकायों पर अतिक्रमण, नीति असंगति, शहरी अपशिष्ट का जल स्रोतों में मिलना और लोगों में जल बचत के प्रति उदासीनता जैसे कारक भी उतने ही उत्तरदायी हैं।

जल संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं तो बनाई गईं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कागज़ी आंकड़ों तक ही सीमित रह गया। मसलन, जल जीवन मिशन को सिर्फ 'हर घर नल' तक सीमित समझा गया, जबकि उसका मूल उद्देश्य स्थानीय जल स्रोतों का सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता के ज़रिए जल आत्मनिर्भरता था।

इस स्थिति से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। जल को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर नागरिक सहभागिता पर बल देना होगा। जल संरक्षण को जीवनशैली में लाना होगा जैसे कैपटाउन में लोगों ने बर्तनों में नहाने का पानी जमा कर पौधों को सींचा, हाथ धोते समय नल बंद करना सीखा और शौचालयों में रिसाइकल पानी का प्रयोग शुरू किया।

भारत में भी प्रत्येक इमारत में वर्षा जल संचयन अनिवार्य करना चाहिए, जिसे स्थानीय निकाय सख्ती से लागू करें। भूजल का मापन, नियमन और पुनर्भरण एक समर्पित मिशन के तहत चलाया जाए। जल जीवन मिशन को स्थानीय स्रोतों को पुनर्जीवित करने और जल संरक्षण पर केंद्रित करना होगा। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट की जगह परकोलेशन पिट्स, बायोस्वेल्स और हरित क्षेत्र बढ़ाने होंगे ताकि वर्षा जल भूमि में जज्ब हो सके। पानी की कीमत समझना और उपभोग पर नियंत्रण लाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्लैब आधारित मूल्य निर्धारण, जहां न्यूनतम जरूरतों के बाद अतिरिक्त खपत पर उच्च शुल्क लगे, एक व्यावहारिक नीति हो सकती है। इससे पानी का विवेकपूर्ण उपयोग प्रोत्साहित होगा। वहीं, तकनीकी नवाचार जैसे जल रिसाव की स्मार्ट निगरानी, अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग और समुद्री जल से मीठा पानी बनाने की प्रक्रिया को प्रमुखता दी जानी चाहिए। चेन्नई ने समुद्री जल शोधन संयंत्र की ओर कदम बढ़ाया है, और यह उन तटीय शहरों के लिए प्रेरणा हो सकता है जहां भूजल या वर्षा जल अपर्याप्त है। स्कूलों और कॉलेजों में जल शिक्षा को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। आने वाली पीढ़ी को जल के महत्व और उसके संरक्षण के व्यावहारिक तरीकों से परिचित कराना अब एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन गई है। भारत को एक राष्ट्र के रूप में जल सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, नीतिगत, प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर समन्वित प्रयास करने होंगे। दरअसल, जल को लेकर आत्मनिर्भरता केवल योजना की भाषा में नहीं हो, ज़मीनी क्रियान्वयन और जनचेतना में झलकनी चाहिए। तभी हम डे ज़ीरो के खतरे को टाल सकते हैं।

संकट से सबक लें भारतीय विश्वविद्यालय

ज्ञान मानव चेतना और मेहनत से विकसित एक सतत सामाजिक शक्ति है, जो प्रारंभ में नि:शुल्क साझा और अनुकरण द्वारा बढ़ता रहा। समय के साथ, इसे आर्थिक और राजनीतिक संसाधन के रूप में संगठित किया गया, जिससे इसका उपयोग एक नियंत्रित यंत्र की तरह होने लगा। ज्ञान सामाजिक विरासत और जिम्मेदारी है। ज्ञान साझा करने की नियंत्रित प्रणाली को शिक्षा प्रणाली कहा जाता है, जिसे राज्य की कानून व्यवस्था के तहत योजनाबद्ध किया गया है। शिक्षा प्रणाली में ज्ञान के प्रसारण, अनुसंधान और विकास को राज्य सत्ता के प्रतिनिधि अपनी नीतियों के अनुसार नियंत्रित करते हैं, ताकि वे अपने हितों की सेवा कर सकें। विज्ञान, औद्योगिक क्रांति और पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के उदय के बाद ज्ञान भी बाजार में एक वस्तु बन गया है। राजतंत्र से लोकतंत्र और उदार लोकतंत्र की ओर बदलाव ने मानव अधिकारों, बहुसंस्कृति, समानता और समावेश को उदार पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का मानवीय पहलू बनाया है। संयुक्त राज्य अमेरिका उदार पूंजीवादी नीतियों के साथ दुनिया के प्रमुख उदार लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है, जहां हर मूल के व्यक्ति को अपने सपनों को पूरा करने और योग्यता के आधार पर नागरिकता पाने का अवसर मिलता है। इसकी शिक्षा प्रणाली विश्व की श्रेष्ठ प्रणालियों में से एक मानी जाती है, जो उच्चतम कौशल और ज्ञान प्रदान करती है, जिसका उदाहरण हार्वर्ड विश्वविद्यालय है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी पार्टी ने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उदार आव्रजन और शिक्षा नीतियों पर प्रतिबंध लगाने शुरू किए। ट्रम्प प्रशासन ने इस्राइल-विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यहूदी-विरोधी भावना रोकने में विफल रहने का आरोप लगाकर हार्वर्ड और अन्य विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई की है। उनसे विद्यार्थी प्रवेश और फैकल्टी भर्ती डेटा साझा करने और समावेशी कार्यक्रम बंद करने को कहा गया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रम्प प्रशासन के डीईआई कार्यक्रमों को बंद करने और प्रवेश-भर्ती डेटा साझा करने के आदेश को मानने के बजाय अदालत में चुनौती दी है। इसके जवाब में संघीय सरकार ने हार्वर्ड की 2.2 बिलियन डॉलर की शोध अनुदान राशि रोक दी है, कर-मुक्त दर्जा वापस लेने और छात्र विनिमय प्रमाणपत्र रद्द करने के आदेश जारी किए हैं। सरकारी प्रतिबंधों से हार्वर्ड को वित्तीय संकट के साथ-साथ विदेशी छात्रों के एफ और जे विज़ा नामांकन पर भी असर पड़ता, लेकिन हार्वर्ड ने अपने मूल्यों पर अडिग रहते हुए इन आदेशों को अदालत में चुनौती दी। अदालत ने सुनवाई तक सरकारी आदेशों पर अंतरिम रोक लगा दी है। ट्रम्प प्रशासन का लक्ष्य परस्पर विरोधी हितों का राजनीतिकरण करना, उदार विचारधाराओं के प्रसार को रोकना और संकीर्ण राष्ट्रवादी हितों को पूरा करना है, जबकि हार्वर्ड का मुख्य लक्ष्य सार्वजनिक भलाई के लिए उच्च-स्तरीय शिक्षा और शोध को बढ़ावा देना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करना और अन्याय और अमानवीय कृत्यों का विरोध करने वाली उदार विचारधारा को बढ़ावा देना है। एक अध्ययन के अनुसार, अगस्त, 2024 में, हार्वर्ड मैसाचुसेट्स निवासियों का 5वां सबसे बड़ा नियोक्ता और कैम्ब्रिज शहर में सबसे बड़ा नियोक्ता था और वैश्विक स्तर पर हार्वर्ड के पूर्व छात्रों ने 146,429 नौकरियां पैदा की हैं। हार्वर्ड के कई पूर्व छात्र अपने देशों में शासक या नौकरशाह बन गए हैं। हार्वर्ड ने बेकिंग पाउडर, अंग प्रत्यारोपण, ओआरएस, फंक्शनल एमआरआई, पोर्टेबल सर्जरी, लॉजिकल क्वांटम प्रोसेसर और जीन-एडिटिंग दवाओं जैसे मानवता के लिए उपयोगी आविष्कार किए हैं। उसके पास लगभग 5,800 पेटेंट हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हार्वर्ड की आय के मुख्य स्रोत दान तथा उपहार, शिक्षा-शिक्षण, आवास तथा खाद्य बिक्री, अनुसंधान अनुदान, जिसमें संघीय अनुदान और गैर-संघीय अनुदान है और अन्य स्रोत हैं। संघीय अनुसंधान अनुदान, जिसे ट्रम्प प्रशासन ने अवरुद्ध कर दिया है, जो अनुसंधान कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। सबसे चिंता की बात है कि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों की सरकारी नीतियों को रोकने की शक्ति सीमित कर दी है। ट्रम्प प्रशासन के दबाव में वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रमुख ने इस्तीफा दिया है। हार्वर्ड संकट से भारतीय विश्वविद्यालय कई सबक ले सकते हैं, जैसे शैक्षणिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देना, बहुसांस्कृतिक और समावेशी वातावरण बनाना, खुली बहस को प्रोत्साहन, शिक्षा को मानव कल्याण से जोड़कर दान आकर्षित करना, सरकारी निर्भरता घटाना, कल्याण आधारित कार्य संस्कृति अपनाना और सभी को निष्पक्ष, निडर व कानून के प्रति जागरूक बनाना।

- प्रो. सुखदेव सिंह

अंतरिक्ष में भारत की उड़ान: विज्ञान, साहस और आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा

डॉ.सत्यवान सौरभ

मानव इतिहास की परिधि पर जब भी कोई नया चक्र उभरता है, तो उसमें विज्ञान, कल्पना और आत्मबल की त्रयी सबसे महत्वपूर्ण होती है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा, जो एक समय टिन के डब्बों में साइकिलों पर रॉकेट लेकर चलने से शुरू हुई थी, आज न केवल चंद्रमा और मंगल की मिट्टी तक पहुँच चुकी है, बल्कि मानव संसाधन के नए क्षितिज भी गढ़ रही है। हाल ही में संपन्न हुई भारतीय मूल की गगनयात्री सुनीता विलियम्स की ऐतिहासिक वापसी, न केवल अमेरिका की सफलता है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष स्वप्नों को भी नए पंख दे गई है। उनके साहस ने भारत की आधी आबादी-नारी शक्ति-को यह संदेश दिया है कि अब अंतरिक्ष केवल विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि आत्मबल, समानता और नवाचार का प्रतीक बन चुका है। भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम कोई दिखावा नहीं, बल्कि ज़मीनी जरूरतों का समाधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम की सटीक जानकारी, किसानों के लिए फसल पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, संचार और शिक्षा के लिए सस्ती सेवाएं-ये सब हमारे उपग्रहों की देन हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सफलता सिर्फ रॉकेट प्रक्षेपणों की संख्या में नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, सटीकता और न्यूनतम लागत में छुपी हुई है। यही कारण है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र भी आज अपने उपग्रह प्रक्षेपण के लिए भारत का रुख कर रहे हैं। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और आगामी 'गगनयान' मिशन भारत को उस गुट में खड़ा कर रहे हैं, जहाँ सिर्फ चंद विकसित देश अब तक मौजूद थे। गगनयान मिशन, जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी यान में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, सिर्फ विज्ञान नहीं बल्कि भारतीय आत्मगौरव की पुनर्प्रतिष्ठा का प्रतीक होगा। इस यात्रा का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें अब केवल वैज्ञानिक ही नहीं, आम भारतीय युवाओं के लिए भी संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। इसरो, रक्षा अनुसंधान संगठन और निजी क्षेत्र के सहयोग से भारत एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है जहाँ विज्ञान, नवाचार, रोजगार और उद्यमिता एक साथ फल-फूल सकते हैं।

सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला, और अब भारत की युवा वैज्ञानिक-ये सब उदाहरण हैं उस शक्ति के जो अंतरिक्ष में भी 'सीमित' नहीं है। आज देश की बेटियाँ रोवर बना रही हैं, सॉफ्टवेयर कोड लिख रही हैं, रॉकेट डिजाइन कर रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष केंद्रों में महिला वैज्ञानिकों की सक्रिय भागीदारी इस मिथक को तोड़ती है कि विज्ञान केवल पुरुषों का क्षेत्र है। यह केवल लैंगिक समानता की बात नहीं, यह सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण की नींव है। जब एक लड़की अंतरिक्ष में जाती है, तो पूरे समाज का सोचने का तरीका बदलता है। देश के नवोदय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, सरकारी स्कूलों, और ग्रामीण अंचलों से आने वाले छात्र-छात्राएं अब स्पेस क्लब्स का हिस्सा हैं। नन्हे वैज्ञानिक अब मोबाइल एप्लिकेशन से रॉकेट लॉन्च की प्रक्रिया को समझ रहे हैं, और निजी स्टार्टअप्स जैसे अग्निकुल, स्काईरूट, और पिक्सेल अंतरिक्ष आधारित स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दे रहे हैं। यह परिवर्तन केवल पढ़ाई या परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार सृजन, नवाचार, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव भी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का सपना अब सिर्फ सपना नहीं, योजनाबद्ध यथार्थ बनता जा रहा है। भारत में 2021 में स्थापित हुए अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या 30 से बढ़कर 2025 में 190 से अधिक हो चुकी है। इस वृद्धि के पीछे न केवल सरकारी नीतियाँ हैं, बल्कि वह युवा ऊर्जा भी है जो रिस्क लेने को तैयार है। अब भारतीय युवा सिर्फ सरकारी नौकरी की तरफ नहीं देख रहा, वह अब सोचता है कि वह क्यों न खुद एक उपग्रह विकसित करे? क्यों न वह 'लॉन्च सर्विस' उपलब्ध कराए? क्यों न वह अंतरिक्ष कचरे की सफाई पर स्टार्टअप शुरू करे? यह वही 'नया भारत' है, जो न केवल ख्वाब देखता है, बल्कि उन्हें साकार भी करता है। भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल एक अनुसरणकर्ता नहीं, एक पथप्रदर्शक बनता जा रहा है। अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई देश भारत से सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। भारत द्वारा 'सार्क सैटेलाइट' का निर्माण यह दर्शाता है कि वह विज्ञान को केवल राष्ट्रहित में नहीं, विश्वहित में भी प्रयोग करना चाहता है। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना अब पृथ्वी तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ब्रह्मांड तक विस्तार पा रही है। हालांकि यह भी आवश्यक है कि अंतरिक्ष विज्ञान के इस उत्साह को तर्क और जिम्मेदारी के साथ देखा जाए। विज्ञान का उपयोग यदि केवल आत्मप्रशंसा या राजनीतिक प्रचार के लिए हो, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक सकता है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल चंद्रमा पर तिरंगा फहराने का उपक्रम नहीं, बल्कि गाँव-गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और आपदा राहत पहुंचाने का भी माध्यम है। सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो विज्ञान को लोकमंगल से जोड़ता है, न कि केवल मीडिया तमाशा बनाता है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल रॉकेटों की गिनती नहीं है। यह देश की चेतना, आत्मबल, नवाचार, और युवाशक्ति की उड़ान है। जब कोई बच्चा गाँव की मिट्टी से उठकर अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने का सपना देखता है, जब कोई युवती कहती है कि वह सुनीता विलियम्स या कल्पना चावला बनना चाहती है, और जब कोई शिक्षक अपने छात्रों को ब्रह्मांड के रहस्यों से अवगत कराता है-तब समझिए कि भारत सचमुच उड़ रहा है। और यह उड़ान, केवल आकाश की ओर नहीं, एक समावेशी, स्वावलंबी और वैज्ञानिक समाज की ओर है। इसलिए, आइए हम विज्ञान को केवल प्रयोगशालाओं में सीमित न करें, उसे घर-घर तक पहुँचाएं। विज्ञान का दीपक केवल रॉकेट नहीं बनाता, वह आशा, समानता और आत्मनिर्भरता की लौ भी जलाता है। अंतरिक्ष में भारत की यह यात्रा यहीं नहीं थमेगी-यह हर उस हृदय की धड़कन बनेगी, जो सोचता है, जो गढ़ता है, और जो

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग धंधे में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से छांगरू बाबा उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था - जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा रेट कार्ड था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से- यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है- जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया।

इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है- जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है।

उत्तर प्रदेश में एटीएस ने एक बड़े धर्मांतरण रैकेट का खुलासा किया है, जिसमें विदेशी फंडिंग के जरिए करीब 100 करोड़ रुपये 40 खातों में भेजे गए। मुख्य आरोपी 'छांगरू बाबा' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह ऊंची जाति की लड़कियों के लिए 15-16 लाख रुपये की दर से धर्मांतरण कराता था। यह मामला केवल आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित सामाजिक षड्यंत्र है जो जाति, धर्म और लिंग के आधार पर राष्ट्र की एकता को तोड़ने का प्रयास करता है। इसे धार्मिक स्वतंत्रता नहीं, संगठित अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए।

जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं। इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था- जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है।

इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो 'धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, 'संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। अल्पसंख्यकों की 'संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं।

यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें- बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

'द्रूजों' की आड़ में क्या गुल खिलायेगा सीरिया पर इस्रायली धावा?

डॉ सुधीर सक्सेना/भोपाल

ईरान और इस्रायल में जंग थम गयी है, लेकिन अशांत और तनावग्रस्त युद्ध जर्जर मध्यपूर्व में 16 जुलाई को सीरिया की राजधानी दमिश्क पर इस्रायली धावे के साथ ही युद्ध का एक नया मोर्चा खुल गया है। इस्रायल के रक्षा मंत्री यिस्राइल काट्ज ने मंगलवार को दमिश्क में इस्रायल की बमबारी को महज चेतावनी निरूपित करते हुए कहा कि अब सीरिया पर दर्दनाक हमलों का दौर शुरू होगा। काट्ज के कथन से स्पष्ट है कि सीरिया अब इस्रायल के आक्रमण की ज़द में है। यह पहला मौका नहीं है, जब इस्रायली विमानों ने दमिश्क पर बम बरसायें हैं। इस्रायल के बम वर्षकों ने गत वर्ष मई में राजधानी में बम गिराये थे, लेकिन 15 और 16 जुलाई को उसकी बमबारी कहीं अधिक सटीक और घातक थी। 15 जुलाई को इस्रायली विमानों ने तटीय सुवैदा प्रांत में सीरिया के सैनिक बलों और वाहनों का निशाना बनाया और 16 जुलाई को अपने दुस्साहसिक अभियान में उसने सीरिया के रक्षा मंत्रालय और फौजी मुख्यालय पर बमबारी कर उन्हें तबाह कर दिया। इस्रायल ने यहीं बस नहीं किया, बल्कि हमले और होंगे का ऐलान कर सीरिया की तकरीबन एक छमाही पहले सत्ता में आई इस्लामी हुकूमत को सांसत में डाल दिया। सीरिया के लिये यह धावा और ज्यादा मुसीबतजदा इस नाते है कि वह बीते करीब एक दशक से गृह युद्ध की विभीषिका में झुलस रहा है। गत वर्ष दिसंबर में उसे असद के लंबे शासन से बमुश्किल मुक्ति मिली और पूर्व जेहादी अहमद-अल-शारा के नेतृत्व में इस्लामी हुकूमत अस्तित्व में आई। फिलवक्त शारा की फौजू समूचे सीरिया में अपना प्रमुख और नियंत्रण स्थापित करने के फेर में है और उन्हें कुछ भागों में प्रतिरोध और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि असद को रूस का खुला समर्थन और सहायता प्राप्त थी और उसी के बूते वह करीब एक दहाई अपनी सत्ता बनाये रखने में कामयाब रहे। सीरिया में संकट का एक बड़ा सबब अल्पसंख्यक समुदाय भी हैं। देश में अमन-चैन के मकसद से ही अहमद-अल-शारा ने सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की कसम खाई, लेकिन इससे बात बनती

नज़र नहीं आई। देश के दक्षिणी सूबे में सुवैदा में जहां द्रूज मिलीशिया और सरकारी सैनिकों में झड़पे लगातार जारी हैं, वहीं इस्रायल ने ताजा बमबारी की वजह भी द्रूजों को सुरक्षा मुहैया करना बताया है।

कौन हैं ये द्रूज? करीब पांच वर्ष पूर्व अपने इस्रायल प्रवास के दरम्यान मैंने अपनी मेजबान डच मूल की यहूदी रूथ डी जोंग के जरिये द्रूजों के बारे में जाना। उनके दूरस्थ पहाड़ी कस्बे में कुछ द्रूज परिवार भी रहते थे। द्रूज वस्तुतः मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है, जो अपनी विशिष्ट धार्मिक परम्पराओं का पालन करता है। द्रूज इस्रायल, सीरिया और लेबनान में बसे हुये हैं। इस्रायल में यहूदी शासन से इनके रिश्ते सौहार्द्रपूर्ण हैं और अनेक द्रूज इस्रायली फौज में शरीक हैं। दस लाख से अधिक की कुल द्रूज आबादी के आधे सीरिया में रहते हैं तो लगभग 20 फीसद इस्रायल और उसके आधिपत्य की गोलन हाइटस में। सीरिया की कुल आबादी की तीन फीसद आबादी द्रूजों की है और वहां की 14 वर्षीय घरेलू उथल-पुथल में द्रूजों ने खुद को हथियारबंद किया है। और अब वे सीरियाई फौजों की पैठ और नियंत्रण का सशस्त्र विरोध कर रहे हैं। उनके इसी प्रतिरोध के चलते अहमद-अल-शारा को वहां प्रभुत्व स्थापित करने में कठिनाई का सामाना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों सीरिया की फौजी कार्रवाई में सुवैदा में 350 से अधिक लोग मारे गये हैं। गत वर्ष अप्रैल-मई में फौज और द्रूजों में पहलेपहल हिंसा भड़कने के पहले फौजों और अल्वियों में संघर्ष भड़का था और सैकड़ों मारे गये थे। गौरतलब है कि अपदस्थ राष्ट्रपति बशर-अल-असद अल्वी समुदाय से ताल्लुक रखते थे। बहरहाल, इस्रायल ने इन्हीं द्रूजों को सुरक्षा के नाम पर सीरिया पर धावा बोला है। तेल अवीव इस अभियान से अरब राष्ट्र के अल्पसंख्यक समूहों से रिश्ते गांठन/चाहता है। दूसरे वह अपनी सीमाओं की चौतरफा सुरक्षा चाहता है। दिसंबर में सीरिया के दर्जनों ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमलों के बाद उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के गश्ती दलों को धतां बताकर गोलन हाइटस की 'बफर जोन' पर भी कब्जा जमा लिया। अब वह उस सारे इलाके को विसैन्यीकृत करना चाहता है, जहां उसके खिलाफ सैनिक अड्डे पनप सकते हैं। अकेले गोलन पहाड़ियों में ही करीब 25 हजार द्रूज रहते हैं। तेल अवीव चाहता है कि दमिश्क सुवैदा से अपने फौजी वापस बुला ले, ताकि द्रूज चैन से रह सकें। इसके विपरीत शारा-हुकूमत द्रूजों के निःशस्त्रीकरण की हिमायती है। इसमें शक नहीं कि इस्रायल को अमेरिका की शह प्राप्त है। सुवैदा में द्रूजों का हिकमत अल हिजरी संगठन हथियारबंद संघर्ष का पक्षधर है। इस्रायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दफ्तर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में द्रूज बिरादरी की हिफाजत के प्रति वचनबद्धता की बात दोहिरायी गयी है। उत्तरी इस्रायल में कार्मेल और गैलिली के द्रूज युवक सन 67 से इस्रायली फौज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अरब देशों ने इस्रायली कार्रवाई की निंदा जरूर की है, किंतु आसार हैं कि द्रूजों की रक्षा के बहाने इस्रायल अपनी सीमाओं को निरापद करने की मुहिम के तहत सीरिया के खिलाफ आक्रामक सैनिक कार्रवाई जारी रखेगा।

तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है

रूस के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा- यूरोप पर बमबारी का आदेश दें पुतिन

मॉस्को। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ऐलान किया है कि तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। दिमित्री मेदवेदेव, रूस की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन हैं और पुतिन के सबसे करीबी लोगों में से एक हैं। पुतिन ने अपने दो कार्यकाल पूरे होने के बाद दिमित्री मेदवेदेव को ही रूस का राष्ट्रपति बनाया था और उन्हें पुतिन के हाथों की कठपुतली कहा जाता है। इसीलिए अगर दिमित्री मेदवेदेव ने तीसरे विश्वयुद्ध की घोषणा की है तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी-चेयरमैन मेदवेदेव ने इस बात पर नाराजगी जताई कि नाटो और पश्चिमी देश पहले से ही रूस के साथ युद्ध में हैं और प्री-एम्पटिव एप्रोच अपनाते हुए रूस को यूरोपीय देशों में पहले बमबारी शुरू कर देनी चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को 50 दिनों के अंदर यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की डेडलाइन दी है। मेदवेदेव ने अमेरिका और यूरोप पर रूस को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रूस से पश्चिमी देश घृणा करते हैं। रूस की राजनीति पर नजर रखने वाले कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि उनकी टिप्पणी मास्को के राजनीतिक वर्ग के कुछ लोगों की सोच का संकेत देती है। मेदवेदेव ने नाटो और पश्चिमी देशों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि वे रूस को नष्ट करना चाहते हैं और यह युद्ध अब प्रॉक्सी से आगे बढ़कर फुल-स्केल वॉर बन चुका है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्रतिबंधों और बयानबाजियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पश्चिमी मिसाइल, सैटेलाइट खुफिया और यूरोप के सैन्यीकरण के जरिए खुलकर युद्ध लड़ा जा रहा है। मेदवेदेव ने दावा किया कि पश्चिम देश रूस से नफरत करते हैं और इसीलिए वो रूस को खत्म करने की कोशिश कर रहा है।

लापता विमान का मलबा मिला

सिडनी (वार्ता)। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में लापता विमान का मलबा खोज लिया गया है लेकिन इसके चालक के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। अधीक्षक एंड्रयू स्पीलिएट ने बताया कि विमान पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। इस विमान को 74 वर्षीय डेविड स्टीफंस चला रहे थे। उनके अलावा इस विमान में और कोई नहीं था। सिडनी के दक्षिण में स्थित एक स्थानीय हवाई अड्डे के लिए उन्होंने उड़ान भरी थी लेकिन जब वह वहाँ नहीं पहुँचे तो खोज अभियान शुरु किया गया। इस हल्के विमान के लिए मंगल वार से खोज अभियान चल रहा था। इस एक इंजन वाले 1966 मॉडल बीच क्राफ्ट डेबनॉयर 35-सी33 विमान का मलबा एक खोजी हेलिकॉप्टर ने खोज निकाला। यह क्षेत्र पहाडों से घिरा हुआ है और माना जा रहा है कि इस दुर्घटना में चालक के जीवित बचने की संभावना नहीं है।

राजसमंद में तालाब फूटने से बड़ा हादसा, 3 बच्चों समेत 7 लोग बहे

राजसमंद

राजसमंद जिले के ओड़ा गांव (कुंभलगढ़) में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। भारी बारिश के बाद गांव में तालाब फूटने से पानी का तेज बहाव आ गया, जिसमें तीन स्कूली बच्चों सहित कुल 7 लोग बहाव में फंस गए। घटना करीब 12.30 बजे हुई। मौके पर तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

राज्य में पिछले कुछ दिनों से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को भी कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया। इसी बीच अजमेर, पुष्कर, पाली और राजसमंद में सुबह से ही मूसलधार बारिश हो रही है। अजमेर और पुष्कर में चार घंटे तक लगातार बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कोटा और जोधपुर में भी सुबह भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया और सड़कें दरिया बन गईं। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं, राजसमंद के कुंभलगढ़ क्षेत्र में एक महिला के बरसाती नाले में बहने की खबर है। प्रशासन ने राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारीः रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक उत्तरदायित्व है। श्रीमती गुप्ता ने राष्ट्रपति एस्टेट में आज आयोजित 'वन महोत्सव 2025' के बाद कहा है कि ऐसे आयोजनों और जन-जागरुकता से ही दिल्ली सही मायनों में देश की राजधानी कहलाएगी। उन्होंने राजधानीवासियों से अपील की, कि वे अपने घरों, आस-पड़ोस, विद्यालयों, कार्यालयों और सामुदायिक स्थलों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाकर इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव 2025 के तहत दिल्ली सरकार ने इस वर्ष 70 लाख से अधिक पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने पौधारोपण करते हुए दिल्लीवासियों को यह स्पष्ट संदेश दिया कि पर्यावरण की सुरक्षा केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा, हमें इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि आज पर्यावरण के संरक्षण के लिए सभी जागरूक नागरिक एक मंच पर एकत्र हुए हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी भावनाओं से जुड़ी एक पहल है, जो न केवल हरियाली को बढ़ावा देगी, बल्कि समाज और पर्यावरण के बीच के रिश्ते को भी और अधिक सशक्त बनाएगी।

अरब देशों और तुर्की ने की सीरिया पर हमलों की निंदा

इस्तांबुल, (वार्ता)

अरब देशों और तुर्की ने शुक्रवार को सीरिया की सुरक्षा, एकता, स्थिरता और संप्रभुता के लिए अपना समर्थन दोहराया और उसके आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार कर दिया है।

उन्होंने इजरायल की ओर से बार-बार किए गए हमलों की भी निंदा की। यह बयान संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब, इराक, ओमान, कतर, कुवैत, लेबनान, मिस्र और तुर्की के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रुप से जारी किया।सऊदी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस संयुक्त बयान में मंत्रियों ने सीरिया की सुरक्षा, एकता, स्थिरता और संप्रभुता के लिए समर्थन दोहराया गया और उसके आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर दृढ़ अस्वीकृति जताई गई। इसमें कहा गया है कि वे सीरियाई अरब गणराज्य पर बार-बार होने वाले इज़रायली हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और सीरिया की संप्रभुता पर खुला हमला है।

बयान के अनुसार विदेश मंत्रियों ने पिछले दो दिनों में सीरिया की स्थिति पर गहन विचार-विमर्श किया और देश के पुनर्निर्माण के लिए सीरियाई सरकार के प्रयासों का समर्थन करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त बयान में युद्धविराम समझौते को सीरिया की एकता को बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा और कानून के शासन एवं राज्य की संप्रभुता के लिए आवश्यक बताया गया।

सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हुए, बयान में इस बात पर बल दिया गया है कि यह कदम सीरिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इसमें सीरियाई राष्ट्रपति की सुवेदा निवासियों के खिलाफ दुर्व्यवहार के जिम्मेदार सभी व्यक्तियों को जवाबदेह ठहराने की प्रतिबद्धता का स्वागत किया गया।

इन कुल 11 देशों ने हिंसा, गुटबाजी, उकसावे और घृणा भरी भाषा को खारिज करते हुए, सुवेदा सहित पूरे देश में सुरक्षा और कानून का शासन बहाल करने के सभी प्रयासों का समर्थन किया। गौरतलब है कि सीरियाई सेना और गृह मंत्रालय ने हाल ही में सुवेदा शहर को अवैध सशस्त्र गुटों से मुक्त कराने के लिए वहां सेना तैनात की थी। इज़रायली सरकार ने सीरियाई बलों की इस कार्रवाई के जवाब में उनके खिलाफ तत्काल फौजी हमले का आदेश दिया। इज़रायल ने कहा कि उसने सीरिया के द्रूज़ समुदाय के प्रति अपनी चिंता के कारण यह कदम उठाया।

दिल्ली पुलिस आयुक्त को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

नयी दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली के द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन में पुलिस द्वारा कथित शारीरिक प्रताड़ना के बाद एक व्यक्ति के आत्महत्या करने की खबरों पर पुलिस आयुक्त को नोटिस भेज कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने इस प्रणरण पर एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि आत्महत्या की यह घटना 11 जुलाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, एक महिला सुपरवाइजर द्वारा उस व्यक्ति के विरुद्ध चोरी की शिकायत के संबंध में उसे पूछताछ के लिए 10 जुलाई को पुलिस हिरासत में लिया गया था । पीड़ित दिल्ली के नांगली विहार इलाके का रहने वाला था और आईपी यूनिवर्सिटी में संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत था।

यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों को दी मंजूरी

ब्रसेल्स (वार्ता)

यूरोपीय संघ(ईयू) ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नये प्रतिबंधों वाले '18वें प्रतिबंध पैकेज' को मंजूरी दी है। इसमें रूस के बैंकिंग, ऊर्जा, सैन्य-औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा तेल और पाइपलाइन उद्योग को और अधिक चोट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा इन प्रतिबंधों का स्वागत कीजिए। ये प्रतिबंध अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंधों के पैकेजों में से एक हैं। प्रत्येक प्रतिबंध रूस की युद्ध करने की क्षमता को कमजोर करता है। यूरोप यूक्रेन के समर्थन में पीछे नहीं हटेगा और रूस के खिलाफ हमारे 18वें प्रतिबंध पैकेज पर समझौते का स्वागत करती हूं। हम रूस के अहम सेक्टरों को निशाना बना रहे हैं। बैंकिंग, ऊर्जा और सैन्य-औद्योगिक क्षेत्रों को लक्ष्य बनाने के अलावा तेल मूल्य सीमा भी इसमें शामिल है। है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन जब तक इस युद्ध को समाप्त नहीं करते तब तक ये प्रतिबंध जारी रहेंगे। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने एक्स पर कहा हम लागत बढ़ाते रहेंगे ताकि रूस के लिए इस आक्रमण को रोकना एकमात्र विकल्प बन जाए। इस प्रतिबंध पैकेज में रूस के नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइनों से संबंधित लेनदेन पर प्रतिबंध और रूस के वित्तीय क्षेत्र पर अतिरिक्त रोक भी शामिल हैं। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ 2027 के अंत तक रूसी आयात पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त करने का प्रयास कर रहा है1 फ्रांस ने इन पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर लगाए गए यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंध अभूतपूर्व हैं और उसे युद्धविराम के लिए मजबूर करेंगे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं मनीषा ने सुनाई कैंसर के दिनों की कहानी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कैंसर से जंग जीत चुकी मनीषा कोइराला ने हाल ही में लंदन में एक खास कार्यक्रम में अपने बारे में बहुत खास बातें बताई हैं। %हियर एंड नाउ 365 की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मनीषा ने बताया कि जब उन्हें कैंसर हुआ था, तब वह कैसा महसूस कर रही थीं?

मनीषा कोइराला को साल 2012 में अंडाशयी कैंसर का पता चला था। उन्होंने उस क्षण को याद किया, जब उन्होंने पहली बार यह खबर सुनी थी। उन्होंने कहा %जब डॉक्टर ने मुझे बताया कि मुझे कैंसर है, तो मैंने सोचा, बस हो गया। मैं मर जाऊंगी। लेकिन ईश्वर की कृपा से, मैं नहीं मरी। मैंने फिर से जीना सीख लिया।% कैंसर होने के बाद उन्होंने जो जिंदगी जी उसके बारे में बताते हुए मनीषा ने कहा %लचीलापन कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। यह पल-पल लिए गए छोटे-छोटे फैसलों की एक श्रृंखला है।% कोइराला हियर एंड नाउ 365 के संस्थापक मनीष तिवारी के साथ बातचीत कर रही थीं।

मनीषा कोइराला को हाल ही में ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह उनकी दृढ़ता, जीवन के अनुभवों और समाज में उनके योगदान के लिए एक सम्मान है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्नातक समारोह का एक भावुक वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा %आज मुझे ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली। मैं यहां एक ऐसे व्यक्ति के रूप में नहीं खड़ी हूं जो शिक्षा के पारंपरिक मार्ग से आया है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में खड़ी हूं जिसने कड़ी मेहनत, असफलता, दृढ़ता और सेवा के माध्यम से सीखा है।

12 जून को हुए प्लेन क्रैश ने ताजा किए चक दे इंडिया

पुराने घाव, 25 साल पहले हुआ था पति संग बड़ा हादसा

गर्ल के चक दे इंडिया, मिसमैच जैसे नेटफ्लिक्स शोज से दर्शकों का दिल जीतने वाली विद्या मालवडे ने फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले ही शादी कर ली थी। 1997 में शादी के बंधन में बंधी विद्या ने अपने पहले पति को एक बड़े हादसे में खो दिया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपने एक्स हसबैंड को याद करते हुए बताया कि वह उन्हें कभी भी नहीं भूल सकती। इसके साथ ही 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे का भी एक्ट्रेस ने जिक्र किया। कौन थे %चक दे इंडिया% की विद्या के पूर्व पति, जिन्होंने प्लेन क्रैश में गंवाई थी जान और एक्ट्रेस ने अपना दर्द बयां करते हुए क्या लिखा, विद्या मालवडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पूर्व पति को याद करते हुए लिखा, 25 साल हो गए, मैंने तुम्हारी आंखों में नहीं देखा, तुम्हारे चेहरे को नहीं छुआ, तुम्हें पकड़ा नहीं, बड़बड़ करके तुम्हें अपनी बातों से परेशान नहीं किया। तुम्हारे साथ हंसी नहीं, तुम्हारी बाहों में सिर रखकर रोककर खुद को सुरक्षित महसूस नहीं किया। कुछ रिश्ते जाने के बाद भी बने रहते हैं। रेस्ट इन पीस माय लव। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, कुछ सवालों के जवाब जिंदगी भर नहीं मिल पाते। मैं भले ही अपनी जिंदगी किसी गिल्ट में नहीं जी रही हूं, लेकिन कभी-कभी आप उस इंसान को बहुत याद करते हैं, जो आपको बिल्कुल अलग महसूस करवाते थे। ये हादसे हमें ये समझाते हैं कि जिंदगी बहुत ही इम्पोर्टेंट है। अपने करीबियों को पास में रखे। विद्या ने 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे के समय को याद करते हुए लिखा, 12 जून को हुए हादसे ने उन्हीं घाव को दोबारा ताजा कर दिया है। शायद मैं कभी-कभी चीजें भूल जाऊं, लेकिन उस हादसे की यादें आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय मुझे कैसा महसूस हुआ था मुझे ये भी याद है। उस समय मैंने खुद को सरेंडर कर दिया था और तब से ग्रेटीट्युड में जी रही हूं, जिसने मेरी बहुत मदद की है। ऐसा करने से सबसे कड़वी याद भी स्वीट बन जाता है, वह अभी भी मेरे गार्डियन एंजल हैं मेरी रोशनी हैं।

कलेक्टर ने की जिला स्वास्थ्य और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के कार्यों की समीक्षा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला स्वास्थ्य समिति और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरूवार को ली और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धियों की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती पटले ने गर्भवती माताओं के पंजीयन, मातृ मृत्यु दर, आरबीएसके कार्यक्रम, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण कार्यक्रम, पोषण पुर्नवास केन्द्र, परिवार कल्याण कार्यक्रम, एसएनसीयू, एनीमिया मुक्ति भारत, स्वस्थ्य यकृत मिशन, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, क्षय कार्यक्रम, एनसीडी, आईडीएसपी, सिकल सेल एनीमिया आदि कार्यक्रमों व गतिविधियों की समीक्षा कर मैदानी स्तर पर शतप्रतिशत कार्य किए जाने के निर्देशित किया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्याम सिंह ठाकुर, सिविल सर्जन, समस्त कार्यक्रम अधिकारी, बीएमओ, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के समस्त जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहें। बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने डॉ. अदिति धुर्वे खंड चिकित्सा अधिकारी करेली एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक करेली श्रीमती वंदना लोधी बगैर सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्र हीरापुर में लगातार अनुपस्थित पाए जाने पर सीएचओ की सेवा समाप्ति की कार्यवाही हेतु नस्ति प्रस्तुत करने के लिए तथा शहरी क्षेत्र नरसिंहपुर में गर्भवती माताओं के पंजीयन कार्य कम पाये पर संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी शहरी स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर द्वारा रूचि लेकर कार्य नहीं करने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए नोटिस के लिए नस्ति प्रस्तुत करने के लिए कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बैठक में गर्भवती माताओं के पंजीयन की जानकारी लेकर कहा कि जिन महिलाओं की आयु 18 वर्ष से कम एवं पति की आयु 21 वर्ष से कम पाए जाने पर बीएमओ ऐसे हितग्राही की लाईन लिस्टम तैयार कर महिला बाल विकास को भेजा जाए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रतिदिन रिपोर्ट अनमोल पोर्टल से निकालकर भेजे एवं डाटा की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जाए। प्रति सप्ताह सेक्टर बैठक में आशा एवं ए.एन.एम. की जानकारी ली जाए। अनमोल पोर्टल पर ए.एन.एम. के माध्यम से तत्काल शतप्रतिशत एण्ट्री कराई जाए, जिसकी मॉनीटरिंग स्वयं बीएमओ द्वारा की जाए। ब्लॉक स्तरीय बैठक जिले से निर्धारित कर जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा बैठक ली जाए और सघन मॉनीटरिंग की जाए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने हाई रिस्क चिन्हांकन एवं प्रबंधन का डाटा अनमोल पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं होने पर जिले की समस्त स?वास?थ?य संस्थाओं में ऑफ लाईन रजिस्टर रखने और हितग्राही को दी जाने वाली सेवाओं के प्रबंधन की रिकार्ड संधारित करने के लिए कहा। साथ आगामी टी.एल. बैठक में जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने मातृ मृत्यु दर की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि समस्त हाई रिस्क महिलाओं की लाईन लिस्ट तैयार कर ब्लॉक स्तर से दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की सघन मॉनीटरिंग की जाए। इस कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित आशा कार्यकर्ता की प्रोत्साहन राशि में कटौत्री की जाए। समस्त आशा कार्यकर्ताओं द्वारा एलएमपी रजिस्टर संधारण कर गर्भवती माताओं के लगातार घर- घर जाकर की जा रही विजिट की सघन मॉनीटरिंग की जाए। जो आशा कार्यकर्ता इस कार्य में रूचि लेकर कार्य नहीं करती पाई जाती हैं, तो कार्य में सुधार के लिए नोटिस जारी करने और कार्य में सुधार नहीं होने पर सेवा से पृथक करने की कार्यवाही की जाए। ब्लॉक स्तर पर बीएमओ द्वारा आशा कार्यकर्ता द्वारा किए जा रहे कार्य व विजिट की मॉनीटरिंग करे और आशा डायरी बीएमओ द्वारा स्वयं चेक की जाए। आरबीएमके कार्यक्रम के अंतर्गत जिन ब्लॉक में 2 टीम होने और जिन ब्लॉक में एक ही टीम है, उन ब्लॉक में कार्य कराए जाने की कार्यवाही की जाए। दस्तक अभियान की समीक्षा कर शतप्रतिशत पोर्टल पर डिजीटाईजेशन कर मैदानी स्तर पर शतप्रतिशत कार्य कराया जाए।

धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़भाड़

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। सावन माह में जिले में विविध कार्यक्रम हो रहे हैं। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़भाड़ बनी हुई है। भगवान की शिव की आराधना लोग में लीन है। इसी क्रम में शिव बापूधाम में सावन माह में प्रतिदिन भगवान श्री शिव का अभिषेक पूजन हो रहा है। साथ ही यहां पर 17 जुलाई से 108 अखंड रामायण पाठ का आयोजन प्रारंभ हो गया है। इसके अलावा यहां पर सुबह से लेकर देर शाम तक विविध कार्यक्रम हो रही हैं। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। जरूरतमंदों के लिए भंडारा भी चल रहा है।

जिले में अब तक 626.4 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 18 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 626.4 मिमी अर्थात 24.66 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 18 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 4.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 2 मिमी, गाडरवारा में 6 मिमी, गोटेगांव में 2 मिमी, करेली में 4 मिमी और तेंदूखेड़ा में 10 मिमी वर्षा आंकी गई है। 18 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 647 मिमी, गाडरवारा में 703, गोटेगांव में 580 मिमी, करेली में 566 मिमी और तेंदूखेड़ा में 636 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 207.80 मिमी अर्थात 8.18 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 180 मिमी, गाडरवारा में 258 मिमी, गोटेगांव में 260 मिमी, करेली में 132 और तेन्दूखेड़ा में 209 मिमी वर्षा हुई थी।

राजस्व न्यायालय में आने वाले प्रकरणों का निपटारा समय सीमा में करें

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्व विभाग का अमला न्यायालय में आने वाले समस्त प्रकरणों को पंजीबद्ध कर निराकरण करें। जिससे राजस्व प्रकरणों का निपटारा त्रुटिपूर्वक समय में पूर्ण हो सके। आयोजित बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, एसडीएम नरसिंहपुर, एसडीएम गोटेगांव, एसडीएम गाडरवारा, एसडीएम तेंदूखेड़ा सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि राजस्व अधिकारी न्यायालय में आने वाले समस्त प्रकरणों को दर्ज कर उनकी सुनवाई करें। रिकॉर्डों का दुरूस्तीकरण, नक्शा सुधार, नामांतरण जैसे अन्य प्रकरणों का समय पर निराकरण करें। उन्होंने इसके बाद चिनकी- बौरास संयुक्त बहुउद्देश्यीय परियोजना, शक्कर पेंच सिंचाई योजना, मछरेवा सिंचाई परियोजना और शेर सिंचाई परियोजना की समीक्षा की। उक्त परियोजना के संबंध में अर्जित रकबा, सुनवाई, लंबित प्रकरण और आवार्ड पारित प्रकरणों का निपटारा समय पर करने को कहा। इसी प्रकार बैठक में लोक निर्माण विभाग की भौरझिर- कौठिया मार्ग, सूखा- काशीखैरी मार्ग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने इसी प्रकार से भू- अर्जन के प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। आयोजित बैठक में उन्होंने अनुभागवार सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

मुरारी साहू की मौत का जारी मृत्यु प्रमाणपत्र की क्या होगी जांच?

दुर्घटना करने वाले और अन्य लोगों की काल डिटेल्स व लोकेशन की नहीं की जांच

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। पुलिस के द्वारा की गई गोटेगांव थाना अंतर्गत नोन पिपरिया गाँव में मारपीट के चलते हुई मौत के मामले में पीड़िता माँ के द्वारा अपने बेटे की मौत की निष्पक्ष जाँच की माँग को लेकर दिए गये आवेदनों पर नरसिंहपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से पीड़ित परिवार को सूचना के अधिकार से मिली उनकी शिकायत की जांच प्रतिवेदन में कार्यालय अति0 पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर के पत्र क्रमांक/अपुअ/नरपुर/रीडर/शिका/03/2025 दिनांक 03/07/25 श्रीमति सावित्री बाई साहू पति स्व. श्री डब्बल सिंह साहू, नि. नोन पिपरिया थाना गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को उनके द्वारा दी गई शिकायत पत्र की जाँच पूर्ण होने से अवगत कराया गया है कि उनके पुत्र मृतक मुरारी साहू की हत्या के प्रकरण को पुलिस एंव डाक्टर द्वारा अपराधियों की मिलीभगत से दुर्घटना का प्रकरण बनाकर न्यायालय में प्रस्तुत करने, हत्या की शिकायत करने पर जांच अधिकारी द्वारा लीपापोती करने संबंधी प्रेषित शिकायत आवेदन संदर्भित पत्र के माध्यम से कार्यालय को प्राप्त हुआ, जिसके परिप्रेक्ष्य में जांच उपरांत कोई संज्ञेय अपराध घटित होना नहीं पाया गया, संपूर्ण शिकायत जांच दौरान संलग्न कथनों, पीएम कर्ता डॉक्टर के अभिमत एव अस्पताल तहरीर से मामला प्रथम दृष्टयता एक्सीडेंट का होना परिलक्षित होता है। अत: आपके द्वारा शिकायत पत्र के माध्यम से उल्लेखित तथ्य साक्ष्य के आभाव में अप्रमाणित पाये गये है इसकी जानकारी दी है । गौरतलब है कि मृतक मुरारी साहू की मां सावित्री बाई साहू ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में आयोजित पुलिस महानिदेशक की जनसुनवाई में आवेदन देकर गोटेगांव पुलिस द्वारा मारपीट के मामले को दुर्घटना बताकर न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किये जाने पर पुलिस अधिकारियों की जांच पर सवाल उठाकर उन पर कारवाई किये जाने की माँग की थी ।गौरतलब है कि 01 जुलाई 2024 से बीएनएस के तहत नए कानूनों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों वीडियो आदि को प्राथमिकता दिए जाने का उल्लेख किया गया है, बावजूद इसके पीड़ित परिवार द्वारा सूचना के अधिकार के तहत 10 जुलाई 2024 की रात्रि में मुरारी साहू के साथ हुई मारपीट की सूचना देने थाने पहुंचने के सीसीटीवी फुटेज मांगे गए थे । उक्त फुटेज में पीड़ित परिवार 10 जुलाई 2024 की रात करीब 9-10 बजे गोटेगांव थाने रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा था यह बात स्पष्ट होने पर भी पुलिस ने गोटेगांव में पदस्थ तत्कालीन पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच नहीं की । महत्वपूर्ण बात यह है कि मृतक मुरारी साहू के साथ हुई मारपीट और उसकी मृत्यु होने के बाद गाँव मे बिठाई गई पंचायत में इस मामले की पुलिस में शिकायत न करने के वीडियो भी सामने आए और सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिस पर जांच अधिकारियों द्वारा गंगाजली में 20 हजार रुपये की मदद करने के लिए पंचायत कर फैसला लिया गया रहा इस बात की पुष्टि की है महत्वपूर्ण यह भी है कि नोन पिपरिया गांव में किसी की मौत की गंगाजली के लिए मदद करने पंचायत बैठाई गई,किन्तु इस जांच के पूर्व एसडीओपी गोटेगांव द्वारा जो जांच की गई थी उस जांच में जिन ग्रामीणों के पुलिस ने बयान दर्ज किए उन्होंने गांव में किसी भी प्रकार की पंचायत बैठने से ही साफ इंकार अपने बयानों में किया था । उक्त प्रकरण में गौर करने वाली बात यह भी है कि विवेचना अधिकारी विश्राम धुर्वे ने मृतक मुरारी साहू को जिस एम्बुलेंस से मृत अवस्था मे गोटेगांव अस्पताल लाया गया न तो उस एम्बुलेंस के ड्राइवर के बयान दर्ज किए और न ही उक्त एम्बुलेंस कौन थी उसके नम्बर आदि का जिक्र अपनी विवेचना के दौरान किया । पुलिस की जांच व विवेचना में गोटेगांव इलाज के लिए निजी अस्पताल लाए मुरारी साहू को गम्भीर अवस्था होने के कारण जबलपुर रेफर किया गया था जिसकी रास्ते में मृत्यु हुई इसका जिक्र एम्बुलेंस में गये लोगों ने अपने बयान में किया कि जबलपुर की एक निजी अस्पताल मुरारी को डॉक्टर को दिखाया तो उसने मुरारी को मृत होना बताया था फिर मुरारी को मृत अवस्था में ही सरकारी अस्पताल गोटेगांव लाने की वजह क्या थी और किसके कहने पर मृत मुरारी को एम्बुलेंस में गोटेगांव लाकर पोस्टमार्टम करवाया गया था और इलाज कराने जो लोग उसे एम्बुलेंस में जबलपुर ले गये थे उन्होंने अपने बयान में मुरारी का जबलपुर में मृत होने का जिक्र भी किया है सूत्रों की मानें तो ग्राम पंचायत नोन पिपरिया द्वारा मुरारी साहू की मौत के बाद ग्राम पंचायत से जो मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किया गया है इसकी सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय में किसने दी यह भी महत्वपूर्ण इसलिए है कि जब मुरारी की मौत जबलपुर में इलाज कराने ले जाते समय हुई तो ग्राम पंचायत से मृत्यु प्रमाणपत्र कैसे जारी हो गया । पुलिस द्वारा की गई जांच में पुलिस अधिकारियों द्वारा आवेदकों के बयान में विरोधाभास होने का हवाला दिया है किंतु जिन के खिलाफ मारपीट की शिकायत की गई थी उनके बयानों में विरोधाभास को पुलिस ने जांच में ही नहीं लिया और तो और भारतीय तेलिक साहू राठौर महासभा,मध्यप्रदेश ने पुलिस अधीक्षक, नरसिंहपुर को दिए गये अपने ज्ञापन में मोटरसाइकिल से दुर्घटना करने वाले आरोपी सहित मुरारी साहू के साथ विवाद कर मारपीट

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में गाडरवारा नगर पालिका संभाग एवं जिले में प्रथम

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद गाडरवारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणाम में जबलपुर संभाग एवं नरसिंहपुर जिले में सभी नगर पालिकाओं 20000 से 50000 की कैटेगरी के बीच की नगर पालिकाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं ओडीएफ़ स्टार रेटिंग-1 प्राप्त किया है। गाडरवारा शहर के लिये यह विषेष उपलब्धि नगर पालिका अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा, सभापति शुभम राजपूत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। जिसकी नगर में भूरि-भूरि प्रषंसा की जा रही है। नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा सर्वेक्षण 2024 की तैयारी प्रथम दिवस से ही की गई थी, निकाय द्वारा सर्वेक्षण में स्वास्थ्य शाखा के सभी सफाई मित्र सुपरवाइजर एवं स्टाफ के लिए सभी को कार्य पर लगाया गया था। स्वच्छ सर्वेक्षण के समय सिटीजन फीडबैक तथा अन्य कार्यों में लगे सभी लोगों की मेहनत से ये स्थान प्राप्त हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के नतीजे घोषित किए गए है। गाडरवारा शहर लगातार तीसरी बार नरसिंहपुर जिला एवं संभाग में सबसे साफ शहर बना है। इसे लेकर नगर में खुशी की लहर है। गाडरवारा नगर पालिका और वहां के सफाईकर्मियों ने इसके लिए काफी मेहनत की है। साथ ही नगर के आम नागरिकों ने भी स्वच्छता को लेकर जागरूकता पैदा की है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की कमान स्वच्छता प्रभारी संजय श्रीवास के हाथों में सौंपी थी। उन्होंने सभी स्वच्छता शाखा के कर्मचारियों को साथ में लेकर बहुत मेहनत की साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में लगे अजय बाल्मीकि, महेंद्र भार्गव स्वच्छता पर्यवेक्षक, अभिषेक शुक्ला, मनोज वाल्मीकि, अखिलेश वाल्मीकि, देवी राम गौहर, जगदीश वाल्मीकि, अमित वाल्मीकि, बबली वाल्मीकि, दीपक खड़ेतिया, आकाश वाल्मीकि, सुपरवाइजर एवं टेंचिंग ग्राउंड के लिए मुन्ना वाल्मिक का विशेष सहयोग रहा। अधिकारियों द्वारा बताया गया है कि आने वाले समय में नगर में नागरिकों की सुविधा के लिये पांच डीलक्स टॉयलेट बनाये जाएंगे, जिनके टेंडर जारी हो चुके हैं। नये कचरा संग्रहण वाहनों के आने से भी निकाय को फायदा होगा। नपा द्वारा बताया गया है कि माननीय राव उदय प्रताप सिंह जी मंत्री महोदय के निर्देश अनुसार शहर के बाजार क्षेत्र में यातायात आदि के सुचारू संचालन के लिये व्यवस्थित सुधार कार्य और ब्यूटीफिकेशन का कार्य किया जाएगा। जिससे की बाजार क्षेत्र स्वच्छता के साथ-साथ सुंदर दिखाई देगा। एमआरएफ सेंटर और टेंचिंग ग्राउंड में बारिश के बाद सुधार कार्य किया जाएगा।

अगली बार मध्य प्रदेश लेवल पर रैंक लाने के लाने के लिए नगर पालिका अपनी ताकत के साथ मेहनत करेगी एवं सभी नगर पालिका सफाई स्टाफ को बधाई।

- शिवाकांत मिश्रा, अध्यक्ष नपा परिषद गाडरवारा

सभी नगर वासियों एवं जनप्रतिनिधियों और सभी कर्मचारियों को बधाई प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर में निकाय को फायदा मिलेगा

-वैभव देषमुख, मुख्य नपा अधिकारी

चौपाटी नरसिंहपुर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दुकानों का किया गया निरीक्षण

लगभग 65 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर मौके पर ही किया गया परीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन नरसिंहपुर सारिका दुबे ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में वर्षा ऋतु में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा चौपाटी स्थित लगभग 20 दुकानों का निरीक्षण किया। विभिन्न खाद्य पदार्थों के लगभग 65 नमूनों का मौके पर ही परीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों सारिका दुबे एवं श्रीमती कविता राठौर ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के साथ नरसिंहपुर स्थित चाट-फुल्की, मिठाईयों, डोसा सेंटर, दूध डेयरी, नास्ते आदि की लगभग 20 दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दूध, दही, पनीर, मिठाई, मसाले, दाल, मीटी चटनी, जीरा पानी, धनिया, मिर्ची, मंगौड़ी तलने में प्रयुक्त हो रहे तेल आदि के लगभग 65 नमूनों का मौके पर ही परीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सामग्री ढंककर रखने एवं स्वच्छता पूर्वक विक्रय करने आदि के निर्देश दिये।

स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर पालिका की बड़ी उपलब्धि

देश की 1585 नगर पालिकाओं में करेली का 78वां स्थान

करेली। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के परिणामों में नगर पालिका करेली ने बड़ी छलांग लगाई है। 25 हजार से 50 हजार जनसंख्या श्रेणी में करेली नगर पालिका को देशभर में 78वां स्थान प्राप्त हुआ है, जो कि पिछले वर्ष 227वां था। इसके साथ ही नगर पालिका करेली ने ओ डी एफ डबल प्लस की मान्यता लगातार तीसरे वर्ष प्राप्त की है। इसके अलावा करेली को कचरा मुक्त शहर के लिए च्च्1 स्टारज्ज की रेटिंग भी मिली है। यह उपलब्धि केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं है, बल्कि नागरिकों की भागीदारी और जागरूकता का नतीजा है। स्वच्छता केवल सरकार या सिस्टम का दायित्व नहीं, बल्कि इसमें हर नागरिक की जिम्मेदारी प्राथमिक होती है।समय-समय पर स्वच्छता जागरूकता अभियान समय-समय पर स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी, और डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली जैसे ठोस प्रयासों ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। नगर पालिका करेली और इसके नागरिक अब इस

सफलता को अगले स्तर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लक्ष्य है कि आने वाले सर्वेक्षणों में करेली नगर देश के शीर्ष शहरों में शामिल हो।

करणी सेना के साथ हुई घटना का राजपूत क्षत्रिय सभा ने विरोध कर सौंपा ज्ञापन

सर्व समाज ने कि घटना की निंदा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। राजपूत क्षत्रिय सभा के आह्वान पर शुक्रवार को सर्व समाज व करणी सेना परिवार ने पलोटन गंज शक्तिधाम परिसर में एकत्रित होकर जिला हरदा में करणी सेना के बच्चों पर पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए लाठी चार्ज की घोर निंदा की और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पलोटन गंज से जुलूस के साथ अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के नाम एसडीओपी रत्नेश मिश्रा और नगर निरीक्षक विक्रम रजक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की मांग की गई कि जिला हरदा में करणी सेना के बच्चों पर बर्बरतापूर्वक किए गए लाठी चार्ज की उच्च स्तरीय जांच की जाए।- दोषी पुलिस कर्मचारियों पर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए, गिरफ्तार किए गए करणी सेना के व्यक्तियों पर दर्ज झूठे प्रकरणों को रद्द किया जाए,भविष्य में बिना जांच किए झूठे प्रकरण पुलिस द्वारा न बनाए जाएं। राजपूत क्षत्रिय सभा अध्यक्ष अभिषेक बड़कुर ने हरदा में हुई घटना की निंदा करते हुए कहा कि सर्व समाज ने मिलकर एकता का परिचय देकर ज्ञापन प्रदर्शन में शामिल होकर अन्याय का विरोध किया और न्याय की मांग की है । ज्ञापन का वाचन करणी सेना परिवार जिला अध्यक्ष अमित राज सिंह ने ज्ञापन का वाचन किया । सर्व समाज से रत्नेश मिश्रा, युवा कौरव सभा अध्यक्ष अभिषेक कौरव , राजपूत समाज से आनंद राजपूत, करणी सेना परिवार तहसील अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह ने विरोध जताते हुए कहा कि हरदा में करणी सेना संवैधानिक तरीके से नियम के तहत प्रदर्शन कर रही थी लेकिन पुलिस को नागवारा गुजरा और उन्होंने बलपूर्वक निर्दोषों पर लाठियां बरसाकर उन्हें जेल भेज दिया । इस अन्याय पूर्ण घटना का सभी लोग विरोध करते हैं । राजपूत क्षत्रिय सभा व सर्व समाज ने बताया कि हरदा में पुलिस प्रशासन द्वारा करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर किया गया लाठी चार्ज निंदनीय है- लाठी चार्ज में मासूम बच्चों को चोटें आईं और अनेक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए है,- करणी सेना परिवार और सर्व समाज पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई की घोर निंदा करते हैं।अगर ज्ञापन पर जल्द कार्रवाई नहीं होती है तो राजपूत क्षत्रिय सभा को उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ज्ञापन देते समय राजपूत समाज के वरिष्ठ अशोक राजपूत, वीरेंद्र राजपूत, जनपद अध्यक्ष छत्रपाल सिंह राजपूत, कमल सिंह राजपूत, राष्ट्रवादी किसान आर्मी से प्रतीक शर्मा, सुनील श्रीवास्तव, कमलेश अग्रवाल, बृजमोहन कौरव, रोहित ढिमोले, आशीष राजपूत , राजपूत क्षत्रिय सभा उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह राजपूत, कृष्ण पाल सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह राजपूत, ठाकुर रणजीत सिंह राजपूत, सचिव शुभम सिंह राजपूत, अवधेश राजपूत, छोटे राजा राजपूत, नीलेश साहू सहित राजपुत समाज व सर्व समाज की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही । प्रदर्शनकारियों ने पलोटन गंज से अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तक निकाले गए जुलूस में हरदा पुलिस के विरोध में जमकर नारे बाजी कर न्याय की मांग की है । अंत मे राजपूत क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष अभिषेक बड़कुर ने सभी के प्रति आभार जताया ।

तत्कालीन जिला प्रबंधक सहित कई अधिकारियों पर दर्ज होगी एफआईआर, न्यायालय ने दिए आदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी जिले में शासकीय कस्टम मिलिंग चावल घोटाले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। फर्जी रिपोर्ट तैयार करने के मामले में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह, मुख्यालय भोपाल के गुणवत्ता नियंत्रक आर.आर. शर्मा, एल.एन. गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश जिला न्यायालय ने जारी कर दिया है। कटनी के बजरंग राइस मिल के प्रोपराइटर ईश्वर रोहरा ने बताया कि 23 मई 2022 को तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह को लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने 60 हज़ार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा था। इसके बाद, बदले की भावना से काम करते हुए संजय सिंह ने भोपाल मुख्यालय के अधिकारियों को संकेत देकर गुणवत्ता निरीक्षक आर.आर. शर्मा और एल.एन. गुप्ता को 29 मई को कटनी बुलाया। इन्हीं के निर्देश पर बजरंग

राइस मिल के चावल को रिजेक्ट करवा दिया गया, जिसके बाद मिल का शासकीय मिलिंग कार्य बंद करा दिया गया। बजरंग राइस मिल के मालिक ईश्वर रोहरा के अनुसार, पीईजी गोदाम में 3480 बोरी चावल की तीन स्टैकों की फेल रिपोर्ट बनाई गई, जबकि हकीकत में केवल दो ही स्टैक मौजूद थे। इस फर्जीवाड़े के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई, जिसके निर्देश पर दूसरी जांच टीम से चावल की दोबारा जांच कराई गई, और चावल पास पाया गया। चावल रिजेक्शन के पीछे 3480 बोरियों की फर्जी जांच रिपोर्ट आधार बनी। इस मामले को लेकर ईश्वर रोहरा ने पहले कुठला थाने और एसपी कार्यालय में आवेदन दिया, पर कार्यवाही न होने पर जबलपुर हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट के आदेश पर गृह मंत्रालय ने प्रकरण की सुनवाई कर केस दर्ज करने के आदेश दिए। अंततः माननीय जिला न्यायालय ने धारा 156 (3) के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया है।

कुठला थाने को आदेशित किया गया है कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ स्नद्धक्र दर्ज कर विधि अनुसार कार्रवाई करें। वही जब इस मामले में कटनी जिले के पुलिस अधिकारियों से बात की गई तो उनका साफ तौर पर यह कहा गया कि उनके पास किसी भी तरह कोई आदेश नहीं आया है। ओर उन्हें इस मामले में कुछ भी शिकायत आई है। इस प्रकरण ने नागरिक आपूर्ति निगम के कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और निजी प्रतिशोध से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच अब पुलिस के हाथों में है। जिले में प्रशासनिक हलकों में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

15 लीटर अवैध शराब बरामद

स्लीमनाबाद पुलिस ने की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं एसपी संतोष डेहरिया व एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखलेश दाहिया एवं उनकी टीम द्वारा ग्राम नैगवां से आरोपी अनर बाई सपेरा के कब्जे से 5 लीटर, रिंकी और प्रीति सपेरा के कब्जे से 5 लीटर एवं आरोपी पप्पी सपेरा के कब्जे से 5 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब कुल 15 लीटर कीमती 6000 की अवैध शराब रखे हुए पकड़ी गयी एवं करीब 15 किलो माहुआ लहान नष्ट किया गया। सभी के विरुद्ध पृथक पृथक विरूद्ध धारा 34, आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना लिया गया।

सवारियों से अच्छा व्यवहार करने की समझाइश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 15 जुलाई से 30 जुलाई तक अनुभाग थाना स्तर पर संचालित नशा मुक्ति अभियान के क्रम में थाना यातायात द्वारा मिशन चौक में ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। आमजन को पोस्टर वितरित किए गए एवं शहर को नशा मुक्त करने के लिए शपथ दिलाई गई। साथ ही रात्रि के समय ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों द्वारा रेलवे स्टेशन एवं अन्यंत्र कहीं भी सवारियों से अच्छा व्यवहार करने की समझाइश दी गई। इस अवसर पर यातायात प्राभारी राहुल पांडेय एवं स्टॉफ की मौजूदगी रही।

पुलिस का नशा मुक्ति अभियान, हिदायत भी दी और शपथ भी दिलाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देश के परिपालन में माधव नगर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने अपनी टीम के साथ नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया एवं थाना क्षेत्र के स्कूलों के आसपास मौजूद पान ठेले एवं टपरे वालों, तंबाकू विक्रेताओं को सख्त लहजे में बच्चों को नशे का सामान न बेचने की हिदायत दी। विदित हो कि पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे 15 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को नशे से दूर रहने एवं समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में माधव नगर पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में पूर्व में भी अभियान को सफल बनाने के लिए डीएवी एसीसी स्कूल में बच्चों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव की विस्तृत जानकारी दी गई एवं उन्हें व उनके परिजनों को नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई। जागरूकता के साथ सतर्कता बरतते हुए स्कूल स्टाफ एवं बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई एवं यह भी प्रयास किए गए की स्कूल के आस पास मौजूद ठेले पान टपरों या फिर अन्य दुकानों से बच्चों को नशे का सामान न बेचा जाए। माधव नगर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने कहा कि पुलिस मुख्यालय की मंशा के अनुरूप पुलिस अधीक्षक विश्वकर्मा के निर्देश पर अभियान चला कर जन जागरूकता फैलाने के प्रयास माधव नगर पुलिस के द्वारा किए जा रहे हैं।

माधवनगर पुलिस की गिरफ्त में नकबजन, निवार में की थी सूने घर में चोरी

जेवरातों को गलाने वाले भी बना आरोपी-दोनों आरोपीगण को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भापुसे) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटनी डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माधवनगर कार्यवाहक निरीक्षक अभिषेक चौबे के नेतृत्व में चौकी प्रभारी निवार उप निरीक्षक नेहा मौर्य को मिली सफलता घटना का विवरण-प्रार्थी धर्मराज गोस्वामी पिता स्व. परमानंद गोस्वामी उम्र 57 वर्ष निवासी ग्राम पहाडी निवार द्वारा रिपोर्ट लेख कराया कि 26 जून को दिन 10:30 बजे घर से अपने मझले भाई राम सुमिरन गोस्वामी के घर ग्राम तखला गया था घर पर बच्ची सबिता थी जो 11:30 बजे घर पर ताला लगा कर निवार स्टेशन से मेमो ट्रेन से अपनी छोटी बहन के यहाँ कटनी गई थी मैं अपने बेटे निलेश कुमार को लेकर अपने घर निवार आया तो अपने घर की बाऊन्ड्री के गेट का ताला खोल कर अन्दर गया देखा तो घर के सामने के कमरे का दरवाजा मे लगा ताला टूटा था कमरे के अन्दर गया तो पहले कमरे मे रखी अलमारी जिसमे कपडे थे बाहर फैले हुऐ थे दूसरे कमरे मे देखा तो मेरी काले रंग की पेटी का ताला टूटा था उसका सामान भी बाहर बिखरा पडा था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सोने चाँदी के जेवरात व नगदी सहित कुल

मशरुका द्वारा दिन मे घर के अन्दर घुस कर चोरी कर ले गया है, रिपोर्ट पर थाना माधवनगर में अप.क्र. 580/25 धारा 331 (3), 305 बीएनएस पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा (भापुसे) के निर्देशन में विवेचना के दौरान एफ.एस.एल. की टीम द्वारा बारीकी से निरीक्षण किया गया। एफ.एस.एल. टीम एवं सायबर सेल से भौतिक साक्ष्य एकत्रित किये गये, जिससे बाहर के व्यक्ति द्वारा घटना को घटित करना प्रकाश में आया। जिसमें अलग-अलग टीम का गठन कर आरोपियों की तलाश हेतु अलग-अलग स्थानों पर रवाना किया गया, जिसमें घटना का प्रमुख आरोपी सचिन पारधी को जिला भोपाल में गिरफ्तार किया गया। जिसने अपने साथी के साथ निवार जिला कटनी में चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी ने पूंछतांछ करने पर बताया कि चोरी किये गये सोने चाँदी के जेवरात सुनार कमल सोनी निवासी आष्टा जिला सिहोर को बेच दिया है। टीम द्वारा कमल सोनी को आष्टा जिला सिहोर से गिरफ्तार किया गया। जो बताया कि आरोपी सचिन पारधी द्वारा दिये गये चोरी के जेवरात को गला दिया हूँ। गला हुआ कुल 44 ग्राम सोना कमल सोनी निवासी आष्टा जिला सिहोर से बरामद किया गया। आरोपी कमल सोनी द्वारा साक्ष्य मिटाने एवं चोरी का सामान खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सचिन पारधी के साथ घटना घटित करने वाला एक अन्य आरोपी फरार है। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। सचिन पारधी के जिला भोपाल व अन्य स्थानों में भी नकबजनी के कई अपराध हैं। आरोपी सचिन पारधी नकबजनी के अपराध घटित करता है। आरोपी सचिन पारधी पिता खई सिंग पारधी उम्र 32 वर्ष निवासी अहसान नगर न्यू जेल मार्ग, हुजुर थाना निषादपुरा जिला भोपाल हाल पता ग्राम रूनहा थान नजीराबाद जिला भोपाल म.प्र. कमल सोनी पिता किशन लाल सोनी उम्र 60 वर्ष निवासी शास्त्री कालोनी आष्टा थाना आष्टा जिला सिहोर म.प्र. आरोपी से जप्त सामग्री:- गला हुआ सोना 44 ग्राम कीमती 4,00,000 रुपये। सराहनीय भूमिका- कार्यवाहक निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी माधवनगर, उप निरीक्षक नेहा मौर्य चौकी प्रभारी निवार, उप निरीक्षक किशोर कुमार द्विवेदी चौकी प्रभारी खितौली, उप निरीक्षक महेन्द्र जायसवाल चौकी प्रभारी खिरहनी उप निरीक्षक दिनेश करौसिया, सउनि रमाकान्त दुबे, आर 352 अरविन्द कुशवाहा, आर. सुभाष यादव व फिंगर प्रिंट प्रभारी अखिलेश प्यासी एवं सायबर सेल टीम उप निरी. रूपेन्द्र राजपूत, आर. अजय शंकर, आर. सतेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा नगद इनाम से पुरूस्कृत करने की घोषणा की गई है।

2 दिन में 3 अपहृत बालक-बालिका, गुमशुदा को किया दस्तयाब

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा अपहृत बालक/बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु सभी थाना प्रभारियों निर्देशित किया गया था जो आदेश के परिपालन में थाना रंगनाथ नगर पुलिस द्वारा 14 जुलाई को फरियादी कृष्ण कुमार सिंह पिता हदयराम सिंह उम्र 42 साल निवासी राजीव गांधी वार्ड थाना कोतवाली कटनी ने थाने में रिपोर्ट लेख कराया कि उसका 15 साल का बालक जोकि विद्यालय जाने के बाद से लापता है जिसका कोई पता नही चल रहा है जो मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी उप निरीक्षक नवीन नामदेव ने पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी नेहा पच्चीसिया के संज्ञान में मामले को लाया जो आपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस अधीक्षक कटनी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रंगनाथ नगर के द्वारा तुरंत ही टीम को शहर के विभिन्न स्थानो, एंव थाना क्षेत्र, मंदिरो, शहर के सभी स्टेशनों में पता तलाश हेतु भेजा गया एंव जरिये आरएम के सभी जगह गुमशुदा बालक के संबध में पूछताछ की गई। जोकि पुलिस की सूझबूझ से पता चला कि अपहृत बालक गलत ट्रेन में बैठकर सुल्तानपुर उ.प्र. चला गया है जिसे उसके परिजनो की मदद से सकुशल दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द किया गया।

23 मार्च को फरियादी प्रार्थिया नीतू कोल पति विकास कोल उम्र-35 वर्ष निवासी-बावली टोला दुर्गा मंदिर के पास थाना रंगनाथ नगर जिला कटनी ने थाने में रिपोर्ट लेख करायी कि उसकी 16 साल 8 माह को बालिका लापता है जो पुलिस टीम द्वारा लगातार अपहृत बालिका की तलाश की जाकर सायबर द्वारा भी जानकारी ली गई जोकि कड़ी मशक्कत के बाद सूचना प्राप्त हुई कि अपहृत बालिका सर्सवा पनाकर जिला जबलपुर में है जो टीम के द्वारा अपहृत बालिका को सर्सवा पनाकर जिला जबलपुर से दस्तयाब कर सुरक्षित परिजनो के सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार सूचनाकर्ता शबनम बेगम पति मंसूर अहमद उम्र 42 साल निवासी बरगवां चंदी की दफाई इमली का झाड के पास थाना रंगनाथनगर जिला कटनी द्वारा बालिका की गुमने की रिपोर्ट लेख कराई थी जोकि बालिका की लगातार तलाश की जाकर सायबर द्वारा भी जानकारी ली गई जोकि कड़ी मशक्कत के बाद सूचना प्राप्त हुई कि गुमशुदा बालिका छिन्दवाडा जिले में है जोकि थाना प्रभारी उप निरी. नवीन नामदेव रंगनाथ नगर के द्वारा वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराकर तुंरत ही टीम गठित कर गुमशुदा बालिका को कोतवाली क्षेत्र छिन्दवाडा से दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही के बाद परिजनो तथा स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस की तत्परता की सराहना की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नवीन नामदेव, उनि राजेश दुबे, सउनि बहादुर सिंह, प्र.आर. पवन पाठक, महिला आरक्षक रुचिका अग्रहरि व साइबर सेल से प्रआर प्रशांत विश्वकर्मा, आर अजय शंकर आदि की उपस्थिति रही।

तिलक कॉलेज में किया गया पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)। *एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय हरित कोर योजना, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पौधा रोपण किया गया। यह पौधारोपण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बाजपेई की अध्यक्षता में किया गया। इसके तहत विभिन्न फलदार प्रजातियों जैसे जामुन, अमरूद, नीम, आवलां, हर्रा आदि के पौधे लगाये गये। साथ ही प्राचार्य डॉ. एस. के बाजपेई एवं हरित कोर योजना प्रभारी प्रो. ज्योत्स्ना आठ्या ने पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई। पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. एस.के. खरे, डॉ. हेमलता गर्ग, प्रो.जी एम मुस्तफा, डॉ. रूकमणी प्रताप सिंह उपस्थित रहे।*

सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर अनिल तिवारी करेंगे दंडवत यात्रा

देवी-देवताओं और मवेशियों को सौंपेंगे ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल तिवारी ने क्षेत्र की बदहाल स्वास्थ्य, शिक्षा और आवागमन व्यवस्था के खिलाफ एक अनोखे तरीके से विरोध जताने का निर्णय लिया है। तिवारी दिनांक 21 जुलाई, सोमवार सुबह 9 बजे से ग्राम पंचायत मलघन से एक विशेष दंडवत यात्रा शुरू करेंगे, जो लगभग दो किलोमीटर तक चलेगी। यह यात्रा स्थानीय खेर माता मंदिर तक पहुंचेगी। अनिल तिवारी ने कहा, सरकार, प्रशासन और पक्ष-विपक्ष के नेताओं से अब अपेक्षा करना बेईमानी है। बच्चों की पढ़ाई, आमजन की आवाजाही और मूलभूत सुविधाओं की उपेक्षा अब सहन नहीं। इसीलिए अब मैं इन मुद्दों को लेकर खेर माता मंदिर तक दंडवत करूंगा और देवी-देवताओं व ज्ञानवान मवेशियों को ज्ञापन सौंपूंगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हमारे नेताओं को जनता की याद सिर्फ वोट मांगते समय और जाति आधारित राजनीति के समय आती है। मैं न ब्राह्मण नेता हूं, न ठाकुर, न ओबीसी नेता। मैं तो पवई के आम गरीबों की आवाज हूं, और रहूंगा। जब चुने हुए जनप्रतिनिधि नीतिगत मुद्दों से मुंह मोड़ते हैं, तो प्रशासन को क्या परवाह अनिल तिवारी ने बताया कि यह यात्रा कीचड़ और खराब रास्तों से गुजरते हुए एक प्रकार की जनजागरण और आत्मपीड़ा की प्रतीक होगी, ताकि समाज और सरकार को इन समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया जा सके।

जवाहर नवोदय विद्यालय में आनलाइन जमा होंगे आवेदन

कटनी (स्वतंत्रमत)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा में कक्षा छठवीं सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आनलाईन आवेदन पत्र भरना प्रारंभ हो गया है। विद्यालय के प्राचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ हो गया है। इसके लिए आवेदन आनलाईन किया जा सकेगा। आनलाईन आवेदन को जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। आवेदन ऑनलाईन नि:शुल्क किया जा सकता है। चयन परीक्षा हेतु आवेदन करने की पात्रता उन विद्यार्थियों को ही है जो कि कटनी जिले में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत हों एवं कटनी जिले में ही निवासी होंगे। चयन होने की स्थिति में विद्यार्थी का एवं पालक का कटनी जिले के निवास का प्रमाण जो कि भारत सरकार द्वारा अधिसूचित हैं, देना अनिवार्य होगा। जो विद्यार्थी जिस विकासखण्ड के विद्यालय में अध्ययनरत हैं उसी विकासखण्ड का उल्लेख आवेदन पत्र में करेंगे। आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी सही एवं सावधानी पूर्वक भरेंगे। विद्यालय सरकारी या मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य है। वे ही विद्यार्थी आवेदन करने हेतु पात्र हैं, जिनका जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 दोनों दिनांक सम्मिलित करते हुए के बीच हुआ हो। कक्षा छठवीं में प्रवेश से संबंधित संपूर्ण जानकारी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट पर उपलब्ध है। चयन परीक्षा 13 दिसंबर को जिले के विभिन्न विकास खण्डों के परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जावेगी।

जल भराव वाले क्षेत्रों से सर्वोच्च प्राथमिकता से पानी की निकासी : महापौर

महापौर एवं निगम पार्षदों की मौजूदगी में समीक्षा बैठक संपन्न, वर्षा जल निकासी और सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने मिले विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अतिवर्षा के दौरान नगर के जिन-जिन स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन रही है, यदि उन स्थानों पर पक्के नाले की व्यवस्था नहीं है तो अस्थाई नाली-नाले बनाकर जल निकासी कराएं। साथ ही जरूरत के मुताबिक पंप लगाकर भी वर्षा जल के निकास की व्यवस्था कराई जाए। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने यह निर्देश शुक्रवार को निगम पार्षदों की मौजूदगी में आयोजित स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से सुचारू सफाई व्यवस्था सहित जल निकासी के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी को दिए दिये। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए इसके साथ ही नगर के खुले चेंबरों में ढक्कन लगाने और जलभराव वाले स्थलों के नालों नालियों तथा सीवर लाइन की सफाई कराने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, सुरेन्द्र गुप्ता, गोविंद चावला, बीना बैनर्जी, तुलसा गुलाब बेन सहित विभिन्न वार्डों के पार्षदों एवं स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षकों की मौजूदगी रही। बैठक के प्रारंभ में महापौर सूरी नें स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में नगर को मिले उत्कृष्ट स्थान के लिए समस्त पार्षदों सहित अधिकारी कर्मचारियों एवं नागरिकों को बधाई देते हुए आगामी सर्वेक्षण में नगर को 5 स्टार रैंकिंग हेतु निगम प्रशासन का सहयोग प्रदान करने की बात कही गई। महापौर ने बैठक में उपस्थित वार्ड पार्षदों से उनके वार्डों की सुचारू सफाई व्यवस्था सहित वार्ड की बसाहटों में जहाँ-जहाँ अतिवर्षा के दौरान जल भराव की स्थिति निर्मित होने वाले स्थानों की जानकारी ली तथा समस्या के निराकरण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए। उन्होंने पार्षदों की शिकायतों एवं सुझावों पर अमल करते हुए जिन स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है उसका निराकरण कराने सहित जलभराव वाले संभावित क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट की विशेष व्यवस्था कराने के निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति न बने।

मिले महत्वपूर्ण सुझाव

बैठक के दौरान उपस्थित पार्षदों द्वारा नगर की सुखरू सफाई व्यवस्था एवं जलभराव की समस्या के निराकरण हेतु निर्माण कार्य के दौरान निकलनें वाले मलमें को सार्वजनिक स्थलों एवं नाले-नालियों पर डालने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही करने, छतों से सार्वजनिक मार्ग पर सीधे गिरने वाले वर्षा जल से सार्वजनिक मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की संभावना के चलते ऐसे भवन मालिकों को नोटिस जारी करनें, मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कराने, आवारा मवेशियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने सहित रेल्वे क्षेत्र की बस्तियों के नाले-नालियों से सुगम जल निकासी की व्यवस्था हेतु रेलवे के अधिकारियों से पत्राचार कर नालों के ऊपर का अतिक्रमण हटाने, नाले नालियों में सुरक्षा की दृष्टि से जालियां लगाने तथा अन्य महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। उक्त सुझावों पर तत्काल अमल करने हेतु महापौर द्वारा स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक समाप्ति के पूर्व महापौर, महापौर प्रीति संजीव सूरी पार्षदों से उनके वार्ड की समस्याओं हेतु व्यक्तिगत रूप से मिलकर हल करानें की बात कही जाकर बैठक में उपस्थित होनें के लिए आभार व्यक्त किया गया। वहीं पार्षदों नगर की सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था हेतु सामूहिक बैठक के नवाचार की सराहना की जाकर भविष्य में भी इसी तरह की बैठक आयोजित करने की मांग की गई।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट से रौंदा

हरारे (वार्ता)।

मैट हेनरी (तीन विकेट) के बाद डेवोन कॉन्वे (नाबाद 59) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 37 गेंदे शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हरा दिया। 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में टिम सीफर्ट (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला।

उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में टी मपोसा ने रचिन रविंद्र को आउटकर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। रचिन ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाये। इसके बाद डैरिल मिचेल 19 गेंदों में (नाबाद 26) और डेवोन कॉन्वे 40 गेंदों में (नाबाद 59) की जोड़ी ने और कोई विकेट नहीं गिरने दिया। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा और ब्लेसिंग मुजारबानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 120 रन का स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे के लिए वेस्ली मधेवेरे और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 37 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ब्रायन बेनेट (21) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये क्लाइव मडांडे ने वेस्ली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में रचिन ने उन्हें आठ रन पर स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सका। वेस्ली मधेवेरे ने जिम्बाब्वे के लिए 32 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। सिकंदर रजा और रायन बर्ल ने (12-12) रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 26 रन देकर तीन विकेट लिये। ऐडम मिल्न, मिचेल सैंटनर, माइकल ब्रेसबेल और रचिन रवींद्र ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बुमराह को अगले दो टेस्ट खेलने चाहिए : अनिल कुंबले

मैनचेस्टर (वार्ता)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सीरीज के आखिरी दो टेस्ट खेलने चाहिए।भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के लिए जैसे ही मैनचेस्टर में मैच शुरू होने वाला है, जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ अनिल कुंबले और भारत के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे ने जियोहॉटस्टार के शो, फॉलो द ब्लूज में टीम चयन पर चर्चा की और खिलाड़ियों की चोटों पर अपडेट साझा किए। जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता और मोहम्मद सिराज की फिटनेस से लेकर ऋषभ पंत की रिकवरी टाइमलाइन तक, दोनों ने टीम की मानसिकता और योजना के बारे में भी जानकारी दी क्योंकि सीरीज अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर रही है। फॉलो द ब्लूज पर बात करते हुए, अनिल कुंबले ने बाकी टेस्ट सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता के महत्व पर जोर दिया। कुंबले ने कहा, मैं निश्चित रूप से बुमराह को अगला मैच खेलने के लिए प्रोत्साहित करूंगा क्योंकि यह बेहद महत्वपूर्ण है। अगर वह नहीं खेलते हैं और भारत टेस्ट हार जाता है, तो बस, सीरीज खत्म हो जाएगी। बुमराह को बाकी दोनों टेस्ट मैचों में खेलना चाहिए। हां, उन्होंने पहले कहा था कि वह केवल तीन मैच खेलेंगे, लेकिन इसके बाद एक लंबा ब्रेक है। अगर उन्हें आराम चाहिए तो उन्हें घरेलू सीरीज का हिस्सा होने की जरूरत नहीं है। लेकिन अभी, बुमराह को अगले दो मैच खेलने चाहिए। भारत के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे ने सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों में बुमराह की उपलब्धता को लेकर टीम की निर्णय प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, हम मैनचेस्टर में बुमराह के बारे में फैसला करेंगे। हम जानते हैं कि वह आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक के लिए उपलब्ध हैं, और यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मैनचेस्टर में सीरीज दांव पर होने के कारण, हम उन्हें वहीं खिलाने के पक्ष में हैं। लेकिन फिर, हमें सभी कारकों पर विचार करना होगा, जैसे कि हमें वहां कितने दिन क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा।

खेल को नियमित जीवन का हिस्सा बनाकर पुलिसकर्मी रह सकते हैं तनाव मुक्त : शाह

नयी दिल्ली (वार्ता)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार कहा कि सभी पुलिसकर्मी खेल को नियमित जीवन का हिस्सा बना कर तनाव से मुक्त भी रह सकते हैं और कार्य की गुणवत्ता में सुधार भी ला सकते हैं श्री शाह ने आज यहां '21वें विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल-2025' में 613 पदक विजेताओं और भारतीय दल के लिए आयोजित अभिनन्दन समारोह सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गुजरात में वर्ष 2029 में आयोजित होने वाले 'विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल' में अर्जुन की तरह ही एक लक्ष्य साधकर हर खिलाड़ी पदक जीतने के लिए आगे बढ़े 2036 के ओलंपिक की पदक तालिका में भारत शीर्ष पांच में होगा। खेल के मैदान से ही हार को स्वीकार करने की आदत और जीत को पाने का जुनून विकसित होता है। सभी पुलिसकर्मी खेल को नियमित जीवन का हिस्सा बना कर तनाव से मुक्त भी रह सकते हैं और कार्य की गुणवत्ता में सुधार भी ला सकते हैं

सीमा सुरक्षा बल के उत्कृष्ट खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित हुआ समारोह

नयी दिल्ली, (वार्ता)। सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बेजोड़ प्रदर्शन कर बल और देश के लिए पदक बटोरने वाले खिलाड़ियों के सम्मान में आज एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने हाल ही में आयोजित विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों, अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता और विश्व वुशु चैंपियनशिप सहित विभिन्न अंतर्राष्टीय और राष्टीय खेल आयोजनों में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं।

विंबलडन 2025 जीतकर इगा स्वियाटेक ने हासिल कीं कई अविश्वसनीय उपलब्धियां

वारसॉ (वार्ता)। पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने विंबलडन का खिताब जीतकर कई अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इगा स्वियाटेक ने इस साल ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विम्बलडन खिताब जीता और इस दौरान कई तरह उपलब्धियां हासिल की। इगा स्वियाटेक तीनों सतहों 'क्ले, हार्ड और ग्रास' पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला हैं। उन्होंने 2020, 2022, 2023 और 2024 में रौलां गैरो में क्ले कोर्ट पर चार, 2022 में यूएस ओपन में हार्ड कोर्ट पर एक और अब 2025 में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है। 24 वर्षीय स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। सेरेना 20 साल की थीं जब उन्होंने 2002 में विंबलडन (ग्रास कोर्ट पर) में अपना सरफेस स्लैम पूरा किया था। इससे पहले उन्होंने 1999 में यूएस ओपन (हार्ड कोर्ट पर) और 2002 में रौलां गैरो (क्ले कोर्ट पर) जीता था। वह तीन अलग-अलग तरह के टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई हैं।अब उनके पास इस सदी में किसी महिला टेनिस खिलाड़ी द्वारा जीते गए चौथे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने मारिया शारापोवा, जिन्होंने पांच ग्रैंड स्लैम जीते थे, को पीछे छोड़ा है। वह अब केवल सेरेना (जिन्होंने इस सदी में अपने 23 में से 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं), वीनस विलियम्स (जिन्होंने सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) और जस्टिन हेनिन (जिन्होंने भी सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) से पीछे हैं।

2018 में जूनियर वर्ग जीतने के बाद, इगा ओपन एरा में विंबलडन में लड़कियों और महिलाओं दोनों का खिताब जीतने वाली केवल चौथी महिला हैं। वह मार्टिना हिंगिस (1994 और 1997), एमिली मौरेस्मो (1996 और 2006) और एश्ले बार्टी (2011 और 2021) के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गईं। वह पिछले चार वर्षों से, 2022 से 2025 तक, हर साल कम से कम एक खिताब जीत रही हैं और ऐसा करने वाली एकमात्र महिला हैं।

लगातार चार वर्षों से खिताबी मुकाबला जीतने वाली एकमात्र अन्य सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका हैं, जिन्होंने 2018 (यूएस ओपन), 2019 (ऑस्ट्रेलियन ओपन), 2020 (यूएस ओपन) और 2021 (ऑस्ट्रेलियन ओपन) में जीत हासिल की है। इगा स्वियाटेक ओपन एरा में विंबलडन जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी हैं, चाहे वह पुरुष हो या महिला। एग्निस्ज्का रदवांस्का 2012 में ऐसा करने के करीब पहुंची थीं, जब वह फाइनल में पहुंचने से पहले तीन सेटों में सेरेना से मुकाबला हार गई थी।

भारत को बेल्जियम के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा

एंटवर्पेन, (वार्ता)।

भारत ए पुरुष हॉकी टीम को बेल्जियम के स्पोर्टसेंट्रम विल्रिजसेप्लेन में अपने यूरोपीय दौरे में बेल्जियम के खिलाफ 1-3 से दुर्भाग्यपूर्ण हार का सामना करना पड़ा। कप्तान संजय ने अपनी टीम का नेतृत्व किया और भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल किया। बेल्जियम ने पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दागकर मैच में शुरुआती बढ़त बना ली। भारत ने दबाव बनाए रखा, गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखा और बाकी तीन क्वार्टर में आक्रमण में अच्छे मौके बनाए, जिससे वे गुरुवार को मैच के अंतिम क्वार्टर में गोल करने में सफल रहे। मैच के बाद भारत ए के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, खराब शुरुआत के बावजूद, कुल मिलाकर मैच बहुत अच्छा रहा। हमने शुरुआत में गोल खाए, लेकिन दूसरे हाफ में वापसी करते हुए मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। गेंद की पोजिशनिंग अच्छी थी और हमने कई मौके बनाए, बस हमें अपनी फिनिशिंग पर ध्यान देने की जरूरत है। शिवेंद्र ने आगे कहा, इन युवा खिलाड़ियों पर बहुत दबाव है क्योंकि उनका सामना दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों और खिलाड़ियों से है। इसके बावजूद, खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं और मैदान पर प्रभावशाली रहे हैं। यह दौरा इन युवाओं को विकसित करने और उन्हें अपनी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए है। अब हमारा सामना दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड से है और इस तरह के अनुभव इन खिलाड़ियों के करियर में बहुत काम आएंगे।

न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स जिम्बाब्वे दौरे से बाहर

हरारे, (वार्ता)।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) फाइनल में अपनी दाहिनी कमर में चोट खा बैठे।

जिम्बाब्वे पहुंचने पर फिलिप्स की जांच की गई और धीरे-धीरे यह तय हुआ कि उन्हें पुनर्वास के लिए कुछ हफ्तों की जरूरत होगी। टिम रॉबिन्सन, जो पहले से ही उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जो एमएलसी फाइनल के लिए कवर के तौर पर टीम में शामिल हुए थे, टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के बाकी मैचों के लिए टीम के साथ बने रहेंगे। माइकल ब्रेसवेल, फिलिप्स, मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ी एमएलसी फाइनल में खेल रहे थे, इसलिए कई खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया था। फिलिप्स टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे, और आईसीसी की एक खबर के अनुसार, टीम में उनके प्रतिस्थापन की घोषणा समय आने पर की जाएगी। ब्लैक कैप्स के मुख्य कोच रॉब वाल्टर्स ने फिलिप्स के लिए संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ग्लेन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को खोना निश्चित रूप से निराशाजनक है। फिन (एलन) की तरह, हमें ग्लेन के लिए बहुत दुख है और यह कि वह इस सीरीज से बाहर हो गए। वाल्टर्स ने कहा, हम जानते हैं कि वह ब्लैक कैप्स के लिए मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक थे, लेकिन दुर्भाग्य से, वह इस सीरीज में ऐसा नहीं कर पाएंगे। हम जानते हैं कि वह मैदान पर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, और मैं उस समय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं जब ऐसा होगा।

चावल-गेहूं नरम, दालों में मिलाजुला रुख, तेल सस्ते

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल और गेहूं के भाव गिर गये। गुड़-चीनी और अधिकतर खाद्य तेलों में भी नरमी रही। दालों दालों में मिला जुला रुख देखा गया। विदेशों में खाद्य तेलों में तेजी रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया में पाम ऑयल में जबरदस्त तेजी रही। अक्टूबर का वायदा 106 रिंगिट चढ़कर 4,316 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका में सोया तेल का दिसंबर वायदा भी 0.69 प्रतिशत की बढ़त में 56.54 डॉलर बोला गया। घरेलू थोक बाजारों में माँग कमजोर रहने से अनाजों में चावल की औसत कीमत 22 रुपये गिरकर 3,817 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं करीब तीन रुपये टूटकर 2,812 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी पांच रुपये सस्ता होकर औसतन 3,280 रुपये के भाव रहा। अधिकतर खाद्य तेलों में नरमी रही। हालांकि सरसों तेल 87 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। मूंगफली तेल 60 रुपये की गिरावट के साथ बंद हुआ। सोया तेल भी दो रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ। वनस्पति 28 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल में 20 रुपये की गिरावट रही। पाम ऑयल भी 20 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा। दलहन बाजार में चना दाल छह रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, उठाव बढ़ने से तुअर दाल 12 रुपये से ज्यादा महंगी हो गयी। उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि मसूर दाल में 16 रुपये की नरमी रही। वहीं, दाल मूंग में भी नौ रुपये से अधिक की तेजी दर्ज की गयी। बाजार में गुड़ के औसत भाव 10 रुपये से ज्यादा टूट गये।

एसबीआई को ग्लोबल फाइनेंस ने चुना दुनिया का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक

मुंबई (वार्ता)। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने साल 2025 के लिए दुनिया का सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक चुना है। बैंक ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। एसबीआई के चेयरमैन सी.एस. सेट्टी इस साल 18 अक्टूबर को आईएमएफ/विश्व बैंक की वार्षिक बैठक के दौरान एक कार्यक्रम में यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे। श्री सेट्टी ने इस उपलब्धि के लिए बैंक के ग्राहकों, समर्पित कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को धन्यवाद दिया जिन्होंने बैंक पर भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा कि एसबीआई की विकास रणनीति में ग्राहक अनुभव केंद्रीय बिंदु है। बैंक में खाता खोलना आसान हो गया है, क्षेत्रीय भाषाओं में वॉयस बैंकिंग की सुविधा दी जा रही है और डिजिटल सहायता चौबीसों घंटे उपलब्ध कराई जा रही है।

दिल्ली हवाई अड्डे को मिला आईजीबीसी का नेट जीरो वेस्ट प्रमाणन

नयी दिल्ली (वार्ता)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) ने नेट जीरो वेस्ट टू लैंडफिल प्लैटिनम प्रमाणन दिया है। हवाई अड्डे का प्रबंधन करने वाली कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट परिचालन चरण के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाला देश का पहला हवाई अड्डा बन गया है। उसके तीनों टर्मिनलों को यह प्रमाणन मिला है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईजीबीसी द्वारा दिया गया यह प्रमाणन स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन में दिल्ली हवाई अड्डे के नेतृत्व का प्रमाण है और पर्यावरण संरक्षण और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति इसकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी ने बताया कि वेस्ट की मात्रा को कम करके, यथा संभव पुनर्चक्रण और खाद निर्माण करके उसने 95 प्रतिशत म्युनिसिपल वेस्ट को लैंडफिल डंपिंग से अलग करने में सफलता प्राप्त की है। डायल के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा, 'दिल्ली हवाई अड्डा हरित ऊर्जा और उत्सर्जन में कमी से लेकर समावेशी सामुदायिक विकास तक अपने सभी परिचालनों में ईएसजी (पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक) सिद्धांतों को समग्र रूप से अपनाता है। यह मान्यता केवल एक प्रमाणन नहीं, भविष्य के लिए तैयार, जलवायु-अनुकूल हवाई अड्डा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए डायल की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

रुपया लगातार तीसरे दिन कमजोर

मुंबई, (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी के कारण रुपया शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन कमजोर हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के टूटने से भारतीय मुद्रा में आज सुबह के कारोबार में तेजी रही। रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ 85.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 85.9750 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। घरेलू स्तर पर हालांकि शेयर बाजार में जारी गिरावट

और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से यह कमजोर हुआ। बीच कारोबार में 86.23 रुपये प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर को छूने के बाद यह 7.50 पैसे नीचे 86.1650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष अनुसंधान विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने बताया कि हाल के दिनों में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से रुपये पर दबाव है। साथ ही, पूँजी बाजार में कमजोर निवेश धारणा का असर भी देखा जा रहा है। डॉलर सूचकांक में हालांकि नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही है। उनका मानना है कि फिलहाल रुपये का दायरा बदलकार 85.80 से 86.45 रुपये प्रति डॉलर हो गया है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में गिरावट

प्रमुख सूचकांक एक माह के निचले स्तर पर

मुंबई, (वार्ता)।

अमेरिका में फेडरल रिजर्व की नीतियों और ट्रंप प्रशासन की आयात शुल्क संबंधी घोषणाओं को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन बिकवाली हावी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 0.57 प्रतिशत लुढ़ककर एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुये। मुनाफावसूली के कारण बाजार में आज शुरू से ही गिरावट देखी गई। सेंसेक्स करीब 66 अंक की गिरावट में 82,259.24 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 82,334.75 अंक को छूने के बाद लगातार लाल निशान में रहा। एक समय यह गिर कर 81,608.13 अंक तक चला गया था। अंत में कल के मुकाबले 501.51 अंक की गिरावट के साथ 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 का ग्राफ भी सेंसेक्स जैसा ही रहा। यह 143.05 अंक टूटकर 24,96840 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों का यह 19 जून के बाद का निचला स्तर है। निफ्टी-50 भी 23 जून बाद पहली बार 25,000 अंक से नीचे उतरा है। एनएसई में आईटी, धातु और मीडिया को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। आईटी और धातु समूहों के साथ चुनिंदा बैंकिंग कंपनियों के शेयर भी चढ़े जिससे बाजार को समर्थन मिला। जियोजित इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर के अनुसार, निवेशक अभी सतर्कता बरत रहे हैं। वे देखना चाहते हैं कि रूस के साथ भारत के व्यापार जारी रखने पर अमेरिका किस प्रकार का टैरिफ लगाता है। विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने के बावजूद घरेलू स्तर पर ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली देखी गयी। सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 5.24 प्रतिशत लुढ़के। ज्यादा गिरावट वाली अन्य कंपनियों में बीईएल, एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल है। बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील में सबसे अधिक तेजी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार घटा

मुंबई (वार्ता)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह गिरकर 696.67 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का कुल भंडार 3.064 अरब डॉलर घटकर 696.672 अरब डॉलर रह गया। यह छह जून के बाद पाँच सप्ताह का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की मुख्य वजह विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों और स्वर्ण भंडार का कम होना रहा। आरबीआई ने बताया कि 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.477 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रह गयी। सोने के भंडार में 49.8 करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह 84.34 अरब डॉलर पर आ गया। इसी प्रकार, विशेष आहरण अधिकार 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.80 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.4 करोड़ डॉलर कम होकर 4.71 अरब डॉलर रहा। इससे पहले 04 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.48 अरब डॉलर घटकर 699.73 अरब डॉलर रह गया था। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान और स्विटजरलैंड के बाद भारत चौथे स्थान पर है।

मप्र के लिये मर्काबार्ना का समग्र मॉडल प्रेरणादायक : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया कृषि, नवाचार, लॉजिस्टिक्स और निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक अनुभवों का अवलोकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बार्सिलोना स्थित मर्काबार्ना का समग्र मॉडल मध्यप्रदेश के लिए उपयोगी हो सकता है। मध्यप्रदेश में बढ़ते कृषि उत्पादन को देखते हुए बेहतर 'पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट' और निर्यात प्रणाली की आवश्यकता है। स्पेन प्रवास के तीसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मर्काबार्ना के भ्रमण के दौरान यह बात कही। यह संस्थान 250 एकड़ में फैला हुआ यूरोप का प्रमुख फूड लॉजिस्टिक्स हब है, जहाँ उत्पादन, भंडारण, प्रोसेसिंग और वितरण की व्यवस्थाएं एकीकृत रूप से संचालित होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मध्यप्रदेश की सिर्फ उत्पादन की नहीं, बल्कि कटाई के बाद मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, भंडारण, और वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच की भी चुनौती है। इस दिशा में मर्काबार्ना का अनुभव एक मॉडल के रूप में सामने आता है, जिससे प्रेरणा लेकर प्रदेश के खाद्य उत्पादकों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकता है। मर्काबार्ना के सीईओ ने मध्यप्रदेश के प्रति रूचि जताई। मर्काबार्ना के सीईओ पाब्लो विल्लानोवा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन करते हुए कहा कि भारत और स्पेन के बीच कृषि लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग और मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग की संभावनाएं हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के प्रति विशेष रुचि और भविष्य में द्विपक्षीय ज्ञान साझेदारी पर सहमति जताई।

फार्म-टू-फोर्क जैसे मॉडल होंगे लागू-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'फार्म-टू-फोर्क' मॉडल, कोल्ड चेन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, ट्रेसेबिलिटी और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मर्काबार्ना द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे मेगा फूड पार्क, एग्रीबिजनेस क्लस्टर और ग्रामीण उद्योग केंद्रों में इन नवाचारों को समाहित किया जाएगा।

खाद्य अपशिष्ट नियंत्रण और नवाचार के क्षेत्र में भी प्रेरणा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मर्काबार्ना में संचालित फूड बैंक, जीरो वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली और फूड-टेक स्टार्टअप्स के लिए तैयार किए गए इनक्यूबेशन मॉडल का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्थाएं मध्यप्रदेश में नवाचार-आधारित कृषि नीति को मजबूती देंगी।

निर्यात और वैश्विक पहुंच के लिए ठोस रणनीति-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में गेहूं, चावल, फल, सब्जियों और प्रोसेस्ड फूड के निर्यात की असीम संभावनाएं हैं। मर्काबार्ना जैसे केंद्रों से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस को कम करते हुए अंतराष्ट्रीय गुणवत्ता के अनुरूप उत्पादों का निर्माण किया जाएगा।

निवेश और साझेदारी के लिए खुला निमंत्रण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मर्काबार्ना प्रबंधन को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'वसुधैव कुटुंबकम' के मंत्र को आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश वैश्विक साझेदारियों के लिए तैयार है। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी और तकनीकी निवेश को बढ़ावा भी दे रही है।

कृषि आधारित औद्योगिक प्रगति का नया चरण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह यात्रा कृषि आधारित विकास के एक नए चरण की भूमिका तय कर रही है। अब मध्यप्रदेश केवल उत्पादन आधारित राज्य नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत भागीदार के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नेतृत्व कृषि, नवाचार और निर्यात के समन्वय से 'एडवांटेज एमपी' के विजन को साकार कर रहा है।

पटवारी के ऑफिस से नगदी सहित दस्तावेज तक ले उड़े चोर

पथरिया। यह मामला पथरिया थाना के वार्ड नंबर 5 का है। जहां बीते 3 दिन पहले दिन मंगलवार को पटवारी अनुराग शुक्ला के ऑफिस में चोरों ने आधी रात में सेंध लगाकर 4800 रुपए और कुछ कीमती सरकारी दस्तावेज ले भागे यह सारी घटना सी सीटीवी फुटेज में कैद तो हो गई परंतु अभी तक चोरों की कोई जानकारी नहीं लगी। इसके उपरांत जैंसे ही मकान मालिक आमिर खान को इसकी सूचना मिली तो दूसरे ही दिन पथरिया पुलिस को इसकी सूचना दी पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों के खिलाफ पथरिया थाने में आवेदन तो ले लिया गया। परंतु अबतक चोरों का कोई अता पता नहीं। मकान मालिक द्वारा कहा गया चोरी किसी जान पहचान वाले ने ही की है। क्योंकि बिना जानकारी के कोई भी ऐसे घर में नहीं घुस सकता चोर कोई जानकार ही रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पेन में की निवेश शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग की नई पहल

कैटलोनिया के विदेश मंत्री जैम डच गुइलोट के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में कैटलोनिया सरकार के विदेश मंत्री श्री जैम डच गुइलोट से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान आईआईटी इंदौर और भोपाल को बार्सिलोना के विश्वविद्यालयों से जोड़ते हुए अकादमिक और शोध सहयोग को बढ़ाने की बात कही। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश विश्वस्तरीय अनुसंधान और नवाचार केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कैटलोनिया की अग्रणी कंपनियों को मध्यप्रदेश में निवेश और तकनीकी सहयोग के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने प्रदेश की नई औद्योगिक नीति, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सही समय है जब यूरोपीय कंपनियाँ मध्यप्रदेश को अपने निवेश गंतव्य के रूप में देखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एफसी बार्सिलोना फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ मिलकर खेल, नेतृत्व और जीवन कौशल पर आधारित कार्यक्रमों की साझेदारी की संभावनाएं साझा कीं। साथ ही मध्यप्रदेश के विश्व धरोहर स्थलों साँची, खजुराहो और भीमबेटका को यूरोप में प्रमोट करने के लिए संयुक्त पर्यटन अभियान पर भी सहमति बनी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी सुझाव दिया कि दोनों सरकारें प्रदर्शन कला, सिनेमा, साहित्य और संग्रहालयों के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद को और सशक्त बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मुलाकात को प्रदेश की वैश्विक रणनीति का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब निवेश, शिक्षा, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के लिए तैयार है, और स्पेन यात्रा प्रदेश के विकास में नए अध्याय जोड़ेगी।

4 बच्चों एवं 1 को बाल भिक्षावृत्ति रोकने गठित टास्क फोर्स द्वारा रेस्क्यू किया गया

दमोह। 1 जुलाई से जिले में बाल भिक्षावृत्ति रोके जाने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। उसी क्रम में बीते दिन बुधवार को बांदकपुर के शिव मंदिर के गेट पर बहुत से बच्चे भिक्षावृत्ति करते पाए गए जिनमें कुछ महिलाएं भी अपने बच्चों को साथ लेकर बाल भिक्षावृत्ति करवाती हुई मिली। जिन्हें रेस्क्यू करने का प्रयास किया गया। उनमे से बहुत से बच्चे एवं महिलाएं वहां से भाग गए कुल 4 बच्चों एवं 1 महिला को बाल भिक्षा वृत्ति रोकने गठित टास्क फोर्स द्वारा रेस्क्यू किया गयाए जिन्हें रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, बच्चों के परिजनों की पतासाजी की गयी है। उनमें से 02 बालिकाएं व 1 बालक महिला के साथ विकास खंड जबेरा अंतर्गत खमरिया बिजौरा 1 बालिका विकासखंड दमोह अंतर्गत सरिया-मड़िया ग्राम से सम्बंधित हैं। सभी के परिजनों को सूचित किया गया है। इस पूरी कार्यवाही को महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी अखलेश चौबे, बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष दीपक तिवारी सदस्य मिथलेश मिश्रा, किरण राठौर, रश्मि वर्मा, रौशनी चौरसिया, पुलिस विभाग हिंडोरिया थाना से प्रधान महिला आरक्षक सावित्री वर्मा व एक महिला होम गार्ड के द्वारा किया गया।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में पटवारी लापरवाही न बरतें : एसडीएम

दमोह। शासन के निर्देशानुसार कृषकों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य समूचे जिले में निरंतर ही संचालित किया जा रहा है ऐसी परिप्रेक्ष्य में कृषकों की फार्मर आईडी बनाने के लिए पथरिया तहसील कार्यालय में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा एसडीएम निकेत चौरसिया, अधीक्षक भू अभिलेख वर्षा दुबे एवं नायब तहसीलदार दीपमाला की उपस्थिति में आयोजित की गई। इस अवसर पर एसडीएम निकेत चौरसिया ने राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही ना बरती जाए अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। वहीं अधीक्षक भू अभिलेख वर्षा दुबे ने इस दौरान फार्मर रजिस्ट्री में आ रही समस्याओं पर राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया। इसके अलावा पंजीयन में आ रही तकनीकी समस्याओं का निराकरण भी बताया गया एवं कार्य को शीघ्र ही 100 प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पीएम किसान सम्मान निधि योजना में लंबित कार्यों की भी समीक्षा की गई और उन्हें भी शीघ्र ही पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर तहसील पथरिया के राजस्व निरीक्षक और पटवारी उपस्थित रहे।

जनपद उपाध्यक्ष ने समर्थकों संग सीईओ के दफ्तर में की तोड़फोड़

हटा। पटेरा जनपद कार्यालय में गुरुवार की शाम खुलेआम जनपद उपाध्यक्ष ने तोड़फोड़ कर जमकर हंगामा किया। प्रभारी जनपद सीईओ हलदार मिश्रा ने जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल पर गालीगलौज कर तोड़फोड़ कर दादागिरी करने का आरोप लगाया है। सीईओ मिश्रा के अनुसार वह शाम 5 बजे तक कार्यालय में थे। 6:30 बजे दमोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए गए। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि उपाध्यक्ष राजेश पटेल करीब एक दर्जन समर्थकों के साथ कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने टेबल, कुर्सी, दरवाजे, नेमप्लेट, शिकायत पेटी, बोर्ड और कांच तोड़ दिए। साथ ही कार्यालय में रखा रिकार्ड फाइल एव बैटरी सहित अन्य सामग्री उठाकर ले गए। इस दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से गाली गलौज भी की गई है। शुक्रवार को मामले की सूचना पटेरा थाना प्रभारी को दी। मौके पर पहुंची थाना प्रभारी सरोज ठाकुर ने सीईओ के चेंबर का जायजा लिया। वहीं मामले में पटेरा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार प्रभारी सीईओ हलधर मिश्रा ने जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल और उनके लिए समर्पित ठेकेदारों के पेमेंट पर रोक लगा दी है। जिससे नाराज होकर गुरुवार की शाम सीईओ के कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ कर जमकर उत्पात मचाया। वहीं अधिकारी कर्मचारियों ने एकजुट होकर पटेरा थाना पहुंचकर एक शिकायती आवेदन दिया। जिस पर थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर ने बताया कि जनपद पटेरा में पदस्थ पंचायत इंस्पेक्टर अंगद सिंह द्वारा एक शिकायती आवेदन दिया था। मामले में मौके पर जाकर निरीक्षण भी किया गया है। जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल, जुगल एव अन्य लोगों के साथ मिलकर जनपद कार्यालय में पहुंचकर पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बद्री पटेल प्रभारी सीईओ हलधर मिश्रा सहित कर्मचारियों को गाली गलौज करते इसके बाद कार्यालय में जाकर तोड़फोड़ की। वहीं अंगद सिंह आलोक गर्ग विपिन एव अन्य कमर्चारी कार्यालय में बैठे हुए थे जो शासकीय कार्य कर रहे थे। उसमें उन्होंने बाधा डाली एव कार्यालय में रखी बैटरी सहित फाइल रिकार्ड उठाकर भी ले गए। इससे सिद्ध होता है कि घटना तो हुई है। भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023 की धारा 191 (2) 190, 132, 324 (4) 296, 351 (2) सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984, 3, 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किये हैं। तोड़फोड़ के घटनाक्रम से जनपद कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों में भय का माहौल देखा जा रहा है। वहीं मामले के तूल पकड़ते ही पटेरा जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि मेरी जनपद में मनरेगा की राशि करीब दो से ढाई करोड़ रुपए प्रभारी सीईओ ने अपने चहेते ठेकेदारो से 12 परसेंट कमीशन लेकर उन्हें जारी की गई है। जिसकी जांच कराई जाए एव मेरे ऊपर जो आरोप लग रहे हैं वह निराधार है। उन्होंने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि शाम 6:30 बजे कार्यालय बंद रहता है। आपको बता दे कि इस पूरे विवाद की जड़ सीईओ के पद का चार्ज है। पहले यह प्रभार आरईएस एसडीओ अनुग्रह सिंह के पास था। उपाध्यक्ष कुर्मी, आरईएस ई मनोज गुप्ता को यह जिम्मेदारी दिलाना चाहते थे लेकिन जनपद अध्यक्ष और सदस्यों की सहमति से हलदार मिश्रा को प्रभार मिल गया। इससे उपाध्यक्ष नाराज थे।

उर्वरक वितरण हेतु मशीनों का हुआ वितरण

दमोह। उप संचालक कृषि ने बताया जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दमोह के सभागार में इंडियन पोटाश लिमिटेड कंपनी द्वारा उर्वरक शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया उर्वरक वितरण हेतु नए एल 1 वर्जन की पीओएस मशीनों का वितरण प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों, डबल लॉक केंद्रों एवं निजी विक्रेताओं को किया गया।

स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान के तहत पत्रकारवार्ता का आयोजन

दमोह। 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित किये जाने वाले स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान के संबंध में एक पत्रकारवार्ता का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विक्रांत चौहान ने जिले के पत्रकारगणों को अभियान दौरान की जाने वाली विविध गतिविधियों विशेषकर समुदाय में डायरिया, गंभीर कुपोषण एवं निमोनिया जैसे जानलेवा रोगों की रोकथाम के संबंध में उठाये जा रहे स्वास्थ्य विभाग के कदमों की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. चौहान ने बताया कि बाल मृत्यु दर को घटाने के लिए आंगनवाडी केन्द्रों पर विशेष स्वास्थ्य गतिविधियां की जायेंगी। 0 से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों में बाल्यकालीन बीमारियॉ विशेषकर गंभीर कुपोषण, अनीमिया, निमोनिया, दस्त रोग, निर्जलीकरण की पहचान कर समुचित उपचार सेवा और उचित प्रबंधन किया जायेगा। ऑगनवाड़ी केन्द्र में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास का मैदानी अमला, एक दल के रूप में स्वास्थ्य पोषण सेवाएं प्रदाय करेगा। बच्चों को सेहतमंद बनाये रखने के लिए आयु अनुरूप विटामिन एए आईएफए अनुपूरण भी कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों को साफ सफा हाथ धोने की विधि, दस्त से बचाव मे उपयोगी ओआरएस घोल तैयार करना एवं शिशु एवं बाल आहार पूर्ति संबंधी परामर्श एवं बच्चों में खतरे के लक्षणों के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

यह स्मार्ट सुविधा नहीं, स्मार्ट लूट है : जीतू पटवारी

उपभोक्ताओं की स्वेच्छा को दरकिनार कर थोपे जा रहे स्मार्ट मीटर

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटरों के कारण बिजली बिलों में असामान्य वृद्धि और उपभोक्ताओं पर जबरन मीटर लगाने की शिकायतों पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे आम जनता के लिए आर्थिक अन्याय करार देते हुए मध्य प्रदेश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पटवारी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ता की स्वेच्छा पर निर्भर है, लेकिन इसके बावजूद बिजली कंपनियां दबाव बनाकर और जबरन स्मार्ट मीटर लगा रही हैं। पहले जहाँ बिल 300 से 600 के बीच आते थे, अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों को 6,000 से 20,000 तक के बिल देखकर परेशान हैं। यह स्मार्ट लूट का जरिया बन गया है। उन्होंने प्रमुख समाचार चैनलों द्वारा इस मुद्दे पर की गई रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा, भारत के कई शहरों से स्मार्ट मीटरों में आग लगने या उनके फटने की खबरें सामने आई हैं। ये घटनाएँ उपभोक्ताओं के बीच डर और चिंता का कारण बन गई हैं, खासकर जब उनके बिलों में भी भारी वृद्धि हो रही हो। हाल ही में, भोपाल के कोलार क्षेत्र में एक नए लगे स्मार्ट मीटर में ब्लास्ट होने की घटना सामने आई है। इस घटना से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई।जबलपुर के एक सुपर मार्केट की इमारत में लगे कई स्मार्ट मीटरों में अचानक आग लग गई और वे पटाखों की तरह जलने लगे। लोगों का कहना था कि कुछ दिन पहले ही पुराने मीटरों की जगह नए स्मार्ट मीटर लगाए गए थे।

पटवारी ने सरकार और बिजली वितरण कंपनियों पर निशाना साधते हुए कहा, स्मार्ट मीटर का उद्देश्य उपभोक्ता सुविधा और पारदर्शिता था, लेकिन सरकार की नाकामी और बिजली कंपनियों की मनमानी ने इसे जनता के लिए, बोझ बना दिया है। मध्य प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों के नाम और उनकी कार्यप्रणाली को सार्वजनिक करना जरूरी है ताकि जनता को सच पता चले।मध्य प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने का काम मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत हो रहा है।

ये डिस्कॉम्स निम्नलिखित निजी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं

अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस : डिजाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल पर स्मार्ट मीटर स्थापना और रखरखाव।

सिक्योर मीटर्स लिमिटेड: भारत में स्मार्ट मीटर निर्माण और आपूर्ति में अग्रणी।

जेनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड: स्मार्ट मीटर निर्माण और स्थापना में प्रमुख भूमिका।

साइकननोड : लार्सन एंड टुब्रो के साथ मिलकर पश्चिम क्षेत्र में स्मार्ट मीटर नेटवर्क स्थापित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, विदेशी कंपनियां भी भारत में स्मार्ट मीटर इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश और तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही हैं। कुछ तकनीकी घटक जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से आयात किए जा रहे हैं।

कांग्रेस की मांगें- स्मार्ट मीटर स्थापना में उपभोक्ता की सहमति को अनिवार्य किया जाए और जबरन स्थापना पर तत्काल रोक लगाई जाए। स्मार्ट मीटरों की रीडिंग, तकनीकी खामियों और बिलिंग प्रक्रिया की स्वतंत्र और उच्च-स्तरीय जांच हो। असामान्य रूप से बढ़े बिलों को तत्काल रद्द कर वास्तविक खपत के आधार पर नए बिल जारी किए जाएं। जांच पूरी होने तक उपभोक्ताओं पर कोई दंडात्मक कार्रवाई न हो। स्मार्ट मीटर लगाने में शामिल सभी कंपनियों के नाम, उनकी कार्यप्रणाली और ठेके सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराए जाएं। पटवारी ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही इस मुद्दे का समाधान नहीं किया और स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों की जवाबदेही तय नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर सड़कों पर उतरेगी और इस अन्याय के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेगी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/25-26
दिनांक 17/7/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मनिल एंथोनी पति श्री लारेन्स एंथोनी ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 743 समीक्षा टाउन सावित्री बिहार संपत्ति के पिन क्रमांक 1000430473 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल रकवा व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 400 व.फु आरसीसी प्रथम तल 430 व.फु आरसीसी द्वितीय तल 400 व.फु आरसीसी पर निम्न दस्तावेज मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री लारेन्स एंथोनी पिता स्व. एंथोनी आंगस्तीन का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भवन क्र. एम.आई.जी. डीलक्स - 27 श्री रमेश कुमार गोहिया पिता स्व. श्री सोनू गोहिया को आंवटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 31.05.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री रमेश कुमार गोहिया पिता स्व. श्री सोनू गोहिया की मृत्यु दिनांक 23.06. 2025 को हो गयी है। आवंटी द्वारा मण्डल के साथ निष्पादित पंजीकृत विक्रय विलेख में उनकी पत्नि श्रीमती कृष्णा गोहिया पति स्व श्री रमेश कुमार गोहिया को नामिनी नियुक्त किया गया है। उनकी पत्नि श्रीमती कृष्णा गोहिया पति स्व श्री रमेश कुमार गोहिया के द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु ऑनलाईन आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण वावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG CL -41 श्री विकास जैन पिता श्री छोटे लाल जैन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री विकास जैन पिता श्री छोटे लाल जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2025 के माध्यम से श्रीमती बृज मोहनी साहू पति श्री गुणेन्द्र साहू को विक्रय किया है । श्रीमती बृज मोहनी साहू पति श्री गुणेन्द्र साहू द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में भवन क्रमांक MIG II 150 श्री पूरन लाल लाहोरी पिता श्री रूप लाल लाहोरी एवं श्रीमती अनीता बाई पति श्री मूलचंद के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 13.02.2008 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है । उक्त भवन श्री पूरन लाल लाहोरी पिता श्री रूप लाल लाहोरी एव श्रीमती अनीता बाई पति श्री मूलचंद ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.06.2025 के माध्यम से श्रीमती सोनम पटेल पति श्री मनोज कुमार पटेल को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सोनम पटेल पति श्री मनोज कुमार पटेल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

आबकारी अफसर ने दुकान में घुसकर की मारपीट !

सीएम, आबकारी मंत्री तक पहुंची शिकायत, सीसीटीवी में कैद घटना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर चर्चा सरगर्म हे कि जिले की 4 शराब दुकान में सहायक आबकारी आयुक्त ने घुसकर कर्मचारियों से मारपीट की। उनपर आरोप है कि संजीव दुबे अवैध वसूली के लिए दबाव बना रहे थे। मांग पूरी न होने पर उन्होंने लात-घूंसे मारे। कह कि मालिक से कहना दुकान सरेंडर कर दे, वरना बर्बाद कर दूंगा। पिटाई के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि जहां संजीव दुबे ने मारपीट की, वो चारों शराब दुकान ठेकेदार अजय सिंह बघेल की हैं। गुरुवार शाम को ठेकेदार नरसिंहपुर में थे। जानकारी के अनुसार शाम को संजीव दुबे कुछ कर्मचारियों के साथ ठेकेदार की दुकानों पर गए। यहां करीब 3 घंटे तक हंगामा किया। एक दुकान में लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी निकालकर ले गए।

सीएम, आबकारी मंत्री से की गई शिकायत

इस मामले में ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने बताया कि मामले की शिकायत सीएम डॉ. मोहन यादव, आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा और वाणिज्यकर विभाग प्रमुख सचिव तक पहुंचाई गई है। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे लंबे समय से छोटे ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं। पिटाई से घबराकर चारों दुकानों के सेल्समैन काम छोड़कर चले गए, जिससे बिक्री भी प्रभावित हो रही है। दुकानें सरेंडर करने की नौबत आ गई है। जागृति इंटरप्राइजेज के पार्टनर अजय सिंह बघेल ने प्रमुख सचिव को पत्र में बताया कि वह साल 2025-26 के लिए बरेला मदिरा समूह के लाइसेंसी है। 17 जुलाई को सहायक आबकारी आयुक्त बरेला शराब दुकान पहुंचे और गद्दीदार उपेंद्र मिश्रा से मालिक के बारे में पूछा। जब वह चुप रहा तो संजीव दुबे को यह बात नागवार गुजरी। उन्होंने गद्दीदार को लात-घूंसे मारे। दुकान के बाहर भी कर्मचारियों से पिटवाया। देर रात बरेला थाने में संजीव दुबे और उनके साथ आए अन्य कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

दुकान सरेंडर करो, वरना तबाह कर देंगे

प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में यह भी कहा गया कि संजीव दुबे ने धमकी दी कि जिले में अब शराब दुकान नहीं चलाने देंगे। सभी लोगों पर 34(2) का प्रकरण (अवैध शराब के कब्जे और वितरण) बनाकर जेल भिजवा दूंगा। इसके बाद वह धनपुरी दुकान पहुंचे, वहां भी सेल्समैन अमर गुप्ता के साथ मारपीट की और सीसीटीवी डीवीआर अपने साथ ले गए। वहां भी यही धमकी दी गई कि दुकान सरेंडर कर दो, वरना तबाह कर देंगे। बरेला नंबर 2 और पड़वार दुकान में भी कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की गई।

डर के मारे भागे कर्मचारी

ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने पत्र में बताया कि उनके समूह की दुकानों की लाइसेंस फीस समय पर भरी जा रही है, लेकिन सहायक आबकारी आयुक्त लगातार परेशान कर रहे हैं। कर्मचारी काम छोड़कर चले गए हैं। दुकान चलाना मुश्किल हो गया है। अगर कर्मचारी नहीं लौटे, तो लाइसेंस फीस समय पर नहीं भर पाएंगे और लाइसेंस निरस्त हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संजीव दुबे की होगी। न्यायालय की शरण लेनी पड़ सकती है।

आयुक्त बोले, विभाग का लेना-देना नहीं

मामले पर आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा, उनकी जानकारी में यह नहीं है कि संजीव दुबे ने मारपीट की है। अगर ऐसा हुआ है तो पुलिस अपनी जांच करेगी। ठेकेदार स्वतंत्र हैं थाने में शिकायत दर्ज कराएं। उसके बाद कार्रवाई संबंधित थाना पुलिस करेगी। विभाग का ऐसे विवादों से कोई लेना-देना नहीं है।

ऑफिस के बाहर मीडिया से न मिलने का पोस्टर

सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे ने अपने कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया है, जिसमें लिखा है, समस्त मीडिया से अनुरोध है कि आबकारी विभाग से संबंधित सभी जानकारी और खबरों के लिए सहायक जिला आबकारी अधिकारी दृगचंद चतुर्वेदी से ही संपर्क करें। बता दें कि सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे इंदौर और भोपाल में भी विवादों में रहे। इंदौर में ट्रेजरी चालानों में हेराफेरी कर आबकारी राजस्व में 40 करोड़ से ज्यादा का घोटाला और भोपाल में शराब के अवैध परिवहन की शिकायतों के चलते संजीव दुबे पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच, करीब एक साल पहले उनकी पोस्टिंग जबलपुर में हुई, लेकिन यहां भी वे विवादों में घिर गए हैं।

साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिले

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत सिहोरा के अंतर्गत संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोसलपुर में सिहोरा विधानसभा के विधायक संतोष बरकडे की उपस्थिति में विद्यालय में कक्षा नवमीं के अध्यनरत 42 छात्र छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। इस आयोजन के मौके पर विधायक ने कहा की साइकिल वितरण योजना बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के लिए चल रही प्रदेश सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल, मंडल अध्यक्ष अनंत नौगरिया, जपं सिहोरा के उपाध्यक्ष दिलीप पटेल, सरपंच गिरिजा जितेन्द्र पालीवाल, जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत रहे।

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल आज शहर में

कार्यकर्ताओं ने लगाये स्वागत मंच, फ्लेक्स से पटा शहर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल का आज जबलपुर प्रथम नगर आगमन दोपहर 2 बजे अन्धमुक बायपास से होगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल के आगमन पर भव्य स्वागत हेतु भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। उनके गर्मजोशी स्वागत के लिये शहर भर में स्वागत मंच, बैनर, पोस्टर फ्लेक्स भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा लगा दिये गये हैं।

प्रथम आगमन पर गर्मजोशी से होगा स्वागत- भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की आगवानी अन्धमुक बायपास पर की जाएगी, इसके उपरान्त धनवंतरि नगर चौराहे से होकर प्रदेश अध्यक्ष का काफिला पिसनहारी की मढिया पहुंचेगा जहां से प्रदेश अध्यक्ष जी सभी जनप्रतिनिधियों के साथ रथ में सवार होकर भव्य स्वागत यात्रा के साथ त्रिपुरी चौक, सुपाताल, शारदा चौक, एलआईसी, मदनमहल चौक, नागपाल गार्डन, आध शंकराचार्य चौक छोटी लाइन फाटक से शास्त्री ब्रिज, तीन पत्ती चौक होते हुए मानस भवन पहुंचेंगे जहां प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। हेमंत खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने के बाद जबलपुर में प्रथम आगमन होगा, इसके लिये भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ द्वारा किया जाएगा। श्री खंडेलवाल के आगमन पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, रास सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, प्रदेश मंत्री नंदनी मरावी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, जिपं अध्यक्ष आशा गोंटिया सहित भाजपा नेताओं ने पार्टी समर्थकों व कार्यकर्ताओं से उपस्थिति की आग्रह किया है।

कार्य विभाजन से खफा हुये आला अफसर

कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य शासन के निर्देश पर कलेक्टर्स द्वारा जिलों में न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्यों के बीच किए गए विभाजन से मध्यप्रदेश कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ असंतुष्ट हो गया है। नतीजा आज गुरुवार को प्रदेश के सभी जिलों में तहसीलदार अपने-अपने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। शासन के इस निर्णय का विरोध करने पहुंच रहे हैं। प्रदेश व्यापी विरोध के इसी क्रम में जबलपुर में भी तहसीलदार शशांक दुबे के साथ जिले में पदस्थ तहसीलदार और नायब तहसीलदार कलेक्टर दीपक सक्सेना को ज्ञापन देने पहुंच गए हैं। इसमें कहा गया है कि यह विभाजन बिना किसी अध्यन और समिति की सिफारिश तथा स्पष्ट एवं पारदर्शी मापदण्ड के अभाव में ले लिया गया है। बिना किसी ठोस और तार्किक कारण के मनमाने ढंग से विधि प्रावधानों से विपरीत जा कर यह निर्णय ले लिया गया है। इस विभाजन से कार्य क्षमता बढ़ेगी। गैर न्यायालयीन कार्य के लिए सम्भागीय मुख्यालय के जिलों में 14 और अन्य जिलों में 8 तहसीलदार और नायब तहसीलदार चिन्हित करने गणना का आधार क्या लिया गया है। इन विषयों पर यह दिशा-निर्देश पूरी तरह मौन हैं।

18 जिलों में सौंपा गया ज्ञापन- बता दें कि विगत 11 जून को राजस्व विभाग की पाक्षिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रमुख राजस्व आयुक्त द्वारा दिए गए थे। इसी आधार पर सभी जिलों के कलेक्टर ने यह कार्य विभाजन कर रखा है।

तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का कहना है कि आज ज्ञापन के माध्यम से हमने अपना विरोध दर्ज करा दिया है। यदि शासन हमारी बात नहीं मानता तो आगामी 21 जुलाई से आगामी रणनीति पर कार्रवाई शुरु कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि इस विभाजन के विरोध स्वरुप संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान के आव्हान पर 17 जुलाई को 18 जिलों में कलेक्टर के समक्ष पहुंच कर ज्ञापन दिया जा रहा है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**